गैरहां के खेतों में 'तुलसी', घर–आंगन में खुशियां हुलसीं

जासं, सेवापुरी: गैरहां गांव को तुलसी की खेती ने खुशहाल बना दिया है। तीन दर्जन से अधिक परिवार इसी खेती से अपनी आजीविका चला रहे हैं। किसी प्रकार की सरकारी सहायता न मिलने के बावजूद पूरा गांव तरक्की के रास्ते पर चल पड़ा है। तुलसी की खेती ने नवयुवकों का गांव से पलायन भी रोक दिया।

वर्षों पहले गांव के किसान तुलसी सिंह ने यहां तुलसी के पौधों की खेती शुरू की। समय के साथ उनकी तीन पीढ़ियां इस परम्परा का निर्वाह करते हुए तुलसी की खेती में जुड़ गई। कई साल पहले एक दौर ऐसा भी आया, जब गांव के युवा यहां से पलायन करने को मजबूर थे। तब किसान तुलसी सिंह ने युवाओं को आत्म निर्भर बनाने की योजना बनाई। खुद महाराष्ट्र से तुलसी का बीज लाकर उसकी खेती का काम शुरू किया। गांव के लोगों को भी इसकी खेती के लिए प्रेरित किया। आज गांव के अधिकांश किसान इस खेती से जुड़े गये है।

नेपाल तक होता है निर्यात: यहां तुलसी की माला बनाकर लुंबिनी, नेपाल तक भेजी जाती है। इलाहाबाद व काशी के व्यापारी भी इसे ले जाकर बेचते हैं। तुलसी की खेती से किसानों को प्रतिमाह हजारों का लाभ होता है।

तुलसी की पत्तियां तोडती सीता व गायत्री माली ● जागरण

नवाचार

- तुलसी की खेती ने गैरहां गांव को बना दिया खुशहाल
- गांव से युवाओं का पलायन रोकने में तुलसी बनी मददगार
- यहां बनी तुलसी की माला का नेपाल तक होता है निर्यात

सविता माली बदामी देवी, गायत्री माली, विकास माली, बहादुर माली, सरजू माली, राजकुमार, सुभाष, लालजी माली का कहना है कि हम लोगों के पास एक इंच जमीन नहीं है।

बटाई पर ली है जमीन: यहां अधिकांश किसान बटाई पर जमीन लेकर तुलसी की खेती करते हैं। प्रति बिस्वा पांच सौ रुपये साल पर जमीन लेकर उसकी तैयारी फरवरी में होती है। प्रति बिस्वा दो से ढाई हजार लागत आती है। जिसमें सात से दस हजार रुपये तक लाभ होता। इसी से परिवार का खर्च चलता है। सविता माली, बदामी माली, सीता देवी व गायत्री ने बताया कि तुलसी की खेती ने हमारे जीवन में नई रोशनी की है।

फरवरी में शुरू होती है खेती: फरवरी में तुलसी की खेती शुरू कर उसकी निराई, गुड़ाई व पानी के साथ खाद दिया जाता है। एक वर्ष में सात से आठ बार तुलसी की पत्ती की कटान होती है। इसके बाद माला तैयार की जाती है। माला लेने व्यापारी आते हैं।

बढ़ जाएगी आमदनी: बाजार मिला तो 60 से सौ रुपये प्रति सैकड़ा माला बिकती है। लागत से पचास गुना तक फायदा होता है। गैरहां गांव में लगभग बीस से तीस एकड़ में इसकी खेती होती है। तुलसी की माला हनुमान जी को चढ़ाई जाती है। सेवापुरी में अकेला गांव गैरहां है जहां तुलसी की खेती होती है।

अब घुमंतुओं के हिस्से में भी आएंगी सरकारी योजनाएं

अशोक सिंह ● वाराणसी

किसी भी सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए आधार, राशनकार्ड, आय प्रमाण पत्र व निवास प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेज अनिवार्य होते हैं। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने सड़कों के किनारे और आबादी से दूर आबाद रहने वाले घुमंतू, अर्द्ध घुमंतू और विमुक्त समुदाय के परिवारों को भी सरकारी सहायता देने का निर्णय लिया है। जिला प्रशासन घुमंतुओं को चिह्नित कर उन्हें विस्थापित करेगी।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल की अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा विमुक्त जातियों की संयुक्त समिति की पिछले दिनों बैठक हुई। इसमें घुमंतू लोगों की समस्या को उठाया गया। इसी में निर्णय लिया गया कि जो लोग भी सड़कों के किनारे स्थाई या अस्थाई रूप से प्रवास करते हैं उन सभी को चिह्नित किया जाए। इसके लिए पुलिस और प्रशासन के लोग ऐसे स्थानों को भ्रमण कर उनसे मिलें। उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं के बारे में गंभीरता से जानकारी लें। इसके बाद जिले के उपलब्ध गजेटियर या अन्य अभिलेखों में उनकी सूचनाएं डालें। इसी के आधार पर सरकार और उनके विकास एवं कल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन की जाएंगी। इस सभी से सरकार को सूचना देने को भी अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी के पत्र में आदेशित किया गया है।

प्रस्ताव

- प्रशासन और पुलिस को ऐसे लोगों को चिह्नित करने का दिया गया आदेश
- रिपोर्ट के आधार पर योजना बना कर किया जाएगा विस्थापन

वर्षों से कचहरी चौराहे पर आधा दर्जन विमुक्त परिवार: शहर में ऐसे तो दर्जनों स्थान हैं जहां पर घुमंतू समुदाय के लोग झुग्गी-झोपड़ी बना कर रहते हैं। ऐसे ही करीब आधा दर्जन परिवार कचहरी स्थित आंबेडकर चौराहे पर रहते हैं। करीब पांच वर्ष पूर्व तक इन सभी ने बनारस क्लब की दक्षिणी दीवार से सट कर झोपड़ियां बना ली थीं। वीवीआइपी के आगमन के दौरान इनकी झोपड़ियां उजाड़ दीं गईं। तब से ये खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं। जब-जब वीवीआइपी आते हैं तो इन्हें खदेड़ दिया जाता है। वीवीआइपी के लौटते ही ये भी लौट आते हैं। अब ये चौराहे पर स्थित कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा के नीचे कब्जा जमा लिए हैं। बरसात और ठंड में ये आसपास की प्रतिष्ठानों के सामने छज्जे और बरामदे के नीचे, फुटपाथ आदि पर सोते हैं।

दीवाली आफर का लाभ नहीं ले पाए लैंडलाइन उपभोक्ता

जागरण संवाददाता, चौबेपुर: दीपावली पर बीएसएनएल ने लैंडलाइन उपभोक्ताओं को दी निश्शुल्क काल की सुविधा का लाभ नहीं ले पाए उपभोक्ता इससे उपभोक्ताओं में रोष व्याप्त हैं।

चौबेपुर दूरसंचार केन्द्र विगत एक माह पूर्व बिजली आपूर्ति के अभाव में पूरा एक्सचेंज बैठ गया था। किसी तरह दो दिनों बाद सेलवन नेटवर्क व ब्रॉडबैंड का नेट चालू कर दिया गया। परन्तु लापरवाही के कारण लैन्ड लाइन फोन में डायल टोन आज तक नही आया। जिससे घरों में फोन बेकार पड़े है।

इधर बीएसएनएल ने उपभोक्ताओं को लुभाने के लिए 27 व 28 अक्टूबर को लैंडलाइन फोन पर पूरे देश मे निःशुल्क बात करने की सुविधा प्रदान कर दी। इसका संदेश मोबाइल पर आता रहा। पर उपभोक्ता टेलीफोन डेड होने के कारण इसका लाभ नही उठा सके। बीएसएनएल द्वारा लागू की गयीं इस योजना का किसी को लाभ नही मिला। उपभोक्ताओं ने तत्काल सभी लैंड लाइन फोन को चालू कराने की मांग की है।

परेशानी

- बीएसएनएल की दो दिनों की लैंड लाइन पर फ्री कालिंग का लाभ नही ले पाए उपभोक्ता
- स्कीम का लाभ नहीं मिला तो उपभोक्ताओं में है नाराजगी

सेलवन सेवा ठप, उपभोक्ता परेशान– जासं,मिर्जामुराद: ग्रामीण क्षेत्र में बीएसएनएल के सेलवन की संचार सेवा एक सप्ताह से ठप पड़ी है। सेलवन धारक उपभोक्ता परेशान है और मोबाइल शोपीस बना जेब मे पड़ा है। विभागीय कर्मचारी सिक्सलेन हाइवे निर्माण के चलते ओएफसी केबिल कटने व बिजली न रहने पर डीजल न उपलब्ध होने का दुखड़ा सुना पल्ला झाड़ लेते है।

अब लाखों तक पहुंचाइये अपनी बात
साप्ताहिकी बचत के साथ
3 दिन महाबचत के
प्रत्येक सोमवार, मंगलवार व बृहस्पतिवार को क्लासीफाइड विज्ञापन छपवाने पर पाएं 2 के साथ 2 फ्री
दैनिक जागरण क्लासीफाइड कम दाम, ज्यादा काम
दैनिक जागरण में अपना क्लासीफाइड विज्ञापन बुक करवाने के लिए जागरण अधिकृत बुकिंग सेन्टर/निकटतम जागरण कार्यालय जा सकते हैं
नोट – यह स्कीम सिर्फ उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड संस्करणों के लिए ही मान्य है।
1. यह विशेष छूट केवल सोमवार, मंगलवार व बृहस्पतिवार को प्रकाशित होने वाले क्लासीफाइड विज्ञापनों पर ही मान्य होगी।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : मो. 9305386369, 9336817807

एक नजर में

करंट से किशोर की मौत

रामनगर: सीहाबीर वार्ड में दीपावली पर घर की साफ–सफाई के दौरान लोहे के दरवाजे में उतरे करंट की चपेट में आने से आदित्य मौर्य (16 वर्ष) की मौत हो गई। दीपावली की सारी खुशियां गम में बदल गई। सहित्यनाका वार्ड निवासी किशोर आदित्य नगर स्थित एक निजी विद्यालय में कक्षा नौ का छात्र था। पढ़ाई के साथ ही आदित्य पिता दिनेश मौर्या की मृत्यु के बाद से ही सहित्यनाका तिराहे स्थित बीज की दुकान भी चलाता था। परिजनों की माने तो आदित्य घर मे साफ सफाई कर रहा था कि इसी बीच घर में लगे लोहे के गेट की रंगाई के दौरान, एकाएक बिजली का कटा हुआ तार लोहे की गेट से सट गया। गेट में करंट उतर गया और आदित्य गेट से चिपक गया। तुरंत उसे लेकर लोग ट्रामा सेंटर पहुंचे जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। (जासं)

सायरन बजने से हड़कंप

चोलापुर: दानगंज स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा में लगा इमरजेंसी सायरन शनिवार रात्रि 10.45 बजे बजने लगा। इस वाकये से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सायरन की आवाज सुनते ही पहुंचे स्थानीय पुलिस चौकी प्रभारी अजय कुमार यादव ने पुलिसकर्मियों के साथ बैंक को चारों तरफ घेर लिया। बैंक के अंदर जाकर देखा तो सबकुछ व्यवस्थित था। बैंक प्रबंधक प्रियरंजन सिंह ने बताया कि सेंसर के पास चूहा या फिर कोई जानवर आ गया होगा। (जासं)

आवास संग स्वस्थ जीवन के नुस्खे भी

लाभार्थियों को अन्य योजनाओं का भी मिलेगा लाभ, सरकार ने बनाई योजना

जेपी पांडेय ● वाराणसी

दौड़ भाग की जिंदगी में रहने के लिए मकान के साथ मनुष्य को शुद्ध हवा भी जरूरी है। यदि शुद्ध हवा नहीं मिलेगी तो मकान की सुंदरता से हमें स्वस्थ जीवन नहीं दे सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराने के साथ उन्हें अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराने पर जोर देने जा रही है। उन्हें स्वस्थ जीवन जीने की कला भी बताएगी जिससे लोग विभिन्न बीमारियों के शिकार नहीं हो सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी को चार चांद लगाने के लिए भारत सरकार ने अंगीकार परिवर्तन को अपनाने पर जोर दिया है। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों संग बैठक करने के साथ उन्हें लाभार्थियों में जागरूकता पैदा करने का निर्णय लिया है। साथ में कई योजनाओं से लाभ पहुंचाएगी।

तैयारी

- स्वस्थ जीवन जीने की कला भी बताएगी टीम, विभागीय बैठक हुई
- धुएं और गंदगी से लोग विभिन्न बीमारियों के हो रहे शिकार

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिन लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं, अब उन्हें अन्य सरकारी योजनाएं भी उपलब्ध कराने की तैयारी है। स्वच्छता, हरियाली आदि के बारे में जागरूक भी किया जाएगा।

–जया सिंह, परियोजना अधिकारी डूडा

धुआं मुक्त रसोई घर : वायु प्रदूषण को कम करने तथा खाना पकाने वाले ईंधन एलपीजी का उपयोग पर जोर देगी। उन्हें धुआं मुक्त चूल्हे का इस्तेमाल कर सांस समेत विभिन्न बीमारियों से बचने के बारे में बताएगी। उन्हें उज्जवला योजना से लाभ पहुंचाएगी।

अपशिष्ट का विभाजन : सूखा-गीला कूड़ा का अलग-अलग संग्रह करने, गीला कूड़ा आसपास कंपोस्टिंग तथा आसपास सफाई रखने के बारे में बताएगी।

स्वच्छता और स्वास्थ्य : स्वस्थ रहने के लिए रोज व्यायाम करने, शौचालय का उपयोग करें जिससे क्षेत्र में गंदगी नहीं फैले, भोजन से पहले हाथ धोएं आदि के बारे में जागरूक करेगी।

जल संरक्षण पर ज्यादा जोर : तेजी से गिरते जलस्तर से पानी का संकट पैदा होता जा रहा है। कई प्रदेशों की हालत चिंताजनक है। ऐसे में बूंद-बूंद पानी को सहेजने, जल संचयन, घरों में पानी का रिसाव न हो तथा पानी का इस्तेमाल कर टोटी तत्काल बंद करने की नसीहत देगी।

ऊर्जा संरक्षण बहुत जरूरी : ऊर्जा संरक्षण के लिए घर या बाहर बेवजह बल्ब नहीं जलने दें, कम वाट के एलइडी लगाएं। सौर ऊर्जा उपकरण का ज्यादा उपयोग करें। इसके अलावा प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करें, उपयोग करने वालों को टोके जिससे पर्यावरण संरक्षण हो सके।

पौधरोपण से आएगी हरियाली

हरे पेड़ों की कटाई से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है। पौधरोपण कर शहर में ग्रीन कवर एरिया बढ़ाएं। पौधरोपण कर ही हम आने वाले भविष्य को सुरक्षित रख सकते हैं।

घंटों विलंब से पहुंची ट्रेनें, यात्री परेशान

जासं, वाराणसी : सुस्त रफ्तार से चल रही ट्रेनें रविवार को करीब छह से 11 घंटे विलंब से पहुंची। यात्री स्टेशन पर पहुंचे तो उनमें जबरदस्त आक्रोश नजर आया। 12562 स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे, 3120 सियालदह एक्सप्रेस साढ़े छह घंटे, 14854 मरुधर एक्सप्रेस 11 घंटे, पटना नई दिल्ली स्पेशल साढ़े 10 घंटे, पटना-इंदौर एक्सप्रेस ढाई घंटे, एलटीटी-इंदौर सुविधा एक्सप्रेस छह घंटे, नई दिल्ली-वाराणसी स्पेशल तीन घंटे विलंबित रही।

काउंटर पर भीड़ : कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के विलंबित होने के कारण यात्रियों को परेशानी हुई। यात्री ट्रेनों के लोकेशन के लिए जूझते रहे।

16 महीने से नहीं लिखा है ब्लाक का नाम

जासं,काशी विद्यापीठ ब्लाक: एक- दो महीने नहीं बल्कि 16 महीने से बेनाम का ब्लाक कार्यालय बना हुआ है। मगर इस ओर अब तक किसी जिम्मेदार ने ध्यान देने की जरूरत तक नहीं समझी। यह सुनने में तो अजीब जरूर लगेगा मगर बात शत प्रतिशत सही है। यह हाल है काशी विद्यापीठ ब्लाक कार्यालय का। जहां 93 ग्राम पंचायतों के 5 लाख से अधिक आबादी के विकास कार्यो का खाका तैयार किया जाता है। मगर अफसरों की लापरवाही के चलते अबतक कार्यालय का नाम भवन पर नहीं लिखा गया है। अब तो इसे लोग बेनाम ब्लाक कहते हुए सुने जाते है। बतादें कि 25 मई 2018 को जिले के नोडल अधिकारी व प्रमुख सचिव डा. रजनीश दुबे के मुआयना के मद्देनजर ब्लाक कार्यालय की छत व दीवार का मरम्मत समेत कई कार्य ब्लाक प्रशासन द्वारा कराये गये थे। कार्यालय के ऊपरी सिरे पर मोटे अक्षरों में ब्लाक का नाम लिखा था मगर मरम्मत के दौरान वह मिट गया। तब से आज तक दोबारा नाम लिखाने की जरूरत महकमे ने नहीं समझी, जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

यही नहीं ब्लाक परिसर में मौजूद पशु अस्पताल का भी कुछ यही हाल है इसपर भी नाम लिखवाने की जरूरत जिम्मेदारों ने नहीं समझी। हां यह जरूर है कि बगल में अस्पताल के नाम का एक छोटा बोर्ड लगा दिया गया है। जिसपर जल्द लोगों की निगाह नहीं पहुंचती। उधर, इस बाबत प्रभारी बीडीओ आरके द्विवेदी से बात की गयी तो वह कुछ स्पष्ट नहीं कर सके।

सराफा कारोबारी लूटकांड में हमलावरों का सुराग नहीं

जासं, मिर्जामुराद : एडीजी के फरमान के बाद भी थाना प्रमुख और चौकी प्रभारी इलाके में गश्त नहीं किए। नतीजा बदमाशों ने कारोबारी को गोली मारकर लाखों के आभूषण लूट लिए और फरार हो गए। अपराध के बाद भले ही लापरवाही के आरोप में मिर्जामुराद थाना प्रभारी वैभव सिंह व कछवां रोड चौकी प्रभारी विजय शंकर यादव को सस्पेंड कर दिया गया लेकिन क्राइम पर कंट्रोल अब भी बड़ा सवाल है।

कछवांरोड चौराहा पर धनतेरस पर्व की पूर्व संध्या पर गुरुवार को बदमाशों ने सराफा कारोबारी संजय जायसवाल को गोली मारकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण व बिक्री के रुपये की हुई लूट के मामले में 72 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा।

मिर्जामुराद के नए थाना प्रभारी बनाए गए सुनील दत्त दूबे के लिए लूटकांड का राजफाश करना बड़ी चुनौती है। हालांकि थाना प्रभारी व चौकी इंचार्ज पर गाज गिरते ही बाजारों में पुलिस दिखने लगी है। निलंबन की कार्रवाई के बाद गश्त बढ़ने पर व्यापारी एक ओर जहां दिनभर चर्चा करते रहे, वहीं बदमाशों के अब तक नहीं पकड़े जाने पर रोष भी जताया।।

सराफा कारोबारी लूट कांड

दुकानदार गुरुवार की सायंकाल दुकान बंद कर रोज की भांति बैग में लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण व बिक्री की नकदी लेकर अपने पुत्र नवीन जायसवाल (13 वर्ष) संग घर जाने की तैयारी कर रहे थे कि दो बाइक पर सवार होकर चार की संख्या में पहुंचे बदमाशों में दो कारोबारी के पास पहुंचे, जबकि दो सड़क पर खड़े रहे। कारोबारी के पास पहुंचे बदमाश ने हवाई फायरिंग कर बैग छीनना चाहा कारोबारी ने विरोध किया तो उन्हें दो गोली मार दी और बैग छीन लिए। पुत्र जब बदमाशों से भिड़ा तो वे उसे धक्का मार गिरा दिए।

'झटपट' के तहत ऑनलाइन ही होगा बिजली कनेक्शन

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बिजली का कनेक्शन अब सिर्फ ऑनलाइन ही लेना होगा। इसके लिए पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने झटपट योजना भी शुरू की है। यानी आपको कार्यालयों के चक्कर या अधिकारियों की जी-हुजूरी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपके द्वारा कनेक्शन के लिए किए गए आवेदन के दो दिन में ही टीम आपके यहां पहुंचकर मौके का सत्यापन करेगी। सत्यापन में अगर सारे दस्तावेज एवं शर्तें सही रहीं तो इसके तीन दिन बाद कनेक्शन भी मिल जाएगा। इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई का भी प्रावधान रखा गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर काशी की बिजली व्यवस्था स्मार्ट होते जा रही है। इसके तहत कबीर नगर सहित कई मोहल्लों में भूमिगत केबल डाला गया है। इन क्षेत्रों में बिजली कटौती एवं बिजली चोरी की समस्या लगभग समाप्त हो गई है। इससे पहले जहां यहां पर लाइन लॉस करीब 40 प्रतिशत थी वहीं अब घटकर 11 प्रतिशत तक आ गई है। आइपीडीएस के तहत अब सात स्थानों पर दूसरे चरण का कार्य चल रहा है, जिसे दिसंबर तक पूरा करना है। इसी बीच शहर में अंडर ग्राउंड केबलिंग का कार्य शुरू होने वाला है। इसके तहत प्रस्ताव तैयार करने के लिए वर्क अवार्ड भी कर दिया गया है। साथ ही शहर में स्मार्ट मीटर भी लगाए जा रहे हैं। बिल से लेकर भुगतान तक आनलाइन होने के बाद अब कनेक्शन लेना भी आसान हो गया है।

पहल

- नहीं काटने होंगे कार्यालयों के चक्कर व अधिकारियों की जी–हुजूरी
- आनलाइन आवेदन के दो दिन में ही भौतिक सत्यापन करने पहुंच जाएगी टीम

नगरीय विद्युत वितरण मंडल प्रथम के अधीक्षण अभियंता विजय पाल ने बताया कि अब आनलाइन ही कनेक्शन दिए जाएंगे। हां, जिसकी प्रक्रिया पहले से चल रही है उसी का ही मैन्युअल कनेक्शन दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता खुद से या जन सुविधा केंद्र पर कनेक्शन के लिए आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके दो दिन बाद टीम सत्यापन करेगी। अगर 40 मीटर की दूरी के भीतर पोल मौजूद हो तो आगे के तीन दिन में इस्टीमेट बनाकर कनेक्शन दे दिया जाएगा। इसका भुगतान भी ऑनलाइन ही करना है।

पंचायत चुनाव में उतरेगी कांग्रेस

जासं, वाराणसी : उप्र मिशन 2022 को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। जहां शून्य कार्यकर्ता वाली पार्टी मानकर नए सिरे से संगठन की कमेटियों का गठन कर रही हैं तो वहीं आगामी चुनावों को लेकर भी सचेत हैं। हर चुनाव में पार्टी के नफा-नुकसान का आकलन कर तैयारी में जुटी हैं।

बीते सप्ताह दिल्ली में हुई एडवाइजरी कमेटी की बैठक में उन्होंने ग्राम पंचायत व विधान परिषद के चुनावों को लेकर मंथन किया। इसमें ग्राम पंचायत चुनाव को अति गंभीरता से लेने का निर्णय लिया गया। प्रियंका के अनुसार ग्राम पंचायत चुनाव में पार्टी का बेहतर प्रदर्शन संगठन की जड़ों को मजबूत करेगा।

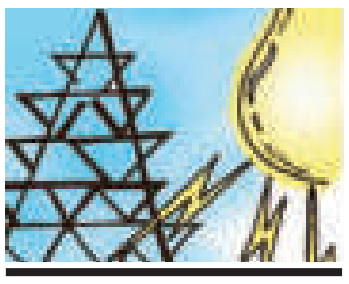

गांव-गांव के हर घर तक कांग्रेस की पहुंच बनेगी। उन्होंने सोशल इंजीनियरिंग के पुराने फार्मूला पर ग्राम पंचायत चुनाव लड़ने के लिए पहली रणनीति को उजागर की है। इसको ध्यान में रखते हुए जिला कमेटी के गठन को बल दिया गया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक अजय राय ने कहा कि एडवाइजरी कमेटी की बैठक में प्रियंका जी के समक्ष ग्राम पंचायत व विधान परिषद के चुनाव को लेकर चर्चा हुई। दोनों चुनावों में पार्टी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी।

दैनिक जागरण क्लासीफाइड कम दाम, ज्यादा काम
नौकरी बिजनेस खोया-पाया शिक्षा प्रापर्टी मेडिकल सूचना फिल्म नशा छुड़ाये वैवाहिक
For online booking log on to www.jagranclassifieds.com

आवश्यकता
आवश्यकता है असर्फी हॉस्पिटल
आवश्यकता है शरन हॉस्पिटल प्रा. लि.
EMO MBBS/BAMS
9.10 नवम्बर 2019

Relince Jeo कंपनी SMS Job करके लड़के लड़कियां गृहणियां घर बैठे कमाएं 18 500–45000 महीना लैपटॉप+मोबाइल फ्री नाम पता SMS/WhatsApp करे 8252588159, 6203685964

GREEN VALLEY ENGLISH SCHOOL
REQUIRES TEACHERS
PGT
TGT
PRIMARY
Pre-Primary

विदेश में नौकरी

वाराणसी में पर्यवेक्षक पदों के लिए भर्ती। (fixed salary + conveyance charges)शैक्षणिक योग्यता:-कोई भी स्नातक(10 वीं/12 वीं पास)मोब नं- शुभम सर- 9665157201, 9721303201आशीष सर- 8482973707

Artel कंपनी में sms करके लड़के लड़कियां गृहणी घर बैठें पार्ट/फुलटाइम कमाएं 15 000–45000 महीना लैपटॉप+मोबाइल फ्री नौकरी हेतु नाम पता sms 8084747643, 7542851399

व्यापार
(Govt. App.) Singhaniya Group को जमीन, छत, प्लॉट पर 4G–5G उपकरण लगवायें का टेंडर दिया है एडवांस 90लाख, किराया 85000/– +नौकरी+गाड़ी 8004018830, 7376517211

सूचना
सूचना–मेरे शैक्षिक अभिलेख में मेरा नाम इद्रीसी मोहम्मद तनवीर है जो सही है जबकि मेरे नाम के पीछे पिता जी का नाम मोहम्मद शहाबुद्दीन लिखा है जो सही है भविष्य में मेरा नाम इद्रीसी मोहम्मद तनवीर ही रहेगा। इद्रीसी मोहम्मद तनवीर पुत्र मोहम्मद शहाबुद्दीन, मो0–तकिया शहबान, पो0–मारकीनगंज, जिला–गाजीपुर

बिकाऊ
बिकाऊ है- पूर्णत: निर्मित फ्लैट 2 व 3BHK38 से 65लाख भदऊ, राजघाट सेंटजांस मड़ौली श्रीनगर गुरूबाग वाराणसी में। मोबाइल- 9415292940, 7007479696

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ. प्र.
नवीन फल एवं सब्जी मण्डी स्थल पहड़िया, वाराणसी

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

[illegible]

क्र.	कार्य का नाम	निविदा शुल्क (जी.एस.टी. सहित)	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	धरोहर धनराशि (रु. लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकृत ठेकेदारों की श्रेणी
1	[illegible]	1180.00	17.86	1.80	तीन माह	'द'
2	[illegible]	1180.00	22.37	2.23	तीन माह	'ग'
3	[illegible]	1770.00	68.68	6.86	तीन माह	'द'
4	[illegible]	1180.00	31.99	3.20	तीन माह	[illegible]
5	[illegible]	1180.00	39.82	4.00	तीन माह	[illegible]
6	[illegible]	1180.00	44.81	4.50	तीन माह	[illegible]
7	[illegible]	1180.00	27.98	2.80	तीन माह	[illegible]
8	[illegible]	1770.00	61.88	6.20	तीन माह	[illegible]
9	[illegible]	1180.00	39.49	4.00	तीन माह	[illegible]
10	[illegible]	1180.00	24.20	2.42	तीन माह	[illegible]
11	[illegible]	1180.00	17.77	1.77	तीन माह	[illegible]
12	[illegible]	1180.00	27.72	2.77	तीन माह	[illegible]

नोट : [illegible]

उपनिदेशक (निर्माण)

दैनिक जागरण

नई राहें

एक नई शुरुआत

वाराणसी, सोमवार, 28 अक्टूबर, 2019

www.jagran.com

रोशनी के अनमोल सबक

लाइफ स्किल

प्रकाश का पर्व दीवाली देशवासियों ने कल हर्ष और उल्लास के साथ मनाया होगा। हर साल की तरह इस बार भी कई दिन पहले से उत्सव और त्योहारी उल्लास-उमंग सब जगह छाई दिखी और हर किसी ने अपने अनोखे तरीके से रोशनी के इस सबसे बड़े त्योहार का उत्सव मनाया होगा। रोशनी का यह त्योहार हम सबको सोचने, मनन करने, सीखने, अपने करियर को जगमगाने और झिलमिलाने के लिए दिलचस्प अवसर भी पेश करता है...

विनीत टंडन
(म्यूजिक मोटिवेशनल स्पीकर)

निःसंदेह आप सभी ने दीपावली का भरपूर आनंद उठाया होगा। पूरे घर की साफ-सफाई करके उसे रोशनी से जगमगाया होगा। घर तो निश्चित रूप से रोशन हो गया होगा, लेकिन क्या आपने इस त्योहार से कुछ सीख भी ली? दरअसल, यह पर्व स्वच्छता, दीये जलाने, पटाखे चलाने और मिठाइयां-पकवान का आनंद लेने के साथ-साथ कई सारे सबक सीखने और इन्हें अपने जीवन में उतारने का संदेश भी देता है। आइए जानें इसमें आपके लिए किस तरह के सबक निहित हैं, जिनसे आप अपने जीवन को संवार सकते हैं :

करें अपनी चिंगारी की पहचान : दीपावली दीयों और पटाखों का त्योहार माना जाता रहा है, लेकिन बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पटाखों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद बाजार में विभिन्न प्रकार के और विविधतापूर्ण ग्रीन पटाखे उपलब्ध थे। हालांकि ऐसा अभी सीमित मात्रा में ही उपलब्ध है। देखा जाए, तो प्रत्येक पटाखे की अपनी क्षमता होती है जो उसके बनाए जाने की विधि और इस्तेमाल किए गए कच्चे माल पर निर्भर करती है। हालांकि इन सबके बावजूद स्वयं अपने आप में किसी पटाखे का तब तक कोई उपयोग नहीं है, जब तक कि उसे बाहर से एक चिंगारी न मुहैया कराई जाए। यह चिंगारी उस प्रयोजन की तरह है, जिसकी हमें अपनी संभावना को प्रज्ज्वलित करने और जीवन में अपेक्षाकृत अधिक बड़ी सफलता एवं सुख की दिशा में कार्य करने के लिए जरूरत होती है। इससे इसमें यह सीख है कि इधर-उधर भटकने की बजाय अपने भीतर छिपी प्रतिभा की चिंगारी की पहचान कीजिए और फिर निश्चिंत रहिए। अगर आपने अपने भीतर की इस चिंगारी को जान-समझ लिया, तो फिर अपने सपनों को सच करने में अवश्य कामयाबी हासिल करेंगे।

अपने यश में जगमगाइए : दीपावली पर जिस तरह विभिन्न प्रकार की रोशनी, दीपक और पटाखे होते हैं, जिनमें प्रत्येक अपनी भूमिका खोज रहा होता है, वैसे ही हम सबका अपना एक प्रयोजन होता है और हमें दूसरों की नकल या प्रतिकृति बनने की फिक्र कतई नहीं करनी चहिए। अगर एक फुलझड़ी एक रॉकेट की नकल करना शुरू करे या वह एक चटाई वाले पटाखे की तरह बर्ताव करना शुरू करे तो वे सभी केवल निराश होंगे। इसलिए आप भी अपनी पसंद के अनुसार अपने लिए सही कार्य की पहचान कीजिए और अपने यश में जगमगाते हुए अपनी पहचान बनाइए।

चुनौतियों से संकोच मत कीजिए : यदि भगवान राम ने सोचा होता कि वह भगवान हैं तो वह देश निष्कासन में नहीं जाते और कठिनाइयों का सामना नहीं करते, क्या तब फिर रामायण और रामचरित मानस का कोई सार होता? इसी प्रकार, हमारे जीवन का सार वे चुनौतियां हैं, जिनका हम समय-समय पर सामना करते हैं। वह कठिनाइयां ही हैं, जिन पर हम जीत हासिल करते हैं। इसलिए मुश्किलों से घबराए बिना उस पर सवार होइए और फिर विजयी बनकर उभरिए।

सदा आशावादी रहें : चाहे जितना भी अंधेरा क्यों न हो, एक अकेला दीपक अंधकार से भरे कमरे को प्रकाशमय कर सकता है। ज्यादा दीपक उस कमरे में प्रकाश को और ज्यादा बढ़ाएंगे, लेकिन फिर भी प्रकाश के प्रयोजन हेतु केवल एक दीपक अपने आप में पर्याप्त होता है। आपने दीपावली पर खुद देखा होगा, जब आप बहुत सारे दीये जला देते हैं, तो हर तरफ जगमग हो जाता है। पर अगर आज आपकी जिंदगी में वह सब कुछ नहीं है जो आप शायद चाहते थे, तो खुद को कभी भी कम भाग्यशाली या वंचित मत महसूस कीजिए। आशा वह सर्वश्रेष्ठ रोशनी है जो हमारे पास हो सकती है, भले चारों ओर कितना भी अंधकार क्यों न हो। आशा का दीपक आपको आलोकित रखता है और जब कठिनाई दूर हो जाती है तो आप एक जगमग तरीके से विजेता बनकर उभरेंगे।

पहचानें सही राह

मार्गदर्शन

डॉ० पृथ्वीनाथ पाण्डेय

जीवन में यदि अपने लक्ष्य-ध्येय की पूर्ति होते देखना हो तो अनुशासित रहकर परिश्रम करना होता है। परिश्रम दो प्रकार के होते हैं : पहला, सार्थकता को रेखांकित करता हुआ और दूसरा, निरर्थकता के साथ जुड़कर व्यर्थ सिद्ध होता हुआ। दूसरे प्रकार का परिश्रम तन को रुग्ण कर देता है और मन को आहत भी। ऐसा इसलिए कि जब हमारा विद्यार्थी अपने भविष्य को समुज्ज्वल बनाने के स्थान पर उद्देश्यविहीन होकर कोई क्रिया करता है तब उसकी प्रतिक्रिया हृदय पर चोट करती है। इससे उसका मन-प्राण आहत होता है और उसका मस्तिष्क नकारात्मक दिशा में कार्य करने लगता है। इससे यह सुस्पष्ट संदेश प्राप्त होता है कि कोई भी कार्य सार्थक उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए ही करना चाहिए, अन्यथा भविष्य अंधकारमय ही लक्षित होगा। इतना ही नहीं, इसका परिणाम-प्रभाव दूरगामी होगा। ऐसी मनोवृत्तिवाले विद्यार्थी समाज से अधिक स्वयं के लिए घातक सिद्ध होते हैं। वे जहां-जहां जायेंगे, अपने साथ 'अंधकार-पक्ष' को भी लेते जायेंगे। ऐसे विद्यार्थी भयावह नकारात्मक विचारों से दुष्प्रभावित रहते हैं। वे विवादग्रस्त विषयों के प्रति अति शीघ्र आसक्त हो जाते हैं और संवादप्रियता से परे होते रहते हैं। यही कारण है कि शालीन और सौम्य विद्यार्थी उनकी कुसंगति से बचने का प्रयास करते हैं। ऐसी मानसिकता के विद्यार्थी यह सोचते हैं कि अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा का प्रदर्शन कर वे दादा (गुंडा) बन जायेंगे और आतंक का पर्याय बनकर अपना प्रभुत्व स्थापित कर लेंगे।

अराजक वातावरण में पलनेवाले इन्हीं विद्यार्थियों का एक गुट शैक्षणिक परिसरों को अपने कुकृत्यों से दुष्प्रभावित करता आ रहा है। आश्चर्य तब और होता है जब उक्त प्रकार के स्वभाववाले विद्यार्थी छात्रावासों और शिक्षालय-परिसरों में पहुंचकर सामान्य विद्यार्थियों को आतंकित करने का प्रयास भी करते हैं। इससे अध्ययन करने के उद्देश्य से दूर-दूर से आये विद्यार्थियों का मन-मस्तिष्क घायल होने लगता है। ऐसी स्थिति में, सोद्देश्य अध्ययन करनेवाले विद्यार्थियों को अवांछनीय तत्वों से बहुत दूरी बनाकर अपने लक्ष्य-ध्येय के प्रति जागरूक रहना चाहिए। ऐसा इसलिए कि आज देश के विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय तथा प्रौद्योगिकी-संस्थान अराजक तत्वों से मुक्त नहीं दिख रहे हैं। स्वस्थ विचारधारा के साथ अध्ययन के लिए आये हुए विद्यार्थियों को किसी भी शिक्षालय की विषाक्त राजनीति से परे रहकर विषयगत गहन अध्ययन करने के प्रति चिंतित रहना चाहिए। निवास अथवा आवास से शिक्षण संस्थानों में जाना और वहां स्वस्थ-सानंद रहकर प्रत्येक कक्षा में निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर शिक्षा ग्रहण करना; समझ में न आने पर उसी समय संबंधित अध्यापक से प्रश्न-प्रतिप्रश्न करना एक जागरूक और सजग विद्यार्थी का लक्षण है। सभी विद्यार्थियों को वैसे प्रदूषित वातावरण से बहुत दूर रहकर अपने भविष्य के प्रति सुचिंतित रहना होगा, तभी लक्ष्य-संधान के प्रति सकारात्मक दृष्टि विकसित हो सकती है।

भाषाविद् और समीक्षक
prithwinathpandey@gmail.com

विचारणीय प्रमुख बातें

- जीवन को सुधार मार्ग पर ले चलने का स्वभाव बनायें।
- अराजक तत्वों की परछाईं से दूर रहने का अभ्यास कीजिए।
- आपका एकमात्र उद्देश्य अध्ययन करना है, इसे विस्मृत नहीं करना है।
- कक्षा में अध्यापन के समय यदि विषयगत कठिनाई हो तो उसी समय संबंधित अध्यापक से निस्संकोच प्रश्न-प्रतिप्रश्न करें।
- उद्देश्य और लक्ष्य की उपयोगिता-महता समझते हुए, गहन अध्ययनकर्म में प्रवृत्त रहें।

सफलता के लिए बनें स्मार्ट

सक्सेस मंत्रा

कॉलेज स्टूडेंट्स की वित्तीय दिक्कतों को ध्यान में रखकर शुरू किया गया डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म 'एमपॉकेट' बीते तीन सालों में देश के 200 शहरों और पांच हजार से अधिक कॉलेजों में अपनी सेवाओं का विस्तार करने में सफल रहा है। अब तक 5 लाख से अधिक लोग इस एप को डाउनलोड कर चुके हैं। आने वाले समय में पेशेवरों, लघु उद्यमियों के लिए नई लोन स्कीम शुरू करने की योजना है। कोलकाता स्थित कंपनी के संस्थापक एवं सीईओ गौरव जालान कहते हैं कि हमें फोकस रहकर काम करना चाहिए। बिजनेस में सफलता के लिए स्मार्ट, जुनूनी और सकारात्मक रहना होगा।

वह बताते हैं कि 20 साल पहले मैं पढ़ाई के लिए अमेरिका गया था। एमहर्स्ट कॉलेज से इकोनॉमिक्स एवं कंप्यूटर साइंस में स्नातक करने के बाद न्यूयॉर्क के कोलंबिया बिजनेस स्कूल से एमबीए किया। पढ़ाई के बाद मैंने अमेरिका की ही एक शीर्ष मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म से अपने करियर की शुरुआत की। इस तरह करीब आधा दशक इनवेस्टमेंट एनालिस्ट के रूप में बिताया है। इनवेस्टमेंट वर्ल्ड के अनुभवों ने ही मुझे अवांत गार्डे वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी के सीईओ और चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर के पद तक पहुंचाया। लेकिन कॉलेज के दिनों के अनुभवों के आधार पर मैंने कुछ अपना शुरू करने का निर्णय लिया और फिर नींव पड़ी 'एमपॉकेट' की।

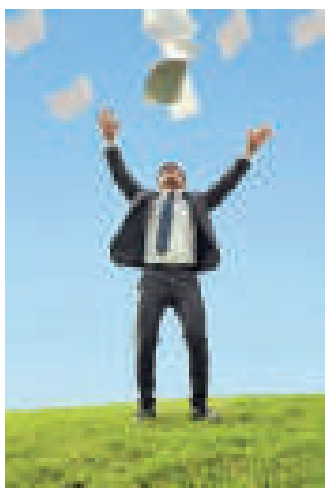

स्टूडेंट्स को क्रेडिट की सुविधा : दरअसल, पढ़ाई के दौरान एक विदेशी स्टूडेंट होते हुए भी मुझे आसानी से क्रेडिट कार्ड मिल गया था। उससे अपने खर्चे मैनेज करने में काफी सहूलियत हुई थी। जबकि हमारे देश में आज भी किसी कॉलेज स्टूडेंट को उसके रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी वित्तीय संस्था से लोन नहीं मिलता है। लेकिन अब मोबाइल पर उपलब्ध माइक्रो लेंडिंग प्लेटफॉर्म 'एमपॉकेट' उनके लिए उपयोगी साबित हो सकता है। स्टूडेंट्स सिर्फ एप पर रजिस्ट्रेशन कर लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। कुछ डॉक्यूमेंट्स ऑनलाइन सबमिट करने के बाद सूचनाओं को वेरिफाई किया जाता है और फिर एक क्रेडिट कार्ड ऑफर किया जाता है।

स्पर्धा से नहीं डरता : फाइनेंस डोमेन की नॉलेज और मैनेजमेंट कंसल्टेंट के रूप में अनुभवों ने ही मुझे इस क्षेत्र में व्याप्त कमियों को पहचानने और उसका समाधान निकालने में मदद की। निश्चित तौर पर भारत में वित्तीय सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है, उसमें सुधार आ रहा है। डिजिटल ट्रांजैक्शन, वित्तीय लेन-देन बढ़ रहे हैं। आज के समय में अनेक कंपनियां हैं जो खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रही हैं। इससे प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, जिसे सकारात्मक रूप में लेना चाहिए। इस स्पर्धा के बीच हमारे लिए आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर हैं।

नाकामी से न हों हताश : सामान्य तौर पर वित्तीय सेवाओं और उसमें भी लेंडिंग प्रक्रिया में बदलने नियम-कानून का ध्यान रखना बड़ी चुनौती होती है। देश में फिनटेक और लेंडिंग स्पेस अभी उतना विकसित नहीं हुआ है। इससे ग्राहकों को प्रोडक्ट की जानकारी देने में काफी वक्त लगता है। वहीं, इंस्टीट्यूशनल डेब्ट फाइनेंस भी एक चुनौती होती है। हालांकि, अब तक का सफर काफी संतोषजनक रहा है। पांच लाख के करीब ग्राहक हमारे प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं और सेवाएं ले रहे हैं। हां, कई बार मुझे भी असफलता से डर लगता है, जैसे दूसरों को भी लगता होगा। मैं मानता हूं कि हर टास्क के साथ फेल्योर की गुंजाइश रहती है, लेकिन हमें उससे हताश या निराश नहीं होना चाहिए।

जागरण फीचर

फायदे का सौदा...

न्यू प्रोफेशनल्स

आप ऑफिस में नये आए हैं, तो हर निगाह आपको देख रही होती है, वॉच कर रही है आपके हर क्रियाकलाप को। ऐसे में आपका संतुलित और खुशनुमा व्यवहार बेहतर कामकाजी माहौल बनाने में कामयाब होगा और यह आपके और बाकी सहकर्मियों के लिए भी फायदे का सौदा रहेगा ...

नये ऑफिस में पहले दिन आपका स्वागत होगा यह तय है लेकिन आगे की राह आसान तब होगी, जब आप अपनी टीम के साथ मिल-जुल कर चलेंगे। अब आप एक नए वर्क कल्चर का हिस्सा बनने जा रहे हैं। नए ऑफिस में बॉस की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है और टीम के लोगों के साथ मधुर व्यवहार बनाना है। नए वर्कप्लेस में सहकर्मियों और बॉस का भरोसा जीतने के लिए कुछ टिप्स आपके काम आ सकते हैं :

- नई जगह पर न तो पूरी तरह फ्रेंड्ली यानी अनौपचारिक व्यवहार रखें और न ही अलग-थलग रहें। बेहतर हो कि एक प्रोफेशनल की तरह कार्य और बर्ताव करें।
- कुछ दिन अच्छे श्रोता बन कर देखें, माहौल को परखें, कलीग्स को जानें और इधर-उधर की बातों की बजाय अपने काम पर फोकस करें।
- आप कितने भी वोकल, सहज और ट्रांसपैरेंट हों, नए ऑफिस में अपने व्यवहार में संयम और संतुलन बनाएं। अपने परिवार या कार्य के बारे में उतनी ही जानकारी दें, जितना पूछा जाए। बढ़-चढ़ कर बताने की प्रवृत्ति नुकसानदेह साबित हो सकती है।
- पुराने ऑफिस की बुराई न करें। बेहतर हो कि वहां के वर्क कल्चर, सैलरी या माहौल के बारे में नए कलीग्स से बातचीत न करें।
- सकारात्मक दृष्टिकोण ही वह चीज है, जो नए माहौल में आपको संतुलित बनाए रख सकती है। जो भी काम दिया जाए, उसे तत्परता और उत्साह से तय समय पर पूरा करने की कोशिश करें। अगर कुछ समझ में नहीं आ रहा तो चुप बैठने के बजाय संबंधित व्यक्ति से मदद लें। यह न सोचें कि इससे गलत प्रभाव पड़ेगा।
- अपने लुक और बॉडी लैंग्वेज पर ध्यान दें। प्रोफेशनल लुक अपनाएं। नए ऑफिस के ड्रेस कोड को समझें और अगर कोई यूनिफॉर्म है तो उसके अनुसार ही तैयार हों।
- नया ऑफिस ज्वाइन करने के बाद अगर पहली मीटिंग में हिस्सा लेने जा रहे हों तो सहकर्मियों से उसके बारे में संक्षिप्त बातचीत करें। मीटिंग में न तो बहुत चुप बैठें, न ही लगातार बोलते रहें। अपने काम को संक्षिप्त और प्रभावी ढंग से रखें। किसी दूसरे की बात न काटें और न यह दर्शाएं कि आप ही सही हैं।
- जितनी जल्दी नए सिस्टम और कार्य-स्थितियों को समझेंगे, उतनी ही जल्दी आपकी और कंपनी की ग्रोथ पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। नया काम सीखने में अतिरिक्त समय भी देना पड़े तो उसे सीखें क्योंकि आज के तेज-रफ्तार प्रोफेशनल कल्चर में लंबे समय तक कोई किसी की मदद नहीं कर सकता। इसलिए अपने काम में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए हरसंभव कोशिश करें।
- कई बार लोग शिकायत करते देखे जाते हैं कि उन्हें काम नहीं दिया गया या वे उतना ही करेंगे, जितना कहा जाएगा। ध्यान रखें, जिम्मेदारी उसी को दी जाती है, जो इसे लेने को तत्पर रहता है। आगे बढ़कर काम करें और उसकी जिम्मेदारी लें।
- अच्छा यह होगा कि ऑफिस ज्वाइन करने से पहले ही नए ऑफिस के बारे में पर्याप्त होमवर्क कर लें। इसके अलावा, अपने कार्यकाल और कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी शर्तों, सीटीसी-इन हैंड सैलरी, छुट्टियों, टाइमिंग्स आदि के बारे में पहले ही एचआर विभाग से विस्तृत पूछताछ कर लें ताकि आगे जाकर कोई शिकायत न रहे या पछतावा न हो।
- ऑफिस पॉलिटिक्स या गॉसिप्स का हिस्सा न बनें। अगर आपके सामने कोई ऐसी चर्चा करे भी तो वहां से निकल जाएं और अपना ध्यान काम पर केंद्रित करने की कोशिश करें।
- आप कितना भी अच्छा काम क्यों न करते हों, अगर वह समय पर पूरा न हो तो उसका प्रभाव खत्म हो जाता है। इसलिए हर कार्य को निर्धारित समय पर पूरा करें।
- सराहना करना सीखें। नए ऑफिस में ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जो आपके गाइड या मेंटर की भूमिका निभाते हैं। उनकी सराहना करें या उनके लिए थैंक्यू नोट लिखें।

जागरण फीचर

पहनावा बताता है आपकी पर्सनैलिटी

ड्रेसिंग सेंस

बिन बोले आपके बारे में बता देता है आपका परिधान। दफ्तर में कैसे हों आपके परिधान? यह सवाल पेचीदा तो है पर कुछ बातें ध्यान में रखें तो यह उतना भी मुश्किल मामला नहीं...

यह सही है कि आप बढ़िया पेशेवर हैं और अपने कामकाज को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरतते लेकिन क्या कभी आपने अपने पहनावे पर ध्यान दिया है? यदि आप यहां भी उतनी ही बारीकी से चीजों का ध्यान रखते हैं तो इसका अर्थ है आप एक परफेक्ट एम्प्लॉई हैं। यदि आप लॉयर, डॉक्टर या आर्मी में हैं तो वहां आपको यूनिफॉर्म पहनना है लेकिन यदि आप दूसरे क्षेत्रों में कार्यरत हैं तो याद रहे आपका परिधान खुद आपके बारे में काफी कुछ बयां करता है। क्या आप अनचाहे ही अपनी छवि खराब करना चाहेंगे? दफ्तर में आपका पहनावा सुंदर और समयानुकूल हो तो आपकी छवि पर इसका सकारात्मक असर होता है। यदि आपको भी यह चिंता रहती है कि अगले दिन दफ्तर में क्या पहनना है, तो यहां दिए गए टिप्स मददगार हो सकते हैं...

- **स्लोगन वाला टीशर्ट दफ्तर में आपकी छवि को हल्का बना देता है।**
- **स्ट्रॉन्ग, ब्राइट और वाइब्रेंट रंगों से भी दूरी बनाएं, जैसे- गोल्ड, सिल्वर और मैटलिक रंग।**
- **ओवरसाइज वाले पहनावे दफ्तर में न पहनें। ये आपके व्यक्तित्व को हल्का कर सकते हैं।**
- **कैजुअल भी पहनना हो तो याद रहे यह फॉर्मल से बहुत अलग न हो।**
- **यूनिफॉर्म ही पहनना है तो ध्यान रहे कि इसमें किसी प्रकार का बदलाव न करें।**

देखें कंफर्ट लेवल : आपने बढ़िया मटीरियल्स वाली ड्रेस का चुनाव किया, यह अच्छी बात है। इन दिनों लिनन और सिफन मटीरियल्स चलन में हैं जो काफी सूट करते हैं लेकिन क्या आप इन्हें पहनकर कंफर्ट महसूस करते हैं? फैशन एक्सपर्ट की मानें, तो फैशन में कंफर्ट लेवल न हो तो आप कितना भी बेहतर पहनावा पहन लें, वह आपको सूट नहीं करेगा।

क्या दिख रहे हैं सलीकेदार? : आपको शौक है कि बढ़िया ड्रेस पहनें। हर दिन कुछ नया ट्राई करें और कुछ प्रयोग भी करना चाहते हैं तो इसमें कुछ भी बुरा नहीं। पर क्या ये प्रयोग आपको फबते भी हैं? खासकर दफ्तर में यह ध्यान रखना जरूरी है। अधिक फैशनेबल रहने की ख्वाहिश हो सकता है आपकी छवि बेहतर करने के बजाय और बिगाड़ दे। ध्यान रखें कि अच्छी ड्रेस पहनना और उन्हें सलीके से कैरी करना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। अब आप पूछेंगे कि सलीके का क्या अर्थ है? यही कि आपके कपड़े अधिक भड़काऊ रंग वाले न हों। आपका बदन नहीं दिखता हो और आपकी छवि से मेल भी खाता हो।

एथलेटिक वियर पहनने से बचें: कॉरपोरेट वर्ल्ड में एम्प्लॉइज की फिटनेस को लेकर भी इंतजाम होते हैं। यदि आपके यहां भी फिटनेस जिम आदि की व्यवस्था है तो इसका लाभ उठाएं। पर यहां ध्यान रहे कि आप दफ्तर में हैं, तो दफ्तर के पहनावे में ही रहें न कि एथलेटिक वियर में दफ्तर आएं। हां, आप अपने बैग में एक एथलेटिक वियर को कैरी कर सकते हैं।

यदि हो खास अवसर : दफ्तर में कामकाज के बीच किसी उत्सव या अवसर पर जब एथनिक वियर या पारंपरिक परिधान पहनने की छूट होती है तो जाहिर है यह खुशी अलग होती है। पर आपको यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि अनौपचारिक नहीं होना है। यदि चटख रंग और फैशनेबल पहनावे पसंद हैं तो दफ्तर में वे न पहनें। आपको दायरे में रहकर ही सोचना है कि ऐसे कौन-से रंग या कपड़े का चुनाव किया जाए जो आपके व्यक्तित्व को सूट करते हों।

सीमा झा

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

ऑनलाइन इमेज का रखें ध्यान

फेसबुक, यू-ट्यूब, ट्विटर, लिंक्डइन आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिये एम्प्लॉइज का रिक्रूटमेंट अब आम है। एक रिसर्च के मुताबिक, बीते तीन-चार वर्षों में भारत में सोशल मीडिया रिक्रूटमेंट की लोकप्रियता में 20 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हुआ है, क्योंकि इससे समय और पैसे दोनों की बचत हो रही है। कंपनियां कैंडिडेट्स की भर्ती करने से पहले ही सोशल मीडिया के जरिये उनसे संबंधित जानकारियां हासिल कर लेती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप सोच-समझकर, एहतियात के साथ सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दें या कोई भी टिप्पणी सावधानी के साथ लिखें, क्योंकि ऑनलाइन इमेज कहीं न कहीं आपके करियर को बिगाड़ या संवार सकती है।

संयमित हो प्रतिक्रिया: सोशल मीडिया से एम्प्लॉयर्स को सीवी से इतर कैंडिडेट के बारे में जानने का मौका मिलता है। लेकिन अलग-अलग सर्वे से पता चला है कि कई बार कंपनियां ऑनलाइन प्रोफाइल स्कैनिंग के दौरान कंटेंट देखकर ही कैंडिडेट्स को रिजेक्ट कर देती हैं। अब अगर आप ट्विटर, फेसबुक, लिंक्डइन जैसे सोशल प्लेटफॉर्म्स पर हैं, तो संयमित प्रतिक्रिया देने की कोशिश करें।

प्रोफेशनल हो प्रोफाइल : कभी भी भावावेश में आकर ऐसा कुछ पोस्ट न करें, जिसके लिए बाद में पछताना पड़े। जो लोग दिलचस्प या इंटेलेक्चुअल सवाल करते हैं, कंपनियां उन्हें प्राथमिकता देती हैं यानी भाषा का ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि कम्युनिकेशन स्किल्स की परख उससे ही होती है। सोशल मीडिया पर प्रोफाइल जितना प्रोफेशनल होगा, उतना बेहतर।

न दें गलत सूचना : 'हाउ टु फाइंड अ जॉब ऑन लिंक्डइन, फेसबुक, ट्विटर ऐंड गूगल प्लस' के को-ऑथर ब्रैड स्केप के अनुसार, सोशल प्रोफाइल में टाइपो यानी लेखन की कोई गलती नहीं होनी चाहिए। सरल एवं सुसंगत भाषा में सूचनाएं होनी चाहिए, जो इंडस्ट्री की जरूरत के अनुरूप हों। प्रोफाइल फोटो भी आपके सकारात्मक व्यक्तित्व को दर्शाती हुई हो। सभी सोशल साइट्स पर दी गई सूचनाओं में एकरूपता होनी चाहिए, क्योंकि कंपनियां एक नहीं, तमाम ऑनलाइन साइट्स चेक करती है

जागरण फीचर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

आई०आई०टी० कानपुर एक राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थान है, जिसे इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, विज्ञान और कला की विभिन्न शाखाओं में शिक्षा एवं अनुसंधान प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 के तहत् घोषित किया गया है। संस्थान पात्र भारतीय नागरिकों से **स्थायी/ प्रतिनियुक्ति के आधार** पर, जो भी लागू हो, विभिन्न पदों हेतु आवेदन-पत्र **ऑन-लाइन** आमंत्रित करता है। इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान की वेबसाइट **www.iitk.ac.in/infocell/recruitment** के माध्यम से **ऑन-लाइन विधि द्वारा 26 नवम्बर, 2019, सायं 05:00 बजे तक** ही आवेदन कर सकते हैं, जिसमें विस्तृत विज्ञापन एवं सकल परिलब्धियाँ उपलब्ध हैं।

विज्ञापन सं० 1/2019

कुलसचिव

भीतर का दीया परोपकार के तेल से जलता है

सौदेबाजी की राजनीति

यह भारतीय लोकतंत्र की विडंबना ही है कि निर्णायक जनादेश न मिलने के बावजूद हरियाणा में तो सरकार बन गई, लेकिन स्पष्ट बहुमत के बाद भी महाराष्ट्र में सरकार गठन होने में देरी हो रही है। इस देरी का कारण शिवसेना की सौदेबाजी है। भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली शिवसेना ने 288 में से 56 सीटें ही हासिल की हैं, लेकिन उसने मुख्यमंत्री पद के लिए जिद पकड़ ली है। शिवसेना की यह जिद विचित्र ही नहीं, बचकानी भी है कि 105 सीटें हासिल करने वाली भाजपा आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए आगे आए। वह भाजपा पर केवल दबाव ही नहीं बना रही, बल्कि बागी तेवर दिखाते हुए यह संकेत भी दे रही है कि अगर उसकी जिद नहीं मानी गई तो वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ भी जा सकती है। वह ऐसा तब कर रही है जब राकांपा नेता शरद पवार यह कह चुके हैं कि जनता ने उन्हें विपक्ष में बैठने का आदेश दिया है। किसी गठबंधन में छोटे सहयोगी दल की ओर से बड़े दल पर दबाव बनाना नई-अनोखी बात नहीं, लेकिन शिवसेना जो कर रही है वह राजनीतिक ब्लैकमेलिंग के अलावा और कुछ नहीं। ऐसा करके शिवसेना न केवल गठबंधन धर्म से खिलवाड़ कर रही है, बल्कि खुद को गैर जिम्मेदार और अविश्वसनीय दल के रूप में भी उभार रही है।

शिवसेना की ओर से सहयोगी दल भाजपा के प्रति विरोधी दल सरीखा व्यवहार नया नहीं है। लोकसभा चुनाव के पहले केंद्र और महाराष्ट्र सरकार में शामिल होने के बाद भी वह भाजपा को जली-कटी सुनाती रही। ऐसा करके वह भाजपा को परेशान करने के साथ ही अपना उपहास भी उड़वाती रही। लोकसभा चुनाव के पहले उसने अपना रुख बदला, लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद वह फिर से पुराने तौर-तरीकों का प्रदर्शन करने में जुट गई। यह राजनीतिक सौदेबाजी का फूहड़ तरीका है। चूंकि भारतीय राजनीति में नीति और नियमों का घोर अभाव है इसलिए शिवसेना किसी भी हद जा सकती है। यह भी हो सकता है कि वह राकांपा और कांग्रेस से हाथ मिलाना पसंद करे। जो भी हो, भाजपा के लिए यही उचित है कि वह शिवसेना की धौंस में न आए। इसी के साथ उसे शिवसेना के व्यवहार को देखते हुए उसके बगैर राजनीति करने की संभावनाओं पर भी विचार करना होगा। इसके अतिरिक्त उसे गठबंधन राजनीति के साफ-सुथरे तौर-तरीके विकसित करने पर भी जोर देना होगा। यह सही है कि राजनीति में न तो स्थाई शत्रु होते हैं और न ही मित्र, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सौदेबाजी की उस राजनीति को स्वीकार कर लिया जाए जिसका भोंडा प्रदर्शन शिवसेना कर रही है।

उद्धार की आवश्यकता

कुछ समय पहले राधारानी ब्रजयात्रा में रस्सी के सहारे यमुना पार करते समय कई श्रद्धालुओं ने स्नान किया तो कुछ ने आचमन भी कर लिया। परिणामस्वरूप एक श्रद्धालु की मृत्यु हो गई और 35 लोगों की हालत तो इतनी बिगड़ी कि उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। यह वही यमुना हैं, जिन्हें माना जाता है कि अपने भाई यमराज का भी आशीर्वाद प्राप्त है। मंगलवार को भैयादूज या यमद्वितीया है। इस दिन यमफांस से मुक्ति के लिए यमुना में स्नान करने देशभर से लाखों लोग फिर वृंदावन और मथुरा पहुंचेंगे। बड़ी संख्या में गिर रहे गंदे नालों से विषाक्त हो चले यमुना जल में पुण्यलाभ के लिए वे डुबकी भी लगाएंगे। यमद्वितीया के बहाने सरकार को भी यमुना की याद आ गई है और दावा किया गया है कि दो वर्षों में यमुना को प्रदूषण मुक्त कर दिया जाएगा और 20 नालों को एसटीपी से जोड़ दिया जाएगा। इसी तरह के दावे दशकों से गंगा को प्रदूषण मुक्त कराने के लिए किए जाते रहे हैं फिर भी लक्ष्य अब भी दूर है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि सिर्फ सरकार का मुंह ताकने से यमुना को निर्मल नहीं बनाया जा सकता। यमुना समेत सभी पवित्र नदियों को उनकी अकल्पनीय दुर्दशा से उबारने के लिए तो एक जनांदोलन की जरूरत है। भगवान कृष्ण ने जैसे इंद्र के कोप से ब्रज को बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर उठाया था, वैसे ही यमुना को बचाने के लिए दृढ़ निश्चय की आवश्यकता है।

इस गोवर्धन पूजा और भैयादूज पर यमुना को गंदगी के फांस से मुक्ति दिलाने का संकल्प लेना होगा, ताकि इसके जल के आचमन से कोई बीमार न पड़े।

जैसे ब्रजवासियों ने गोवर्धन यानी प्रकृति की पूजा की, उसे मान दिया उसी प्रकार यमुना को मान देने की जरूरत है। जिस दिन ब्रज का जन-जन यमुना को सिर्फ मन से नहीं, कर्म से भी पूजने लगेगा, उस दिन से यमुना का विष छंटने लगेगा। हमारे त्योहारों का मूल उद्देश्य संस्कृति और प्राकृतिक धरोहरों को नए सिरे से सहेजना ही होता है। इस गोवर्धन पूजा और भैयादूज पर यमुना को गंदगी के फांस से मुक्ति दिलाने का संकल्प लेना होगा, ताकि भविष्य में इसके जल के आचमन से कोई बीमार न पड़े, किसी की मृत्यु न हो।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या डे-नाइट मैचों से टेस्ट क्रिकेट की लोकप्रियता और बढ़ेगी?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर POLL लिखें, स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, N-नहीं, C-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।
सभी आंकड़े प्रतिशत में।

भारतीय दृष्टि वाला इतिहास

हृदयनारायण दीक्षित

अंग्रेजी सत्ता, संस्कृति, सभ्यता व वामपंथ को समर्थन देने वाले इतिहास कर्म का पोस्टमार्टम जरूरी हो गया है। इसमें भारतीयों में हीनभाव बढ़ाने वाले विषय हैं। आत्म पराजय ज्यादा है, तथ्य बहुत कम हैं

अतीत व्यतीत नहीं होता। वर्तमान भारत अतीत के पूर्वजों के सचेत एवं अचेत कर्मो का परिणाम है। अतीत और आधुनिक की सामूहिक स्मृति राष्ट्रबोध है। राष्ट्रबोध का मूलाधार इतिहासबोध है। इतिहास बोध राष्ट्र जीवन की उमंग पर प्रभाव डालता है। इतिहास में भूत के साथ अनुभूत भी होता है। अनुभूत में जय पराजय, हर्ष विषाद और प्रसाद के अनुभव होते हैं। गर्व करने लायक प्रेरक प्रसंग होते हैं। अनुभव सिद्ध होने के कारण इसका एक भाग अकरणीय होता है, एक भाग करणीय होता है और बड़ा भाग अनुकरणीय होता है। इतिहास में अनुभूत सत्य, शिव और सुंदर की अनुभूति संस्कृति है। रामायण, महाभारत व पुराण इतिहास है। ऋग्वेद सहित संपूर्ण वैदिक साहित्य प्राचीन भारतीय शैली के इतिहास हैं। पराधीन भारत में साम्राज्यवादी हितों को लेकर भारतीय इतिहास का विरुपण हुआ। भारत को सदा पराजित देश बताया गया। भारतीय इतिहास के नायकों की छवि धूमिल की गई, उपेक्षा भी की गई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नें भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की जरूरत पर उचित ही बल दिया है।

यूरोपीय इतिहासकारों ने भारत पर अंग्रेजीराज का औचित्य सही सिद्ध करने के लिए इतिहास को विरुपित किया। अलबरूनी का आरोप था कि हिंदू अपना इतिहास भी नहीं संजो पाए। यूरोपीय इतिहासकारों और उनसे प्रभावित भारतीय इतिहासकारों ने भारत को पिछड़ा आत्महीन देश बताया। आर्यों के आक्रमण का मनगढ़ंत इतिहास रचा। फिर मोहम्मद बिना कासिम से लेकर तमाम विदेशी हमलावरों की विजय गाथा का तानाबाना बुना गया। उनके विवरण में केरल के मार्तंड वर्मा, बंगाल के भास्कर बर्मन आदि के पराक्रम नहीं हैं। उत्तर प्रदेश में बहराइच के राजा सुहेलदेव ने महमूद गजनी के साले सैयद गाजी को हराया था। इतिहास में यह वीरता भी नदारद है। छत्रपति शिवाजी की राष्ट्रभक्ति और पराक्रम की भी उपेक्षा है। इसमें ईस्ट इंडिया कंपनी और अंग्रेजी सत्ता तक भारत की पराजय गाथा ही है। 1857 का स्वाधीनता संग्राम उनके लिए सिपाही विद्रोह है। सावरकर ने तथ्यों के साथ इसे प्रथम स्वाधीनता संग्राम बताया। अंग्रेजी मानसिकता के इतिहास लेखन में 1920 से लेकर 1946 तक महान सेनानियों की उपेक्षा है।

इतिहास लेखन का आधार सत्य तथ्य होता है, लेकिन यह निरुद्देश्य नहीं होता। इतिहास का उद्देश्य राष्ट्र का संवर्धन होता है। यूरोपीय विद्वानों ने अंग्रेजी साम्राज्य के हित में सत्य, तथ्य का गला घोंटा। भारत के वामपंथियों ने अपनी राजनीतिक विचारधारा के पक्ष में इतिहास का विरुपण किया। इस विवरण में भारत का मूल अतीत नहीं है। भारतीय महानायकों की उपेक्षा है। भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता पुरानी है। वास्तविक इतिहास बोध से अलग रहने वाली भारतीय सत्ता के दौरान भी यह मांग कई दफा उठी है। वामपंथी इस मांग को भगवाकरण से जोड़कर हल्ला मचाते रहे हैं। अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने भी इतिहास के पुनर्लेखन की मांग की थी। अब अमित शाह ने पूरे तथ्यों के साथ इस मांग को उठाया है। प्रख्यात लेखक विलियम डेलरिंपल ने शाह की मांग का समर्थन किया है। सो अंग्रेजी सत्ता, संस्कृति, सभ्यता व वामपंथ को समर्थन देने वाले इतिहास कर्म का पोस्टमार्टम जरूरी हो गया है।

इतिहास और हिस्ट्री एक नहीं है। गांधी जी ने हिस्ट्री को युद्ध और हिंसा से भरपूर बताया था। हिस्ट्री के अनुसार भारत अंग्रेजी राज के पूर्व राष्ट्र नहीं था। गांधी जी ने इसका भी खंडन किया। इतिहास हिस्ट्री का अनुवाद नहीं है। इतिहास का अर्थ है-ऐसा ही हुआ था। इसकी जानकारी के तमाम उपयोग हैं। यास्क ने 'निरुक्त' में वेद का अर्थ समझने के लिए इतिहास का अध्ययन आवश्यक बताया है। इतिहास गलती के दोहराव से रोकता है। श्रेय के लिए प्रेरित करता है। यह सर्वोच्च आचार्य व प्रेरक है। शेक्सपियर के एक नाटक में राजा हेनरी पंचम युद्ध में जाता है। आर्च विशप उसे प्रेरित करते हैं, 'अपने महान शक्तिशाली पूर्वजों को देखो।' अंग्रेज अपनी भाषा, संस्कृति और पूर्वजों की वीरता के इतिहास बोध से सजग रहे हैं। हम भारतीय अपने इतिहास में पूर्वजों के पौरुष पराक्रम के अंश खोजते ही रह जाते हैं। हम अंग्रेजी वामपंथी इतिहासकारों से प्राप्त इतिहास पर निर्भर है, जो हमें प्रेरित नहीं करता।

पराजित मानसिकता के परिणाम भयावह होते हैं। गौरवपूर्ण इतिहासबोध ऐसी मानसिकता से छुटकारा दिलाता है। बंकिम चंद्र चटर्जी ने ठीक लिखा था, 'इतिहास से हमें ज्ञात होता है कि पराधीनता के परिणाम में पराधीन जाति की बौद्धिक रचनाशीलता समाप्त हो जाती है।' अंग्रेजी राज के दौरान भी बेशक ऐसा बहुत कम हुआ, लेकिन ज्यादातर बौद्धिक अंग्रेजी राज व अंग्रेजी विद्वानों के प्रभाव में आए। अंग्रेजी विद्वानों का बड़ा हिस्सा भारत को अशिक्षित और पिछड़ा बता रहा था। तमाम भारतीय विद्वान अंग्रेजों को भारत का भाग्य निर्माता मान रहे थे। भारतीय इतिहास लेखन की एक धारा इसी की पिछलग्गू बनी। ऐसे भारतीय इतिहास लेखकों ने यूरोप और भारत के मध्यकाल को एक इकाई माना। दोनों के मध्यकाल अलग-अलग हैं। तब यूरोप में लाखों महिलाएं डायन बताकर मारी गई थीं। भारत में तब दक्षिण से उत्तर तक भक्ति वेदांत का प्रवाह था। यहां बुद्ध और शंकराचार्य का युग समाप्त हो चुका था, लेकिन वामपंथियों ने भक्तिकाल को वंचितों की प्रतिक्रिया बताया। ऐसा इतिहास भारतीयों में आत्महीनता का भाव भरता रहा है। भारत को विरुपित इतिहास से मुक्त और असल इतिहासबोध से युक्त करने का वक्त आ गया है।

भारत ने विदेशी प्रभुत्व के खिलाफ लगातार युद्ध किए हैं, लेकिन अरबों को इतिहास में विजेता कहा जाता है। बंकिम चंद्र ने लिखा है, 'अरब एक प्रकार से दिग्विजयी रहे हैं। उन्होंने जहां आक्रमण किए, वहां जीते, लेकिन फ्रांस और भारत से पराजित होकर लौटे। हजरत मोहम्मद के बाद छह वर्ष के भीतर उन्होंने मिस्र व सीरिया, 10 वर्ष में ईरान फिर अफ्रीका, स्पेन, काबुल व तुर्किस्तान पर अधिकार किया, लेकिन 100 वर्ष में भी भारत को नहीं जीत सके।' बंकिम के विवेचन में भारत का गौरवबोध है। यूरोपीय विद्वान अपने देशों के इतिहास संरक्षण में सजग हैं। लंदन के वेस्टमिन्सटर एबे में तमाम पूर्वजों के शिलापट्ट हैं। उन्होंने संसदीय व्यवस्था में राजा-रानी को भी महत्व दिया है, पर भारतीय इतिहास विवेचन में वे पक्षपाती है। वामपंथी इतिहास विवेचन भारत के प्रति क्रूर है। ऐसा इतिहास भारत को भारत की प्रकृति, संस्कृति व वास्तविक नियति के लिए प्रेरित नहीं करता। इतिहास के पुनरावलोकन पर उच्चस्तरीय बहस बढ़ी है। विश्वास है कि बात दूर तक जाएगी ही।

अवधेश राजपूत

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं)

response@jagran.com

पश्चिम एशिया को खतरे में डालते ट्रंप

थॉमस एल फ्रीडमैन

कुर्दों को उनके हाल पर छोड़कर अमेरिका ने सहयोगियों को यही संदेश दिया है कि वे अपना ख्याल खुद रखें

अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर निरंतर सक्रियता के लिए कम से तीन चीजें बेहद जरूरी हैं। एक तो लक्ष्य का स्पष्ट निर्धारण, दूसरा सहयोगियों का ख्याल और तीसरा मर्यादा का दायरा, लेकिन अफसोस कि ट्रंप ने सीरिया में इन सभी सिद्धांतों का उल्लंघन किया। ट्रंप और अमेरिकी सेना ने सीरिया और इराक में आइएस को भांपने में गलती की। ट्रंप और पेंटागन ने आतंक के खिलाफ लड़ाई को ऑटो-पायलट या यूं कहें भगवान भरोसे छोड़ दिया।

जब 2014 में इराक और सीरिया में आइएस ने सिर उठाया तो इराक में उसका फन कुचलने के लिए अमेरिकी मिशन काफी तार्किक था। इराक में स्थायित्व से पहले ही सभी सैनिकों को वापस बुलाने पर वाशिंगटन को बहुत पछतावा हुआ था, जहां आइएस ने अमेरिकी पत्रकारों की निर्ममतापूर्वक हत्या की थी। वहां सब कुछ अपने दम पर करने के बजाय इराकी सेना के साथ गठजोड़ करके उसकी क्षमताएं बढ़ाई गईं। इस रणनीति से न केवल इराक में आइएस की कमर तोड़ दी गई, बल्कि इराकी राजनीति में भी कुछ अनपेक्षित सकारात्मक प्रभाव पड़े। इराकियों के लिए आइएस के खिलाफ लड़ाई उनकी आजादी की जंग बन गई जिसने इराकी शियों, सुन्नियों और कुर्दों को एकजुट कर दिया। इसने इराक में अमेरिका के दखल को लेकर धारणा भी बदल दी। साथ ही इराक में सुन्नियों, कुर्दों और शियों के बीच सत्ता साझेदारी को लेकर स्थायित्व एवं निरंतरता से परिपूर्ण समीकरण बनाया।

आज इराक बहुत ही कमजोर लोकतंत्र है। वहां बेरोजगारी, ऊर्जा, भ्रष्टाचार और गवर्नेंस जैसी बड़ी चुनौतियां कायम हैं। तमाम जानकार यह हिमायत भी कर रहे हैं कि बगदाद को उसके हाल पर न छोड़ा जाए। कुछ अमेरिकी आइएस के चंगुल से इराक को बचाने की अहम कामयाबी को समझते हैं। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि इराक में घुसना सही था और ऐसा दोबारा किया जाए। इसका यही अर्थ है कि अमेरिकी इराकियों को सही राह दिखाएं ताकि वे अपनी मदद करने में सक्षम हो सकें। अब यह उन पर निर्भर करता है कि वे इसका अधिकतम लाभ कैसे उठाएंगे? अफसोस की बात यह है कि अमेरिका ने आइएस के खिलाफ लड़ाई को ऑटो-पायलट मोड पर छोड़ दिया। इराक के बाद अमेरिका ने यही सोचा कि सीरिया में सीरियाई कुर्द लड़ाकों के साथ वैसे ही परिणाम दोहराए जा सकते हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।

इराक के मुकाबले सीरिया में आइएस का दखल एकदम अलग किस्म का रहा। इराक में आइएस विभिन्न वर्गों वाले लोकतंत्र का दुश्मन था। सीरिया में रूस, शिया ईरान और शिया बशर अल असद सरकार के साथ भी तनातनी थी। तब मैंने लिखा, 'अगर हम सीरिया में आइएस को हरा देते हैं तो असद, ईरान, रूस और हिजबुल्ला पर दबाव कम करके उन्हें यह गुंजाइश देंगे कि वे इदलीब के आखिरी विद्रोही ठिकाने को कुचलने के लिए अपने सारे संसाधन झोंक दें। वे उन्हें सत्ता में साझेदारी नहीं देंगे।' और वास्तव में यही हुआ भी।

सामरिक विश्लेषक जॉन अर्किला का कहना है, 'आइएस एक दोहरी समस्या है। उसका एक सिरा इराक तो दूसरा सीरिया से जुड़ा है। हमें उनका निदान भी अलग-अलग तरीके से करना चाहिए था। इराक में तो आइएस को मात देनी ही थी, क्योंकि जब हमने सद्दाम के शासन का खात्मा किया तब या तो इराक को ईरान के खिलाफ हथियार के रूप में विकसित किया जा सकता था जहां शियों, सुन्नियों और कुर्दों के बीच सत्ता में साझेदारी हो या फिर इराक ईरान की कठपुतली बन जाता।'

अमेरिका ने सीरिया में आइएस को हराने की जिम्मेदारी कुर्दों से लेकर रूस, ईरान, हिजबुल्ला और असद को भारी राहत दी है। इससे वे अपने घरेलू प्रतिद्वंद्वियों को निर्ममता से कुचल सकते हैं। अमेरिका ने यह सब मुफ्त में कर दिया। यहां तक कि अमेरिका ने सीरियाई कुर्दों के लिए स्वायत्तता की मांग तक नहीं की और न ही सुन्नी सीरियाई विद्रोहियों के साथ सत्ता में साझेदारी के लिए दबाव बनाया। मुझे कुर्दों के लिए बहुत खराब महसूस हो रहा है। इससे पुतिन और असद के लिए संभावनाएं बढ़ गई हैं। वहीं ईरान इजरायल को निशाना बनाने के लिए सीरिया का इस्तेमाल कर सकता है। बहरहाल अगर आप यह दलील देते हैं कि सीरिया में कुर्दों को उनके हाल पर छोड़ देना सही रणनीति थी तो यह देखना होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप अहम मसलों पर कैसे फैसला करते हैं? बिना किसी योजना और ऐसे सहयोगी के साथ मशविरा किए बिना उन्हें उनके हाल पर छोड़ देने के फैसले को क्या कहा जाएगा जिन्होंने आइएस के खिलाफ अमेरिकी मुहिम में अपने 11,000 लोगों की जान गंवा दी। इससे अमेरिका के सहयोगियों को यही संदेश गया कि आप अपना ख्याल खुद रखें, क्योंकि अगर रूस, चीन या ईरान आपको परेशान करेंगे तो अमेरिकी मदद के भरोसे न बैठें।

एक वैश्विक शक्ति के रूप में अमेरिका की एक बड़ी खूबी उसके उन सहयोगियों से बनती है जिनके हित और मूल्य अमेरिका से मेल खाते हैं। यह अमेरिका के लिए बहुत महंगा भी नहीं पड़ता। इसकी तुलना में रूस और चीन के पास सीरिया जैसे ग्राहक रूपी सहयोगी ही हैं। 'द राइज एंड फॉल ऑफ पीस ऑन अर्थ' पुस्तक के लेखक माइकल मैंडेलबॉम कहते हैं, 'जब हम किसी सहयोगी से बिना किसी पूर्व सूचना के यकायक समर्थन वापस लेते हैं तो हम सभी जगहों पर अपनी विश्वसनीयता को दांव पर लगा देते हैं। अगर जर्मन और जापानियों को लगे कि अमेरिकी सुरक्षा गारंटी का कोई भरोसा नहीं तो वे भी परमाणु हथियार हासिल करेंगे। ऐसा न तो वे चाहेंगे और न हम।'

आज किसी को भी अंदाजा नहीं कि पश्चिम एशिया में लोकतंत्र की स्थापना कैसे हो। न ही किसी के पास इसके लिए धैर्य, समय या ऊर्जा है। इसके बाद भी हम वहां कुछ ऐसे भाव तो पैदा कर सकते हैं कि एक दिन लोकतंत्र का अंकुर वृक्ष का आकार ले। इराकी कुर्दिस्तान और सीरियाई कुर्दिश क्षेत्र में तमाम तालिबानी रिवाजों और भ्रष्टाचार के बावजूद समाज में महिलाओं की स्थिति बहुत सशक्त है। वहां इस्लाम बहुत आधुनिक धाराओं के साथ संचालित होता है और पश्चिमी उदार विचार अमेरिकी शैली वाले विश्वविद्यालयों से पोषित होते हैं।

(द न्यूयार्क टाइम्स के स्तंभकार पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित पत्रकार हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

आलोचना

आलोचना मनुष्य के जीवन और व्यवहार का एक अभिन्न गुण हैं। इससे हमें सही-गलत चीजों को परखने की सीख मिलती है। दुनिया में महान से महान व्यक्तियों को भी आलोचना का शिकार होना पड़ा है। उन्होंने अपनी आलोचनाओं से सबक लेकर सुधार के प्रयास किए और महानता का वरण किया जिसके कारण उनके व्यक्तित्व को व्यापक स्वीकार्यता मिली। परंतु सभी व्यक्ति आलोचनाओं से नहीं सीखते। आलोचना भी भिन्न-भिन्न प्रकृति एवं स्वरूप वाली होती है। आलोचना रचनात्मक हो सकती है या नकारात्मक। जब हम आलोचना की बात करते हैं तो अक्सर हमारे जेहन में नकारात्मक भाव पैदा होता है और हम बचाव की मुद्रा में आ जाते हैं, परंतु यह स्थिति हमेशा अच्छी नहीं होती। हमें प्रतिक्रिया से पहले आलोचना के स्वरूप को समझना आवश्यक हो जाता है।

इसमें पहली होती है नकारात्मक आलोचना जो हमेशा अज्ञानता या ईर्ष्या से जुड़ी होती है जो व्यक्ति के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने, उसे नीचा दिखाने या उसका आत्मविश्वास घटाने के मकसद से की जाती है। ऐसी आलोचना को ध्यानपूर्वक सुनकर उसे अनसुना कर देना चाहिए, क्योंकि जिस पेड़ पर अधिक फल लगते हैं उसी पेड़ पर सबसे अधिक पत्थर भी मारे जाते हैं।

इसके उलट सकारात्मक या रचनात्मक आलोचना व्यक्ति को मदद और सहयोग के मकसद से की जाती हैं। यह आलोचना सीमित दायरे में व्यक्ति के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाए बिना उसकी गलतियों, नाकामियों और कमियों को सुधारने हेतु सुझाव के रूप में होती है जो एक प्रेरक का भी कार्य करती है। इस आलोचना से प्राप्त प्रेरणा से व्यक्ति के भीतर सकारात्मक भाव उत्पन्न होता है जो आत्मविश्वास को प्रबल करता है। इससे व्यक्ति के भीतर हीनभावना, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता में गिरावट नही आती। रचनात्मक आलोचना में इरादों पर आलोचना के बजाय कार्य और कार्यशैली की आलोचना होती हैं और ऊंचे स्वाभिमान वाला व्यक्ति हमेशा नकारात्मक आलोचना को नजरअंदाज कर रचनात्मक आलोचना को स्वीकार कर सीखता है। इसीलिए हमें जीवन में रचनात्मक आलोचनाओं को स्वीकार करने, परखने, सीखने और उस पर अमल करने की आदत अपनानी चाहिए।

शिवांशु राय

पाठकनामा

pathaknama@vns .jagran.com

क्या है प्रदूषण का मूल कारण?

'राष्ट्रव्यापी समस्या बनता प्रदूषण' शीर्षक से लिखे अपने लेख में प्रियंका मलिक ने जिस तरह से भारत सहित पूरे दुनिया का प्रदूषण जैसे गंभीर समस्या से जूझते हुए स्वरूप का जिक्र किया, वह वाकई में विचारणीय है। बहरहाल राज्य एवं केंद्र सरकारों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण पहल शुरू किए गए हैं, लेकिन ये पहल कुछ हद तक ही कारगर सिद्ध हो रही हैं। प्रदूषण समस्या हमारे पर्यावरण क्षति के लिए एक भयावह समस्या बनकर उभर रही है एवं इसकी फीसद में दिनोंदिन वृद्धि ही देखने को मिल रही है। विगत दिनों आई अनेक संबंधित रिपोर्ट से भी इसे समझा जा सकता है जिसमें कुछ शहरों में लगातार हो रहे प्रदूषण में वृद्धि को दर्ज किया गया था। यह बात निराधार नहीं कि पराली दहन एवं आतिशबाजी वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण सिद्ध होती हैं। हालांकि फिलहाल कई राज्य सरकारों द्वारा दिवाली को लेकर आतिशबाजी के एक सीमित स्तर का अनुसरण करने का निर्देश दिया गया है, जिसे व्यापक तौर पर स्वीकार करने की दरकार है। इसके अलावा इस बात को भी समझने की आवश्यकता है कि आखिर इन सभी समस्याओं का मूल कारण क्या है? इसका मूल कारण है विश्व स्तर पर तेजी से बढ़ती जनसंख्या है। अतः इन समस्याओं से निबटने के लिए सबसे जरूरी है जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करना। तभी जाकर प्रदूषण जैसी भयावह समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने की पहल सही मायने में सफल हो सकती है, अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब ये समस्याएं ऐसी समस्या के रूप मे परिणत हो जाएंगी जिससे पार पाना बहुत ही मुश्किल हो जाएगा।

आरके आशुतोष, सारण

पौधों की सुरक्षा लिए सजगता की जरूरत

सिर्फ अंधाधुंध पौधरोपण कर स्वयं से पीठ थपथपाने की जरूरत नहीं है बल्कि उसे वास्तविक धरातल पर उतारने की जरूरत है। बरसात आते ही पौधरोपण को लेकर खूब हो हल्ला मचता है सरकारी मशीनरी से लेकर गैर सरकारी संगठन सभी इस महायज्ञ में आहुति देने को व्याकुल नजर आते हैं। सभी दिए गए अपने-अपने लक्ष्य की पूर्ति करने में ही दिखते हैं। मगर पौधरोपण के बाद पौधों को जीवित रखकर उसे प्रौढ़ बनाने की जिम्मेदारी नहीं समझते। महज कुछ ही दिनों पहले लगाया गया वह पौधा देखभाल व सुरक्षा के अभाव में जानवरों या शरारती तत्वों का शिकार हो जाता है। कम ही पौधे लगे मगर उसकी सुरक्षा व देखभाल की जाय ताकि आने वाले दिनों वह वृक्ष का रूप लेकर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बने। सरकार को लगाए गये पौधों की सुरक्षा व देखभाल के लिए कडे नियम बनाते हुए उसका कड़ाई से पालन कराए।

शशिकांत श्रीवास्तव, भूल्लनपुर, वाराणसी।

औपचारिकता तक नजर सीमित

भारी भरकम धनराशि खर्च करने के बावजूद भी शौचालय की उपयोगिता पर प्रश्न चिह्न ही लगा रहता है। स्वच्छ भारत मिशन धरातल पर उतना नजर नहीं आता जितना आना चाहिए। सरकारी नुमाइंदे भी औपचारिकता तक सीमित नजर आ रहे हैं तो वहीं आम जनमानस को इसके लिए जितना संजीदा होना चाहिए वह उतना नजर नहीं आता। आलम यह है कि सरकार से शौचालय की मांग तो की जाती है मगर शौचालय निर्माण के बाद उसके उपयोग की जगह उसमें उपली रखने समेत अन्य दूसरे कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सरकार इस पर ध्यान देते हुए ऐसे लोगों पर कठोर कारवाई करने के साथ अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ से भी इन्हें वंचित करे।

पंकज, रोहनिया, वाराणसी।

सरकार किसानों पर दे ध्यान

अपने देश में सबसे दयनीय स्थिति किसानों की है। आये दिन किसानों द्वारा आत्महत्या का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है जिस पर किसी भी सरकार का ध्यान नहीं जा रहा है। चुनाव आयोग तो किसानों के ढेर सारी योजनाएं को प्राथमिकता दी जाती है लेकिन जैसे ही चुनाव गुजर जाता है फिर किसान को वही दोबारा अपनी जिंदगी जीना पड़ता है और कर्ज के बोझ तले दबकर मुत्यु को गले लगाना पड़ता है। जबकि भारत जैसे विकासशील देश में नौकरी पेशा लोगों को देश जब से आजाद हुआ है तब से वेतन में लगभग दस गुना से 15 गुना बढ़ोतरी की गई और नौकरीपेशा लोगों की जिंदगी में खुशहाली और सम्प्रभुता और आधुनिकता का समावेश हुआ। वहीं दूसरी ओर हमारे किसानों का मुनाफा दो चार गुना भी नहीं बढ़ सका और किसान आज भी लाचारी में आत्महत्या कर रहा जिसका पूरा श्रेय हमें अपने सरकारी तंत्र को दिया जाना चाहिए। अगर नौकरी करने लोगों के लिए वेतन आयोग बन सकता है तो किसानों के लिए क्यों नहीं बन सकता है।

विजय कुमार गुप्ता, लल्लापुरा, वाराणसी।

प्लास्टिक से करें तौबा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि भारत अगले कुछ वर्षों में सिंगल यूज प्लास्टिक से पूरी तरह छुटकारा पा लेगा। भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक की कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने पूरी दुनिया के देशों से भी ऐसा करने की अपील की है। भारत जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों को लेकर सहयोग करने में हमेशा आगे रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा है कि अब समय आ गया है जब पूरी दुनिया सिंगल यूज प्लास्टिक को गुड बाय कर दे।

भरत कुमार, सेनपुरा, वाराणसी।

ट्वीट-ट्वीट

ट्विटर के कुल यूजर्स में से भारत में केवल 2 .3 प्रतिशत यूजर्स हैं, लेकिन बीते साल ट्विटर ने दुनियाभर में जितने ट्विटर अकाउंट बंद किए उनमें से 51 प्रतिशत भारत से थे।

सदानंद धूमे@dhume

बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाने के शिवसेना के दबाव के आगे भाजपा को नहीं झुकना चाहिए। उसे शिवसेना के बिना अल्पमत सरकार बनानी चाहिए और अगर शिवसेना द्वारा उसके विरोध में मतदान करने से सरकार गिर जाती है तो छह महीने के लिए राष्ट्रपति शासन लगाकर फिर 288 सीटों पर चुनाव लड़कर अपने दम पर सरकार बनानी चाहिए।

मिन्हाज मर्चेंट@MinhazMerchant

घोटाले के आरोप में जेल में कैद अजय चौटाला को उनके बेटे द्वारा भाजपा को समर्थन देने के महज 12 घंटों के भीतर फरलो मिल गई, लेकिन अपनी अमेरिकी नागरिकता छोड़कर 30 वर्षों से गरीब भारतीयों की सेवा में लगी सुधा भारद्वाज को जमानत नहीं मिल रही। आज के भारत की यही तस्वीर है।

निखिल@nikhil_thatte

कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए अल्पेश ठाकोर गुजरात में हार गए, जेजेपी छोड़ भाजपा में आईं बबीता फोगाट को हरियाणा में हार मिली, राकांपा छोड़ भाजपा में आए उदयनराज भोंसले महाराष्ट्र में हार गए। यह चुनाव दलबदलुओं को सबक सिखाने वाला भी रहा।

रोशन राय@RoshanKrRai

जनपथ

विषकन्याएं पाल कर बैठे हैं इमरान,
तन पर वे बम बांधकर दिखलाती हैं शान।
दिखलाती हैं शान न दम मर्दों में है ना,
कन्याओं की आप नई इक गढ़ लो सेना।
हम सारे शिवभक्त सांप गर्दन लटकाएं,
कर लो आप प्रयोग भेजकर विषकन्याएं!

– ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान सम्पादक-स्व.नरेन्द्र मोहन सम्पादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान सम्पादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए:वीरेन्द्र कुमार द्वारा दैनिक जागरण प्रेस, प्लाट नं. 321, पुराना जी.टी.रोड, नदेसर, वाराणसी से मुद्रित एवं प्रकाशित सम्पादक (उत्तर प्रदेश) -आशुतोष शुक्ल* दूरभाष : वाराणसी कार्यालय : 0542-2720272, 2503181, E-mail: varanasi@vns.jagran.com, R.N.I. No. , 35497/79 डाक रजि.VSI(w)-16/2019 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद वाराणसी न्यायालय के अधीन ही होंगे। वर्ष 48 अंक 345

मोबाइल देखने के विवाद में युवक की पीटकर हत्या

जागरण संवाददाता, मऊ : नगर कोतवाली क्षेत्र का अलीनगर कम्हरिया में बीती रात भीड़ हिंसा की घटना हुई। इसमें मात्र मोबाइल नहीं दिखाने पर करीब आधा दर्जन युवकों ने मुहल्ला निवासी युवक 20 वर्षीय शाहिद पुत्र नसीम पर हमला बोल दिया। दबंग युवकों ने लोहे के राड आदि से इतना मारा की युवक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मृतक युवक के पक्ष के लोग भी पहुंचे और देखते ही देखते कम्हरिया युद्ध के मैदान में परिवर्तित हो गया।

दोनों पक्षों से ईंट-पत्थर चलने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल ले गई। वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उधर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रात में आठ हमलावरों को दबोच लिया। सुरक्षा की दृष्टि से मुहल्ले में दारोगा के नेतृत्व में फोर्स तैनात कर दी गई है।अलीनगर कम्हरिया निवासी शाहिद पुत्र नसीम शनिवार की रात लगभग 8:30 बजे अपने दोस्त के साथ घर से निकला। मुहल्ले में ही वह और उसका दोस्त मोबाइल पर

मऊ में भीड़ हिंसा

- मृतक के पिता ने नौ को किया नामजद पुलिस ने आठ को दबोचा
- अलीनगर कम्हरिया में बीती रात घटना को दिया अंजाम

कुछ देख रहे थे। करीब नौ बजे आधा दर्जन की संख्या में युवक वहां आए और मोबाइल देखने की जिद करने लगे। शाहिद ने मोबाइल देने से मना कर दिया। इतने में गुस्साए युवकों ने उस पर हमला कर दिया। इस दौरान उसका दोस्त भाग गया और अपने पक्ष के लोगों को सूचना दी। सूचना पाते ही दूसरे पक्ष के लोग भी काफी संख्या में पहुंचे। दोनों तरफ से ईंट-पत्थर सहित मारपीट शुरू हो गई। किसी ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी। पुलिस के मौके पर पहुंचता देख उपद्रवी भाग निकले। घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां उसकी मृत्यु हो गई। उधर मृतक के पिता ने मुहल्ले के नौ लोगों के विरुद्ध नामजद तहरीर दी है।

सौ साल बाद खत्म हुआ वनटांगियों का वनवास : योगी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: वनटांगियों के साथ दिवाली मनाने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सौ साल तक संघर्ष की दास्तां लिख रहे वनटांगियों को असली आजादी अब मिली है। त्रेता युग में 14 वर्ष वनवास के बाद भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने पर दिवाली मनी थी, लेकिन वनटांगियों को दिवाली मनाने का मौका 100 वर्ष का वनवास काटने के बाद मिला है।

जंगल तिनकोनिया नंबर तीन में जनसभा के दौरान योगी पिछली सरकारों पर भी हमलावर हुए। उन्होंने कहा कि वनटांगिया गांव आजादी के बाद भी गुलामी की जंजीरों में जकड़े रहे। वन और पुलिस विभाग उनका शोषण करता रहा, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। शासन-प्रशासन की अनदेखी से उनके संघर्षों की दास्तां लंबी होती गई। ढाई साल पहले तक वनटांगियों के पास न तो पक्का मकान था और न ही शौचालय। पानी-बिजली जैसी सुविधाओं के लिए भी वह तरसते थे।

भाजपा सरकार ने 2017 में 38 वनटांगिया गावों को राजस्व ग्राम का दर्जा देकर जब उन्हें समाज की

गोरखपुर : जंगल तिकोनिया नंबर 3 में आयोजित कार्यक्रम में परियोजनाओं का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● जागरण

मुख्यधारा से जोड़ा तो इन गांवों की तस्वीर और वनटांगियों की तकदीर बदल गई। सरकार की योजनाओं का लाभ मिलने के बाद स्थिति यह है कि वनटांगिया गांव आज दूसरों के लिए नजीर बन गए हैं। योगी ने कहा कि यह कार्य 60 साल पहले ही हो जाते मगर महिलाएं, बच्चे पिछली सरकारों के एजेंडे में ही नहीं थे। जो सरकारें अनुसूचित जाति और जनजाति का नारा लेकर चलती थीं, वह भी वनटांगियों के लिए आगे नहीं आईं।

बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए मुख्यमंत्री ने उनके प्रति आभार जताने की भी अपील की। कहा कि बगैर जाति या मजहब देखे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाने का काम पीएम मोदी ने ही किया है। योगी ने मुख्यमंत्री सुमंगला योजना के तहत कन्याओं को मिलने वाले लाभ की भी जानकारी दी।

लोकार्पण

- मुख्यमंत्री ने तिनकोनिया नंबर-3 में वनटांगियों संग मनाई दिवाली
- ढाई साल में बदली वनटांगियां गांव की तस्वीर, नजीर बन गए 38 गांव

पिछली सरकारों के लिए संकट और शोक थे पर्व

योगी ने कहा कि पिछली सरकारें पर्व को संकट मानती थीं। उनके लिए यह हर्षोल्लास नहीं बल्कि शोक का विषय हुआ करते थे। जबसे भाजपा की सरकार आई है पर्व का उत्साह चहुंओर नजर आता है। उत्साह घरों तक सीमित नहीं बल्कि सामूहिक हो गए हैं। पर्व का यही मकसद भी है। योगी ने कहा कि अगर मंशा अच्छी होगी तो परिणाम भी अच्छा मिलता है। वनटांगिया गांवों को देखकर इसे महसूस किया जा सकता है।

जनता की समस्या की परवाह नहीं कर रही सरकार : माया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : बसपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा है कि देश और दुनिया में जो अशांति, विरोध और आंदोलन हो रहे हैं उसकी खास वजह है कि सरकार जनता की समस्या की परवाह नहीं कर रही है। इसके प्रति संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने भी आगाह किया है। भारत सरकार भी इस पर तत्काल ध्यान दे तो बेहतर होगा।

रविवार को मायावती ने दीप पर्व पर शुभकामना के साथ सभी देशवासियों खासकर उन वीर जवानों व उनके परिवारवालों को बधाई दी है जो अपने कर्तव्य के प्रति पूरी निष्ठा से समर्पित रहते हैं। उन्होंने कहा कि घर परिवार की खुशी में जीवन की शांति निहित है और ऐसे में सर्व समाज के अपने गरीब व जरूरतमंद पड़ोसी के प्रति अपनी जिम्मेदारी को न भुलाया जाए तो बेहतर है। मायावती ने कहा कि ग्लोबलाइजेशन के साथ-साथ नई प्रौद्योगिकी के बेधड़क इस्तेमाल से समाज में असमानता लगातार बढ़ रही है। बसपा बार-बार आगाह करती रही है।

एक नजर में

35 फीसद कम दाम में बुक कराएं तेजस का टिकट

कानपुर: कारपोरेट सेक्टर की पहली ट्रेन तेजस एक्सप्रेस में सफर करने के इच्छुक यात्री 35 फीसद कम दाम में ट्रेन का टिकट बुक करा सकते हैं। त्योहारी सीजन में सीटें खाली रहने की वजह से आइआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग एवं टूरिज्म कारपोरेशन) ने यह निर्णय लिया है। हालांकि इस सुविधा का लाभ सिर्फ 31 अक्टूबर तक उठाया जा सकता है। लखनऊ से दिल्ली के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस की चेयरकार का न्यूनतम किराया 1280 रुपये है, जबकि एग्जीक्यूटिव क्लास का न्यूनतम किराया 2450 रुपये निर्धारित किया गया है। (जासं)

सपेरों की बीन पर लिया गया समाजवादी गीतों का आनंद

इटावा: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दीपावली पर पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सपेरों की बीन पर समाजवादी गीतों का आनंद लिया। वह त्योहार पर शनिवार शाम ही पैतृक गांव सैफई पहुंचे थे। रविवार सुबह नौ बजे से प्रदेशभर से कार्यकर्ता अखिलेश से मिलने के लिए उनके आवास पर पहुंचने लगे थे। उन्होंने सभी से मुलाकात कर दीपावली की बधाई देकर आगरा के पेठे के डिब्बे भेंट किए। इस दौरान कन्नौज से आए सपेरों की बीन की धुनों का आनंद लिया। (जासं)

पति के बगल में सोई महिला की गोली मारकर हत्या

बांसडीह (बलिया): बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के ताहिरपुर में शनिवार की आधी रात को पति के बगल में सोई महिला सविता (40) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र नाथ व एडिशनल एसपी संजय कुमार ने मौके का निरीक्षण किया। साथ ही मातहतों को तत्काल खुलासे का निर्देश दिए। रात को जनार्दन राजभर का परिवार खाना खाने के बाद सो गया। जनार्दन की तबीयत इधर काफी लंबे समय से खराब भी चल रही थी। इसके चलते वह मिर्गी का मरीज होने के कारण दवा खाकर सो गए। उनके बगल में पत्नी सविता भी सोई हुई थीं। (जासं)

दीये रोशन करने के दिन बुझ गया घर का दीपक

मुरादाबाद : कोतवाली के गांव विजयपुर में राजीव (16) का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर सबको ग्रामीणों की मदद से नीचे उतारा। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। थाना बिलारी के गांव विजयपुर निवासी अतर सिंह थाना कुढ़फतेहगढ़ में होमगार्ड के पद पर कार्यरत है। उसका पुत्र शनिवार शाम से घर नहीं आया था। गांव के लोग खेत पर काम करने जा रहे थे, तभी शव पेड़ पर लटका हुआ देखा। उसकी पहचान अतर सिंह के पुत्र राजीव के रूप में हुई। (जासं)

ट्रक की साइड लगने से खाई में पलटा एलपीजी कैप्सूल

बागपत : गुजरात से एलपीजी लेकर काशीपुर जा रहा कैप्सूल ट्रक की साइड लगने से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस वे की खाई में पलट गया। गनीमत रही कि गैस रिसाव नहीं हुआ। हरदोई जिले के कैठाई गांव निवासी गंगा प्रसाद पुत्र नारद प्रसाद गुजरात के जतिन गुप्ता का गैस कैप्सूल चलाता है। बुधवार को गंगा प्रसाद 21 टन गैस लदा कैप्सूल लेकर उत्तराखंड के काशीपुर के लिए निकला था। रविवार शाम ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस वे पर मविकलां टोल बूथ के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने साइड मार दी। (जासं)

अरुण मिश्रा की करोड़ों की चार बेनामी संपत्तियां अटैच

उत्तराखंड की संपत्तियों का वर्तमान मूल्य 25 करोड़ से ज्यादा

जागरण संवाददाता, कानपुर: उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के मुख्य अभियंता अरुण मिश्रा की उत्तराखंड स्थित 25 करोड़ की चार संपत्तियों को आयकर विभाग की बेनामी विंग ने अटैच कर लिया है। यह संपत्तियां कोलकाता में बनाई गई मुखौटा कंपनी अजंता मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिये भेजे गए धन से खरीदी गई थीं। अब कानपुर, लखनऊ, दिल्ली, कोलकाता व बेंगलुरु में भी अरुण की संपत्तियों की जांच की जा रही है।

आयकर विभाग ने कुछ माह पहले दिल्ली में अरुण मिश्रा का बंगला सीज किया था। यह बंगला अंजता मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने खरीदा था। कंपनी के निदेशक एलिना नायक और अरुण के भाई अनुराग मिश्रा हैं। इसी कपनी ने देहरादून का वह बंगला भी खरीदा है जिसमें अरुण के माता, पिता व कंपनी हिस्सेदार हैं। भाई अनुराग की संपत्ति भी वहां है। इन सभी संपत्तियों को बेनामी विंग ने अटैच करने के लिए नोटिस दिया था। जवाब में अरुण व अन्य यह नहीं बता पाए कि संपत्तियों को खरीदने के लिए धन कहां से आया। इन संपत्तियों को सर्किल रेट से भी कम पर खरीदा गया था।

कंपनियों के हिसाब से फंड निवेश

कंपनी	फंड (करोड़ में)
अंजता मर्चेंट्स प्रा.लि.	53.88
भारतीय बचत लि.	13.63
गंगोत्री टारकोन प्रा.लि.	15.37
जेएम टेक्सटाइल प्रा.लि.	28.22
मरुभूमि टारकोन प्रा.लि.	27.00
विवेक ट्रेडिंग एंड क्रेडिट प्रालि	73.30
हिमालय व्यापार प्रा.लि.	8.53
सैट इंटरप्राइजेज (आइ)	0.21
श्रीप्रकाश टारकोन प्रा.लि.	5.31

2004 में 1.02 करोड़ रुपये में संपत्ति खरीदी गई थी। आयकर विभाग पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड की बेनामी विंग के उप आयकर आयुक्त शैलेंद्र पांडेय के आदेश पर बेनामी संपत्ति निषेध अधिनियम 1988 की धारा 24(4) के तहत इन संपत्तियों को प्रॉविजनल रूप से अटैच कर लिया गया है। इसकी रिपोर्ट एडज्यूडिकेटिंग अथॉरिटी को भेजी जा रही है। इन संपत्तियों को अंतिम रूप से बेनामी घोषित करने का निर्णय अथॉरिटी को ही करना है।

अरुण से जुड़ी 10 कंपनियों पर विजिलेंस की नजर-दिल्ली में आयकर विभाग द्वारा सीज किए गए बंगले को खरीदने वाली एलिना नायक अरुण मिश्रा की 10 में से छह कंपनियों में निदेशक हैं। अन्य में भी कोई न कोई उनका करीबी है। एलिना नायक अजंता मर्चेंट्स प्रालि के अलावा गंगोत्री टारकोन प्रालि, जेएम टेक्सटाइल प्रालि, मरुभूमि टारकोन प्रालि, विवेक ट्रेडिंग एंड क्रेडिट प्रालि व हिमालय व्यापार प्रालि में भी निदेशक हैं। वहीं, सैट इंटरप्राइजेज (आइ) प्रालि और श्रीप्रकाश टारकोन प्रालि में अनुराग मिश्रा और श्रीप्रकाश मिश्रा निदेशक हैं। अनुराग अंजता मर्चेंट्स तो श्रीप्रकाश मिश्रा मरुभूमि टारकोन में भी निदेशक हैं।

नामचीन धावकों को भेजेंगे इंदिरा मैराथन का न्योता

जासं, प्रयागराज: पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर 19 नवंबर को होने वाली अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन की तैयारियां तेज हो गई हैं। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स संघ द्वारा सभी राज्यों के नामचीन धावकों को इंदिरा मैराथन में शामिल होने के लिए जल्द न्योता भेजा जाएगा। सेना, अर्ध सैनिक बलों के जवानों को भी बुलाया जाएगा।

क्षेत्रीय क्रीड़ा कार्यालय व्यवस्थाओं में जुट गया है। संगम नगरी में 42.195 किलोमीटर मैराथन का आयोजन 1985 से हर वर्ष इंदिरा गांधी की जयंती पर किया जाता है। यह दौड़ आनंद भवन से शुरू होती है। म्योहाल चौराहा से होते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट, सिविल लाइंस, सीएमपी डिग्री कॉलेज, नैनी यमुना ब्रिज, लेप्रोसी चौराहा, एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट, अरैल घाट से मुड़कर नए पुल से सीएमपी कॉलेज, हनुमान मंदिर से होकर मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में समाप्त होती है। मैराथन में पुरुष और महिला दौड़ते हैं। दोनों वर्ग के प्रथम विजेता को दो लाख रुपये, द्वितीय को एक लाख और तृतीय को 75 हजार रुपये नकद इनाम दिया जाता है। इसके अलावा बालक-बालिका और पुरुष वर्ग में आठ किलोमीटर की क्रास कंट्री दौड़ भी होती है। इसकी शुरुआत भी आनंद भवन के सामने से होती है, लेकिन म्योहाल चौराहा पर समाप्त हो जाती है। 20 वर्ष से अधिक के बालक-बालिका क्रास कंट्री में प्रतिभाग लेते हैं। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिल तिवारी का कहना है कि इंदिरा मैराथन में हमेशा ही सेना के जवानों का दबदबा रहता है। प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए सभी राज्यों के नामचीन धावकों को उनके एथलेटिक्स संघ के माध्यम से न्योता भेजा जाएगा। अगले सप्ताह से यह काम शुरू हो जाएगा।

- 19 नवंबर को पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की जयंती पर होगी मैराथन
- प्रथम विजेता दो लाख, द्वितीय को एक लाख, तृतीय को 75 हजार

पांच अक्टूबर से शुरू हो जाएगी प्रक्रिया: इंदिरा मैराथन को लेकर जिला प्रशासन और क्षेत्रीय क्रीड़ा कार्यालय के अधिकारियों के बीच एक बैठक हो चुकी है। पांच अक्टूबर से पहले जिलाधिकारी की अध्यक्षता में दूसरी बैठक होनी है। उसके बाद से इंदिरा मैराथन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मैराथन के रूट का निरीक्षण का काम शुरू हो जाएगा। 10 नवंबर से मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में पंजीयन होगा।

रामलला का 'वनवास' खत्म करने की कामना संग दीपदान

चित्रकूट के रामघाट पर मंदाकिनी नदी में स्नान करते श्रद्धालु ● जागरण

शिवा अवस्थी ● चित्रकूट

प्रभु श्रीराम के 11 साल छह माह 18 दिन तक के वनवास काल की गवाह धर्म नगरी चित्रकूट में पांच दिवसीय दीपदान मेला में उमड़ा आस्था का सैलाब अयोध्या में राम मंदिर की कामना करते दिखाई दिया। तपोभूमि की तरफ बढ़ रहे हर शख्स में अयोध्या में रामलला को फिर से गद्दी पर बैठाने की लालसा नजर आई। रविवार तड़के से हर-हर गंगे जयकारे संग मंदाकिनी में स्नान करने के बाद जत्थे आगे बढ़े। सबके मन में भक्ति का समंदर हिलोरें ले रहा था। जुबां पर जय श्रीराम के जयकारों से धर्मनगरी का कण-कण राममय हो गया।

योगी सरकार ने चित्रकूटधाम में सोमवती अमावस्या मेला, भाद्रपद अमावस्या भदई मेला और कार्तिक माह में पांच दिवसीय दीपदान मेला को प्रांतीयकृत करने की तैयारी की है। इससे 20 किमी की परिधि में रामघाट, मंदाकिनी तट, कामदगिरि, देवांगना, हनुमानधारा, सती अनुसुइया, गुप्त गोदावरी, स्फटिक शिला, जानकी कुंड व भरतकूप क्षेत्र में विकास होगा। प्रमुख सचिव नगर विकास ने सुझाव भी मांगे हैं। डीएम शेषमणि पांडेय ने बताया कि मेला प्रांतीयकृत होने से अयोध्या की तर्ज पर यहां भी दीपदान समेत अन्य पर्व अधिक भव्यता से मनाए जा सकेंगे।

इसलिए श्रद्धालु जलाते हैं दीप: मान्यता है कि भगवान श्रीराम लंका विजय कर लौटते समय रामघाट पर पुष्पक विमान उतारकर रुके थे। मंदाकिनी तट पर दीपदान के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक हुआ था, इसलिए प्रत्येक माह अमावस्या पर श्रद्धालु उमड़ते हैं।

दीपोत्सव मेला

- अयोध्या में मंदिर मांगता दिखा तपोभूमि में आस्था का सैलाब
- हिलोरें लेता रहा भक्ति का समंदर दीपदान मेला से बढ़ेगी रौनक

धर्मनगरी में बिखरा आकर्षण

- दीपदान से घर-आंगन से 84 कोस तक तीर्थस्थल जगमग।
- कामदगिरि, रामघाट और मंदाकिनी तट पर हुई विशेष रोशनी।
- हनुमानधारा, स्फटिक शिला, गुप्त गोदावरी व अनुसुइया आश्रम में भव्य सजावट।
- मठ-मंदिरों से लेकर नदियों के किनारे व सड़क किनारे जले दीप।

दृश्य एक: चित्रकूट रामघाट पर मंदाकिनी स्नान के बाद दीपदान कर रहे प्रयागराज के शंकरगढ़ से आए रमेश चंद्र, देव कुमार और दिनेश बोले कि दीप प्रज्वलित कर खुद की समृद्धि के साथ अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने की कामना की। अब रामलला का वनवास खत्म होना चाहिए।

दृश्य दो: गायत्री शक्ति पीठ आश्रम की छत पर दीप लेकर खड़े आचार्य डॉ. राम नारायण त्रिपाठी ने शिष्यों के साथ कामदगिरि की आराधना की। मन्नत मांगी कि जल्द प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर अयोध्या में बने। चित्रकूटधाम का विकास हो ताकि तपोभूमि अलग पहचान संग समृद्धि का कारक बने।

सिपाही ही 'चोर' तो वर्दी का भय किसको

जासं, शाहगंज (जौनपुर): अगर सिपाहियों का चरित्र ही बदल जाए और चोरी करने लगे तो चोरी करने वालों में वर्दी भय ही समाप्त हो जाए।

ऐसा ही मामला शाहगंज कोतवाली में सामने आया है। हादसे के बाद पुलिस द्वारा कब्जे में लिए गए वाहनों से साउंड व बैटरी निकाल रहे दो सिपाहियों का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे की खासी किरकिरी हो रही है। यह वीडियो जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष अफजल ने सोशल साइट पर वायरल किया है। सीओ शाहगंज ने प्रकरण से अनभिज्ञता जताते हुए कहाकि ऐसा है तो जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली क्षेत्र के अक्खन सराय में शुक्रवार की रात बाइक व मारुति वैन की आमने-सामने हुई टक्कर में बाइक सवार एराकियाना मुहल्ला निवासी प्रतीक व उसका साथी प्रियांशु गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहन सड़क किनारे खड़े थे। दूसरे दिन शनिवार की रात कोतवाली में तैनात बाइक सवार दो पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचकर बाइक की बैटरी व मारुति वैन का बैटरी और साउंड सिस्टम स्पीकर निकालकर ले जाने लगे।

दुष्कर्म आरोपित विधायक के भाई का निधन

जासं, उन्नाव: दुष्कर्म आरोपित विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के छोटे भाई और रायबरेली में हुए पीड़िता की कार दुर्घटना मामले में नामजद पूर्व ब्लाक प्रमुख मनोज सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया। विधायक व दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हत्या में आरोपित छोटे भाई अतुल के मुकदमे दिल्ली शिफ्ट होने के बाद से वह पैरवी के लिए दिल्ली में ही रह रहे थे।

रायबरेली में हुए हादसे में दुष्कर्म पीड़िता की चाची और मौसी की मौत और उसके समेत वकील महेंद्र सिंह के गंभीर रूप से घायल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआइ की लखनऊ कोर्ट से मामले दिल्ली की तीसहजारी कोर्ट में शिफ्ट कर दिए गए थे। इसके बाद से मनोज दोनों भाइयों के मुकदमों की पैरवी के लिए दिल्ली में रह रहे थे।

रायबरेली हादसा मामले की चार्जशीट भी कोर्ट में पहुंचने के बाद उस केस का ट्रायल भी शुरू होने वाला है, जिसमें मनोज सिंह भी नामजद थे। स्वजनों के मुताबिक शनिवार रात 12 बजे के बाद अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनको प्रीत विहार के मेट्रो हास्पिटल ले जाया गया जहां चेकअप के बाद डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया।

उन्नाव : मनोज सिंह सेंगर फाइल फोटो

- बड़े व छोटे भाई के मुकदमों की पैरवी के लिए रह रहे थे दिल्ली में
- शनिवार देर रात तबीयत बिगड़ी, अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया
- रायबरेली सड़क हादसा मामले में विधायक के साथ वह भी किए गए थे नामजद

मनोज के अंतिम संस्कार के लिए विधायक और भाई को पैरोल

जासं, उन्नाव: भाई के अंतिम संस्कार के लिए जेल में बंद विधायक कुलदीप सिंह सेंगर और अतुल को 72 घंटे का पैरोल दिया गया है। यह जानकारी परिवार के करीबी लोगों ने दी। डीएम ने कहा कि पैरोल मंजूर होने की जानकारी मिली है पर लिखित आदेश नहीं आया है। विधायक के परिवारिक सदस्यों ने बताया कि दिल्ली में विधायक के भाई की मौत के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। अंतिम संस्कार के लिए दिल्ली में अदालत से विधायक और उनके भाई को पैरोल की मांग की गई थी। इस पर 72 घंटे की पैरोल मिली है जिसमें दिल्ली तिहाड़ जेल से आने-जाने का समय भी शामिल है। डीएम देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि विधायक को पैरोल मिलने और अंतिम संस्कार के लिए तिहाड़ जेल से उन्नाव लाने की जानकारी मिली है।

विधायक के घर में सन्नाटा, पीड़िता के घर कड़ी सुरक्षा

जासं, उन्नाव: विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के छोटे भाई मनोज सिंह की मौत की खबर गांव पहुंची तो दीपावली की धूम मंद पड़ गई। गांव की चहल-पहल सन्नाटे में बदल गई। गांव के चौराहों और नुक्कड़ों के साथ ही विधायक के घर में सन्नाटा पसरा था। मामला हाई प्रोफाइल होने से लोग वहां तक जाने से हिचकते रहे। वहीं पीड़िता के घर सीआरपीएफ का पहरा कड़ा कर दिया गया।

चौथे चरण में सिर्फ दो विषयों का साक्षात्कार

राज्य ब्यूरो, प्रयागराज: कुछ दिनों के अंतराल में उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग में साक्षात्कार का दौर शुरू होगा। अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) डिग्री कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के खाली पदों को भरने के लिए विज्ञापन संख्या 47 के चौथे चरण का साक्षात्कार 13 नवंबर से शुरू होगा। चौथे चरण में सिर्फ हिंदी व समाजशास्त्र विषय का साक्षात्कार लिया जाएगा। साक्षात्कार 13 के अलावा 14, 15, 16, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 28 व 29 नवंबर को होगा। साक्षात्कार खत्म होने के अंतिम दिन उसका परिणाम भी जारी कर दिया जाएगा।

उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग में विज्ञापन संख्या 47 के तहत 1150 पदों के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर पद का साक्षात्कार कराया जा रहा है। साक्षात्कार की प्रक्रिया 29 जुलाई को शुरू हो गई थी। तृतीय चरण का साक्षात्कार 24 अक्टूबर को पूरा हो गया। तृतीय चरण में हुए अंग्रेजी विषय का परिणाम अभी जारी नहीं हुआ। इसका परिणाम चौथे चरण का साक्षात्कार शुरू होने से पहले जारी किया जाएगा। इसके साथ ही आयोग जल्द पांचवे चरण के साक्षात्कार का कार्यक्रम जारी करने की तैयारी कर सकता है।

राज्यपाल ने दी पर्यावरण रक्षा करने की नसीहत

लखनऊ : रविवार को राजभवन में दीपावली के अवसर पर बच्चों को मिठाई देतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ● जागरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: दीप पर्व पर रविवार को राजभवन आमजन के लिए खुला। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गणमान्य नागरिकों और वरिष्ठ अधिकारियों से भेंटकर दीपावली की बधाई और शुभकामना दी। राज्यपाल ने कहा, प्रकाश का पर्व सबको आनंद एवं खुशियां दें और कोशिश करें कि दीपावली के आनंद के साथ-साथ पर्यावरण की भी रक्षा हो। यह प्रशंसनीय है कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता आई है।

रविवार को राजभवन में प्रदेश सरकार के मंत्री, नागरिक, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने राज्यपाल से मिलकर उन्हें बधाई दी। राज्यपाल से लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया, नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन, राज्यमंत्री स्वाती सिंह, सुलतानपुर के विधायक सीताराम एवं देवमणि, प्रमुख सचिव नवनीत सहगल, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति एसपी सिंह, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर की कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता, स्वामी मुरारी दास, डॉ. शिवशंकर त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भेंटकर दीपावली की बधाई दी।

जज्बे को सलाम घर की दहलीज से निकलीं रीता, बड़ी बहनों का मिला साथ और चल पड़ी गृहस्थी

स्वरोजगार से खड़ी की उम्मीदों की इमारत

अनिल मिश्र ● आजमगढ़

'कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों'। किसी कवि की इन पंक्तियों को रीता जायसवाल ने आत्मसात किया। संघर्ष के बीच समूह का साथ मिला और मिला गया प्रेरणा का संबल। फिर क्या गृहस्थी चल पड़ी। अपने कार्यों से अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनती जा रही हैं।

विकास खंड ठेकमा के बरदह बाजार निवासी रीता जायसवाल के पति राजू जायसवाल कोलकाता में लोहा कारोबारियों से जुड़े थे।

वे उनका माल पहुंचाने का कार्य करते थे लेकिन अपेक्षा के अनुरूप पगार नहीं मिलती थी। ऐसे में घर पर दो बच्चों की पढ़ाई के साथ गृहस्थी चलाना मुश्किल हो गया था।

इसी बीच 2017 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित मां काली आजीविका मिशन समूह की दीदीयों से मिलीं।

समूह की सदस्य बनीं। इसी समूह से 25 हजार रुपये का कर्ज लिया। इसके

फास्टफूड बनाती रीता जायसवाल ● जागरण

बाद घर की दहलीज से निकलीं और विकास खंड ठेकमा के भीरा बाजार में 'प्रेरणा जलपान गृह' के नाम से दुकान खोल दी।

पनीर राइस, पनीर मंचूरियन जैसे फास्ट फूड खुद बनाने लगीं। ग्राहकों को भी खूब पसंद आया और कारोबार चल पड़ा। इसी के साथ आमदनी भी बढ़ गई। धीरे-धीरे समूह का कर्ज भी चुकता कर दिया।

महीने में लगभग पांच से छह हजार रुपये की बचत भी हो जाती है। बच्चों की अच्छी पढ़ाई के साथ बेहतर गृहस्थी चल रही है। इन दिनों रीता के पति घर आए हैं और वे भी कारोबार में हाथ बंटा रहे हैं।

नारी सशक्तीकरण

फास्ट फूड की दुकान से कमाई जमा कर दिया 25 हजार कर्ज संघर्षशील घरेलू महिलाओं के लिए बनती जा रहीं हैं प्रेरणास्रोत

घरेलू महिलाएं यदि हिम्मत करें को उनकी जिंदगी संवर सकती है। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार की तमाम योजनाएं चल रही हैं। एनआरएलएम के माध्यम से महिलाओं को कारोबार करने में मदद मिलेगी। समूह के साथ महिलाएं जुड़ें और उसकी मदद से स्वावलंबी बनें।

रीता जायसवाल, बरदह, ठेकमा, आजमगढ़।

1.76 लाख रुपये के जाली नोट के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

जासं, बलिया : स्वाट टीम व नरहीं थाना पुलिस ने भरौली बाजार से शनिवार की देर शाम को 1.76 लाख रुपये के जाली नोट के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लग्जरी गाड़ी में तमंचा व कारतूस भी बरामद हुए।

पुलिस को पहले से जनपद में जाली नोट के गिरोह के होने के सूचना मिल रही थी। तस्कर जाली नोटों के चलाने के लिए भरौली बाजार में आए हुए है। इस पर पुलिस टीम पूरी तरह से सक्रिय हो गई। पुलिस के बाजार में पहुंचते ही तस्कर इधर-उधर खिसकने लगे। इतने में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रकीब खां उर्फ आरजू निवासी सारिमपुर औद्योगिक बक्सर बिहार, शेषनाथ यादव निवासी कपूरी नारायनपुर व संजय यादव निवासी चचया थाना नगरा को धर दबोचा। पूछने पर इन सभी ने बताया कि हमलोगों को यह नोट बिहार से मिली है। हम इनको बदलकर आर्थिक लाभ प्राप्त करते हैं। इसमें 500 रुपये के नकली नोटों को 400 में 200 रुपये के नकली नोटों को 150 रुपये व 100 रुपये के नकली नोट को 75 रुपये लेकर परिवर्तित करते हैं। यह धंधा चार माह से कर रहे हैं।

दैनिक जागरण
सप्तरंग
साहित्यिक पुनर्नवा
सोमवार, 28 अक्टूबर 2019

अनंत विजय

जड़ता पर प्रहार करने वाला लेखक

साहित्यिक चर्चा

अपने व्यक्तित्व को लेकर सदैव चर्चा में रहे राजेन्द्र यादव हिंदी साहित्य के विवादप्रिय लेखक के तौर पर जाने जाते रहे हैं। वह जीवन के अंतिम समय तक साहित्यिक, सामाजिक और राजनीतिक कारणों से भी विवादों से घिरे रहे

राजेन्द्र यादव ने कभी उपेन्द्रनाथ अश्क पर लिखा था कि 'शायद अपनी पीढ़ी में वह ही अकेले ऐसे हैं, जो उम्र और अवस्था की सारी दीवारें तोड़कर नए से नए लेखक से उसी के धरातल पर मिल सकते हैं, उसके कंधे पर हाथ मारकर हंसी मजाक कर सकते हैं और समान मित्र की तरह सलाह दे सकते हैं, इसलिए भय या श्रद्धा के स्थान पर एक अजीब आत्मीयता का संबंध फौरन स्थापित कर लेते हैं।' राजेन्द्र यादव ने जब ये लिखा होगा तो शायद वो ये नहीं जानते होंगे कि वो भी ऐसे ही थे। दोनों में एक बुनियादी अंतर ये था कि अश्क जी दुश्मनों के बिना रह नहीं सकते थे, जबकि यादव जी दोस्तों के बिना रह नहीं सकते थे। कोलकाता में जब राजेन्द्र जी रहते थे तो एक दिन पता चला कि उनका नौकर भी कहानियां लिखता है, फिर तो उसके साथ लगातार बैठकी होने लगी। मन्नू भंडारी के गुस्से का भी असर नहीं पड़ता था और वह नौकर से उसकी कहानियां सुनते और उसपर बात करते और उसको कहानी की टेक्नीक पर ज्ञान भी देते।

'हंस' के दफ्तर में जिस तरह से या जिस सहजता के साथ वह नए से नए लेखकों के अलावा अपने सहकर्मियों से बात करते थे तो लगता ही नहीं था कि वह इतने बड़े लेखक हैं। बेहद गंभीर बात करते-करते अचानक से इतनी हल्की बात कह जाते थे कि वहां उपस्थित लोग सन्न रह जाते थे। तभी तो मन्नू भंडारी ने लिखा था कि उनके व्यवहार में जाने ऐसा क्या है कि निकट रहनेवाले इनको कभी महान मान ही नहीं पाते हैं। राजेन्द्र यादव की मां भी कुछ इसी तरह कह देती थीं, 'कैसे लोग अखबारों में तेरा नाम छाप देते हैं, तुझे सभापति बना देते हैं! अब यहां सड़क की सीढ़ियों पर ही बैठा है...!' इस तरह की टिप्पणियां उनके बेहद सहज व्यवहार की वजह से आती थीं। दूसरी एक बात जिसको मन्नू भंडारी ने रेखांकित किया है वह यह कि राजेन्द्र यादव अपनी चीजों को कभी खुला नहीं छोड़ते थे, ठीक उसी तरह से अपने मन की बात को कभी खुलकर नहीं करते थे। जब पत्नी का ये अनुभव था तो मित्रों का क्या कहा जा सकता है।

कुछ इसी तरह की बात कोलकाता के उनके मित्र मनमोहन ठाकोर ने भी लिखी है कि अगर राजेन्द्र का वश चले तो वह अपनी टूथपेस्ट और ब्रश को भी ताले में बंद करके रखे। मन्नू भंडारी ने माना कि राजेन्द्र का ये स्वभाव उसके व्यक्तिगत जीवन में अविश्वास पैदा करता है। संभवतः मन न खोल पाने की यही गिरह राजेन्द्र यादव और मन्नू भंडारी के अलग होने का कारण बनी हो।

राजेन्द्र यादव, कमलेश्वर और मोहन राकेश के बीच काफी गहरी दोस्ती थी, लेकिन उनके बीच अविश्वास की एक गहरी रेखा भी थी। इस बात के पर्याप्त संकेत कमलेश्वर पर लिखे उनके लेख मेरा हमदम मेरा दोस्त में मिलते हैं। वह बहुत खुलकर कमलेश्वर की तारीफ भी करते हैं, लेकिन दुष्यंत को उद्धृत करते हुए उनको झूठा भी कह डालते हैं। मोहन राकेश और उनके बीच भी संबंध बेहद गहरे थे पर अविश्वास भी था।

राजेन्द्र यादव विदेशी लेखकों को बहुत पढ़ते थे। मन्नू जी ने कहा है कि विदेशी लेखकों की जीवनियां पढ़-पढ़कर यह धारणा इनके मन में गहरे तक बैठ गई है कि दोहरी जिंदगी महान लेखक बनने की अनिवार्य शर्त है। और उसमें ये जोड़ा जा सकता है कि ये दोहरी जिंदगी वह जीवन के अंत तक जीते रहे। वह अपनी दोहरी जिंदगी को सुविधानुसार स्वीकार भी करते थे, छिपाते भी थे। लेकिन स्वीकार-अस्वीकार के इस खेल में एक खिलंदड़ापन भी होता था। विदेशी लेखकों को पढ़ने की ललक उनके मन में अंत तक बनी रही। एमा डोनॉग की किताब 'रूम' जब प्रकाशित हुई थी और उनको जब इस उपन्यास के कथावस्तु के बारे में पता चला था तो वह उसको पढ़ने के लिए मचलने लगे थे। बाद के दिनों में आंख की तकलीफ की वजह से कम पढ़ पाते थे, लेकिन मैगनिफाइंग ग्लास लगाकर अपनी रुचि के मोटे-मोटे उपन्यास पढ़ जाते थे। पढ़ने की ये ललक उनके अंदर जीवनपर्यंत बनी रही। इसका ही नतीजा था कि वह अपनी पत्रिका 'हंस' में नित नए प्रयोग करते थे, नए लेखकों से नए और लगभग अछूते विषयों पर लेख लिखवाते थे। कई बार वह चाहते थे कि 'हंस' में विदेशों में प्रकाशित अलग-अलग भाषा की बदनाम किताबों पर कोई लिखनेवाला मिले। वह हर तरह के साहित्य को पाठकों को सुलभ करवाना चाहते थे। विवादों को वह समाज की जड़ता तोड़नेवाले औजार के तौर पर देखते थे, इसलिए प्रयासपूर्वक विवादों को उठाते भी थे। कई बार साहित्यिक विवाद तो कई बार गैर साहित्यिक विवादों को उठाने से भी उनको परहेज नहीं रहा था। उन्होंने 'हंस' के संपादकीयों के माध्यम से कई विवादास्पद मुद्दे उठाए थे। सामाजिक और राजनीतिक विवाद से भी उनको परहेज नहीं था। कई बार वह विवादों में फंसे भी, उनके घर से लेकर उनके दफ्तर के बाहर तक प्रदर्शन आदि भी हुए, लेकिन फिर भी विवाद उठाने की आदत से बाज नहीं आए। 28 अक्टूबर 2013 को अपनी मृत्यु से कुछ दिन पहले तक भी विवादों में घिरे रहे। इतना विवादप्रिय लेखक हिंदी साहित्य में शायद ही कोई दूसरा हो।

> राजेन्द्र यादव की एक और खूबी ये थी कि वह दूसरे की लेखकीय प्रतिभा को उभारने में बेहद उत्साह के साथ लगे रहते थे। उनको पता होता था कि कौन सा व्यक्ति क्या बेहतर लिख सकता है। उनको बस अंदाज हो जाए फिर तो उसकी जान के पीछे पड़ जाते थे और तबतक शांत नहीं बैठते थे, जबतक कि उससे उस विषय पर लिखवा ना लें। उनमें लिखने के लिए प्रेरित करने और लिखवा लेने की अतुलनीय क्षमता थी। यह अनायास नहीं था कि साहित्यिक पत्रिका 'हंस' के संपादन के बाद उनसे एक बहुत बड़ा लेखक वर्ग जुड़ा था। 'हंस' के प्रकाशन के बाद उनको कई तरह के विशेषणों से नवाजा गया। कई विवादों में घिरे, लेकिन निर्विवाद रूप से नए लेखकों के सबसे चहेते लेखक के तौर पर उभरे। 'हंस' को चलाने के लिए भले ही उनको कई तरह के दंदफंद करने पड़ते होंगे, लेकिन बावजूद इसके वह अंत तक लेखक ही बने रहे।

anant@nda.jagran.com

साहित्यिक विभूति

विलक्षण प्रतिभा के धनी

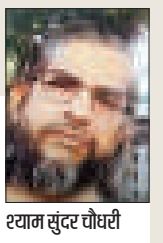

बांग्ला बाल साहित्य को ऊंचाई तक पहुंचाने वाले सुकुमार राय लेखक और कवि के अलावा गायक और अभिनेता के रूप में भी जाने जाते हैं

श्याम सुंदर चौधरी

कुछ ऐसी विलक्षण प्रतिभाएं इस देश में जन्मी हैं, जो अपने छोटे से जीवनकाल में ही बहुत उत्कृष्ट और प्रचुर मात्रा में काम कर गईं। इनमें से एक सुकुमार राय का नाम लिया जाना आवश्यक हो जाता है। प्रख्यात फिल्म निर्देशक सत्यजीत राय के पिता सुकुमार राय ने बांग्ला बाल साहित्य को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया वह अतुलनीय है। सुकुमार राय का जन्म 30 अक्टूबर 1887 को कलकत्ता (अब, कोलकाता) में हुआ था। इनके पिता उपेन्द्र किशोर राय चौधरी एक अच्छे साहित्यकार, संगीतज्ञ और चित्रकार थे।

प्रेसिडेंसी कालेज से रसायन विज्ञान में बी.एस.सी. करने के बाद सुकुमार राय कलकत्ता विश्वविद्यालय से 'गुरुप्रसन्न घोष स्कालरशिप' लेकर इंग्लैंड गए और 'स्कूल ऑफ फोटो एंग्रेविंग एंड लीथोग्राफी' में दाखिला लिया।

पिता का प्रेस 'यू राय एंड संस' उस वक्त मुद्रण के क्षेत्र में अपना एक खास मुकाम बना चुका था। इंग्लैंड से छपाई के लिए आधुनिक मशीनें और पुस्तकें भी उन्होंने मंगवाई। बांग्ला बाल साहित्य में उनके इन प्रयासों से क्रांति आ चुकी थी। उपेन्द्र किशोर ने ही बाल साहित्य की चर्चित पत्रिका 'संदेश' का प्रकाशन आरंभ किया था।

उन्हीं दिनों 'ईस्ट एंड बेस्ट सोसाइटी' की सभा में उन्होंने 'दि स्प्रिट ऑफ रवीन्द्रनाथ टैगोर' निबंध का पाठ किया, जो बाद में वहां की विख्यात पत्रिका 'क्वेस्ट' में प्रकाशित हुआ। अपनी छोटी सी उम्र से ही बालमन का विकास करती हुई मनोरंजक और रिद्मिक छोटी-छोटी रचनाएं लिखने लगे थे। इस विधा में उनकी सीरीज 'आबोल ताबोल', 'हज ब रल', 'पागला दाशु' इतनी प्रसिद्ध हुईं कि आज भी बांग्ला जनमानस में रची बसी हैं। अध्ययन करते वक्त से ही सुकुमार नाटकों में भाग लेने लगे थे, साथ ही बच्चों के लिए भी हास्य नाटक लिखने लगे थे।

इंग्लैंड में रहते हुए भी वह 'संदेश' पत्रिका के लिए नियमित कहानी, कविता आदि लिखते थे। चित्र भी खुद बनाकर भेजते थे। आगे चलकर सुकुमार 'रायल फोटोग्राफिक सोसाइटी' के फेलो भी बने। सुकुमार राय सिर्फ लेखक या कवि के रूप में ही नहीं, बल्कि एक अच्छे गायक और अभिनेता के रूप में भी मशहूर थे। पिता के देहावसान के बाद सुकुमार राय ने उनका व्यवसाय संभाला और बहुत कम आयु में ही सैकड़ों बाल रचनाओं (कविता, कहानी, नाटक, निबंध आदि) का उपहार बांग्ला साहित्य को दे गए।

shyamsunderchowdhury@gmail.com

स्मरण

यतीन्द्र मिश्र

रोशन कन्दील की तरह चमकती हुई आवाज

शास्त्रीय संगीत में बेगम अख्तर की गजल गायिकी की विशिष्ट शैली आज भी सुनने वालों को दीवाना बना देती है

बीते दौर की मशहूर गायिका मुश्तरीबाई की बेटी के रूप में जन्मीं बेगम अख्तर, शुरुआती दौर में अख्तरीबाई फैजाबादी कहलाती थीं। उपशास्त्रीय गायन के सभी प्रकारों में पारंगत बेगम साहिबा दरअसल गजल गायिकी की शीर्षस्थ गायिका के रूप में पहचानी जाती हैं। इनकी संगीत की तालीम ढेरों गुरुओं और कई घरानों के माध्यम से संभव हुई, जिनमें प्रमुख रूप से उस्ताद अब्दुल वाहिद खां (किराना) और अता मोहम्मद खां (पटियाला) शामिल हैं। हालांकि उनकी आवाज की गुलुकारी को पटियाला के उस्ताद बरकत अली खां, गया के उस्ताद गुलाम मोहम्मद खां और लखनऊ के उस्ताद रमजान खां ने भी कुछ-कुछ बारीकियां सिखाते हुए संवारा था। अख्तरीबाई फैजाबादी तथा उनके मिजाज और बेहतरीन गायिकी के बारे में कुछ भी जिक्र करने से ज्यादा पेचीदा बात उनकी गायिकी के बारे में है, जो उनकी विशिष्ट शैली या 'अख्तरीनुमा छाप' को बयां करती है। उनकी शास्त्रीय संगीत की परंपरागत तालीम को पटियाला और किराना के ही संदर्भ में देखे जाने की जरूरत है। वह जहां पटियाला घराने की गंभीर गायिकी में अपने उस्ताद से गजल, ठुमरी और दादरा सीखने में व्यस्त रहीं, ठीक उसी समय उन्हें किराना घराने से ख्याल की बारीकियों को सीखने का अवसर मिला। बेगम अख्तर की पूरी सांगीतिक यात्रा, इन्हीं दो घरानों के बीच किसी नाजुक बिंदु पर संतुलित मिलती है, जिसमें बड़े उत्साह से उनकी आवाज ख्याल, ठुमरी, दादरा, चैती, कजरी और गजल से होती हुई अद्भुत पुकार-तान व आकार लेने की असमाप्त मींड, मुरकियों, पलटों और तानों के साथ खनकती हुई चलकर हमारे पास आती है।

एक और बात उनकी गायिकी में देखने की है कि तवायफों की परंपरा से उठकर आने वाली उनकी मौसिकी का मामला हैदराबाद, बड़ौदा, भोपाल, दरभंगा, पटना, रामपुर, गया, ओरछा और अयोध्या के राज-दरबारों से होकर भी गुजरा है। अधिकतर महफिलों में जहां वह ठुमरी, दादरा और गजलें गाती हुईं दिखाई पड़ती हैं, ठीक दूसरी ओर दरबार गायिकी में उतनी ही शाइस्तगी से होली, सादरा, मुबारकबादियां और ख्याल अंग की ठुमरी गाने में तल्लीन नजर आती हैं।

बेगम अख्तर को करीने से सुनने पर यह बात भी समझ में आती है कि उनके लिए संगीत सिरजना सिर्फ राग, ताल और धुनों पर ही आधारित काम नहीं था, बल्कि वह गीत के शब्दों और बोलों की सटीक अर्थ-व्याप्ति के लिए भावों को बहुत गौर से बरतने में समर्पित दिखाई पड़ती हैं। शायद इसीलिए उनकी गजलों, ठुमरियों और कजरियों के एल.पी. रेकॉर्ड्स, सीडीज या यू-ट्यूब लिंक सुनते हुए यह बात सहज ही उभरती है कि कैसे उनकी अदायगी में गीत के मिसरों के अंतर संगीत में संगतियों का समूह अपने-अपने वाद्यों को अत्यंत संक्षिप्त करते हुए 'अंडर प्ले' करता था। बेगम अख्तर के हुनर का यह सबसे उज्ज्वल पक्ष है कि उन्होंने किसी गीत या बन्दिश या गजल पर अतिरिक्त बोझ वाली गुलतराशी कभी नहीं की। वह फिल्मों में भी गयीं और उन्होंने आठ फिल्मों में एक अदाकारा के बतौर अपनी उपस्थिति को भी सिनेमा के रुपहले पर्दे पर दर्ज कराया। इनमें 'एक दिन की बादशाहत', 'नल दमयन्ती' (1933), 'अमीना', 'मुमताज बेगम' (1934), 'जवानी का नशा' (1935), 'नसीब का चक्कर' (1936), 'रोटी' (1942) और 'जलसाघर' (1958) हैं।

एक यारबाश महिला, उन्मुक्त फनकार, अपनी गजल गायिकी को लेकर अतिरिक्त सजग और ठुमरी और दादरा की अदायगी के समय बेहद जज्बाती और नाजुक ढंग से शास्त्रीयता का दामन थामने वाली कलाकार, सभी रूपों में बेगम अख्तर अपने समय से आगे निकल जाने वाली एक ऐसी क्रांतिकारी गायिका भी हैं, जिन्होंने इनोवेशन के लिए तमाम सारे रास्ते खोले। अपने मित्र संगीतकार मदन मोहन की कई धुनों को दुरुस्त कराने में भी उनका हुनर शामिल माना जाता है।

उनके गाए हुए प्रमुख अमर गीतों में से कुछ को यहां याद किया जा सकता है, जिनमें 'कोयलिया मत कर पुकार...', 'हमरी अटरिया पे आओ संवरिया...', 'जरा धीरे से बोलो कोई सुन लेगा...', 'ओ बेदर्दी सपने में आ जा...', 'चला हो परदेसिया नैना लगा के...', 'निहुरे-निहुरे बुहारें...' जैसे प्रसिद्ध दादरे और कजरियां उनकी प्रसिद्धि का पता देते हैं, तो वहीं दूसरी ओर 'ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया...', 'कुछ तो दुनिया की इनायात ने दिल तोड़ दिया...', 'शाम-ए-फिराक अब न पूछ...', 'इतना तो जिंदगी में किसी की खलल पड़े...', 'उलटी हो गयी सब तदबीरें...', 'वो जो हम में, तुम में करार था...', 'अब छलकते हुए सागर नहीं देखे जाते...' और 'दीवाना बनाना है तो दीवाना बना दे...' जैसी सदाबहार गजलों को उनकी बेहतरीन नुमाइंदगी के तौर पर याद किया जा सकता है।

कुछ अभूतपूर्व ठुमरियां भी उनके खाते में दर्ज हैं, जिनमें 'जबसे श्याम सिधारे...', 'कौन तरह से तुम खेलत होरी...', 'न जा बलम परदेस...' और 'सैंया गये परदेस...' से उठने वाली टीस, हूक और पुकार आपके होश उड़ा देती है, जब आपाधापी से परे छिटककर आप सुकून की तलाश में बेगम अख्तर को सुनते हैं।

इस 30 अक्टूबर को उनकी मृत्यु के पैंतालीस वर्ष हो जाएंगे, बावजूद इसके उनकी अमरता की रोशनी जरा सी भी धुंधली नहीं पड़ेगी। एक चमकती हुई रोशन कन्दील की तरह बेगम अख्तर की आवाज दुनिया को आगे भी ऐसे ही अपना दीवाना बनाती रहेगी।

चित्रांकन-ओम सिंह

yatindrapost@gmail.com

ओड़ा का पत्थर

कविता

महेश चन्द्र पुनेठा

गाड़ा जाता है खेत के बीचोबीच
लेकिन
बहुत पहले
पड़ जाती है नींव इसकी
दिलों के बीच
जैसे दिलों की खाईयां
उभर आती हों
एक पत्थर की शक्ल में

फिर भी हमेशा याद दिलाता है यह
कभी सगे रहे थे
इसके दोनों ओर के हिस्सों के मालिक।

जब मां कलेवा लेकर आई होगी
धान मड़ाई के दिनों
बैठकर इन्होंने
एक ही थाली में खाया होगा
एक ही गिलास से
खींचे होंगे छांछ के लंबे-लंबे घूंट
उससे पहले
एक साथ खेले-कूदे होंगे
एक साथ रोए होंगे
एक साथ हंसे
एक-सी ही धूप, हवा, पानी का
स्पर्श पाया होगा

किसी बात में तू-तू, मैं-मैं हुई होगी
लेकिन ज्यादा देर तक
अबोले नहीं रह पाए होंगे
खूब रोए होंगे उसके बाद
गले मिलते हुए
एक साथ गए होंगे
किसी बाहरी से मुकाबला करने।

क्या कम हैं ये यादें
इस पत्थर को उखाड़ फेंकने के लिए?
जब गिराई जा सकती हैं बड़ी-बड़ी दीवारें
यह तो एक पत्थर मात्र है।

punetha.mahesh@gmail.com

रेखांकन-ब्रिज

लघु कथा

निर्णय

'नाम करेगा रोशन मेरा नन्हा राजदुलारा ...' गाना गुनगुनाती हुई नीलम जल्दी-जल्दी घर के काम निपटा रही थी। नहाने के बाद चाय लेकर रिशु के कमरे में आ बैठी थी। सामने दीवार पर ट्राफी लिए हुए अनूप कुमार की तस्वीर देखकर खयालों में खो गई थी कि सब्जी वाले की आवाज गूंजी... 'सब्जी ले लो, तोरई, गाजर, मटर, आलू ले लो ओओ...!!'

'भैया रुको, मैं आती हूं!' नीलम भागती हुई आकर बालकनी से बोली।

'बेटा रिशु! चल साथ में। ज्यादा सब्जी लेनी है न, तू उठा ले आना।' 'जी मम्मा, आप चलिए मैं आता हूं। बस थापर सर द्वारा दी गई कामयाबी के टिप्स लिख लूं!' 'जल्दी आना!' 'हां मम्मा, आप के खरीद चुकने से पहले आपके पास होऊंगा।'

'टमाटर कैसे दिए भैया।' 'चालीस रुपए में दीदी जी।' 'इतने महंगे! न न, तीस रुपए में दो तो बोलो, हमें तीन चार किलो लेना है। राष्ट्रीय कबड्डी टीम में मेरे बेटे के सेलेक्शन होने की खुशी में कल पार्टी है न।'

'अरे वाह दीदी जी, फिर तो आप मेरी तरफ से फ्री में ले लीजिए।' सब्जी वाला खुश होकर बोला। अचानक 'सर'-'सर' कहते सुन ठेले से नजर उठाते ही नीलम ने रिशु को सब्जी वाले के कदमों में झुका हुआ देखा।

'रिशु..?' नीलम हतप्रभ हो बोली।

'मम्मा तुम नहीं जानती इन्हें? यही तो हैं मेरे अदृश्य गुरु! गोल्ड मेडिलिस्ट, जिनकी मैं दिन रात पूजा करता हूं। आज ये मुझे मिल गए, अब साक्षात इनसे ही सीखूंगा मैं।'

'बोलिए न थापर सर, आप सिखाएंगे न मुझे कबड्डी में कामयाबी के ट्रिक?'

नीलम की खुशी अब काफूर हो गई थी। तराजू के पलड़े के ऊपर-नीचे होने में बेटे का वर्तमान और भविष्य देखने लगी। अचानक नीलम के माथे पर बल पड़ गए। सब्जी वाले से बोली 'भैया! टमाटर बस आधा केजी ही देना।'

सविता मिश्रा 'अक्षजा'

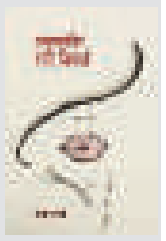

2012.savita.mishra@gmail.com

पुस्तक चर्चा

स्त्री विमर्श का गलियारा

स्त्री विमर्श अब हिंदी साहित्य में फैशन या रियायत की हदबंदी से निकल चुका है। हिंदी साहित्य के साथ हिंदी के पाठ्यक्रमों और हिंदी समाज में भी स्त्री विमर्श एक विचारणीय बिंदु के रूप में स्वीकृत हुआ है। क्षमा शर्मा उन लेखिकाओं में हैं, जिन्होंने स्त्री विषयक मुद्दों पर निरंतर लिखा और उसे चालू मुहावरेबाजी से आगे गंभीर अकादमिकी में जगह दिलवाई। उन्होंने इसे लेखन के एक औजार से अधिक जीवन पद्धति का विषय माना और यही कारण है कि उनकी नई पुस्तक 'समकालीन स्त्री विमर्श' किसी सैद्धांतिक उहापोह में न पड़कर रोजमर्रा के विषयों से दो-चार होती है। वह विमर्श की सीमाओं को तोड़कर व्यापक जन-जीवन के प्रसंगों को जोड़ती हैं और तब उनका यह कथन उचित प्रतीत होता है कि 'अब लगता है कि वादों और विमर्शों के कोलाहल से दूर यह सोचा जाए कि आखिर किस तरह मानवीयता की सोच को आगे बढ़ाया जाए जहां महिलाओं, पुरुषों, सहअस्तित्व और इंसानियत को जगह मिल सके, क्योंकि इन दिनों इंसानियत और उससे जुड़े कर्तव्यों की बात कोई नहीं करता।' उन्होंने आगे उचित ही कहा है कि यह पुस्तक समकालीन स्त्रीत्ववादी विमर्श की अतियों पर सवाल उठाती है। इन सवालों में बाजार, व्यवस्था, कानून, देह, कोख, दलित, दुष्कर्म, स्वास्थ्य और मुनाफा जैसे वे विषय भी आते हैं, जो अक्सर अस्तित्ववादी कुहासे में पीछे रह जाते हैं। विचार करना होगा कि जब पृथ्वी के सभी मनुष्यों के सुख-दुख और संघर्ष साझे हैं तो इकाइयों में बांटकर क्या दूर तक कोई लड़ाई संभव है? हमारे स्त्री विमर्श ने साहित्य और समाज में दमित स्वरों को स्थान दिलाने में सचमुच उपलब्धिमूलक कार्य किया, लेकिन बराबरी की लड़ाई में विभाजित होकर जीत नहीं मिल सकती। क्षमा शर्मा की यह किताब इस संदर्भ में जरूरी बहसों को खड़ा करती है और अपनी सहज भाषा से अपने साथ बांध लेती है।

पल्लव

चर्चित पुस्तक
समकालीन स्त्री विमर्श
लेखिका – क्षमा शर्मा
सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
मूल्य– रु.300

आज का भविष्यफल

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: 28 अक्टूबर 2019, सोमवार, कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा का राशिफल।
आज का दिशाशूल : पूर्व।
आज का राहुकाल: प्रातः 07:30 बजे से प्रातः 09:00 बजे तक।
आज का पर्व एवं त्योहार : गोवर्धन पूजा, अन्नकूट ।

मेष : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी। बहन का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में मधुरता आएगी। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य मिलेगा। पुराने मित्रों से भेंट होगी।

वृष : पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आमोद-प्रमोद का अवसर प्राप्त होगा। भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी।

मिथुन : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। रिश्तों में मधुरता आएगी। भागदौड़ रहेगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कर्क : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भागदौड़ की स्थिति सुखद रहेगी। बिगड़े कार्य बनेंगे।

सिंह : आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हो। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। पुराने मित्रों से भेंट होगी।

कन्या : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। बिगड़े कार्य बनेंगे।

तुला : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संबंधों में निकटता आएगी। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी लेकिन जीवनसाथी से तनाव मिल सकता है। किसी प्रियजन से भेंट होगी।

वृश्चिक: पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी।

धनु : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा पर जाने की संभावना है।

मकर : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। रिश्तों में मजबूती आएगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बिगड़े कार्य बनने की संभावना है।

कुंभ : शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। कारोबार में निवेश करना लाभप्रद रहेगा।

मीन : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी। रिश्तों में मधुरता आएगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

कल 29 अक्टूबर का पंचांग

दैनिक पंचांग

कार्तिक कृष्ण-30, सोमवार 28 अक्टूबर 2019, श्री संवत् 2076, शाके-1941, बंग-1426, सांपातिक-कार्तिक-6, शाके संवत्-1941, नेपाली-1139, सौर (बंग) कार्तिक-10, हिजरी 1441, सफर-28, तिथि-अमावास्या दिन 9 बजकर 23 मिनटों तक। नक्षत्र-स्वाती रात 2 बजकर 49 मिनटों तक। योग-प्रीति रात 8 बजकर 39 मिनटों तक। करण-नाग 8 घटी 16 पल। आनन्दादियोग-छत्र रात 2 बजकर 49 मिनटों तक। चन्द्र-तुला राशि पर पूर्ण। दिनमान-27 घटी 56 पल।

-पं. नरहरि जनार्दन शास्त्री खुण्टे

वर्ग पहेली-1018

बाएं से दाएं
1 कमी, तंगी, दुर्लभता (3)।
3 सजग, सतर्क एवं सावधान (4)।
5 स्मरण, ध्यान (4)।
6 गरीबों पर दया करने वाला, परमात्मा (4)।
8 लालसा, इच्छा, कामना (4)।
10 कम, अल्प (2)।
11 पंखों वाली सुंदर काल्पनिक स्त्री (2)।
13 शर्मीली, लज्जालु स्त्री (4)।
15 एक ही नाम का (4)।
18 फिल्म 'तीसरी कसम' का एक महत्वपूर्ण पात्र (4)।
20 दानी, दान करने वाला (4)।
21 शक्ल, मुखड़ा (3)।

ऊपर से नीचे
1 व्यूह रचना, मोर्चा बंदी (4)।
2 'मैं' को बांग्ला भाषा में कहेंगे (2)।
3 हिम्मत वाला, सजीव (4)।
4 दया, रहम (3)।
5 बहुत मीठा या मधुर (4)।
7 नखरा दिखाने वाला (4)।
9 भेंट, उपहार (4)।
12 किसी चीज के गुण-दोष की समझ (4)।
14 जिसके खानदान में कोई न हो (4)।
16 परामर्श, सलाह (4)।
17 विद्या की देवी को यह भी कहते हैं (3)।
19 नहीं, वोट (2)।

कल का हल

जागरण सुडोकू-1018

3			8			4		7
	8		5				1	
	4				3	8		2
			3		8		4	
6	7			9			8	
			6				9	
5					6	1		8
		7	2		5			
4				3		6		5

कल का हल

8	7	6	5	4	9	1	2	3
3	4	1	6	2	8	9	7	5
2	5	9	7	1	3	6	4	8
9	6	4	3	8	1	2	5	7
1	3	5	2	7	6	8	9	4
7	8	2	9	5	4	3	1	6
5	1	7	8	3	2	4	6	9
4	9	3	1	6	7	5	8	2
6	2	8	4	9	5	7	3	1

गजल

विज्ञान व्रत

आहों का अंदाज

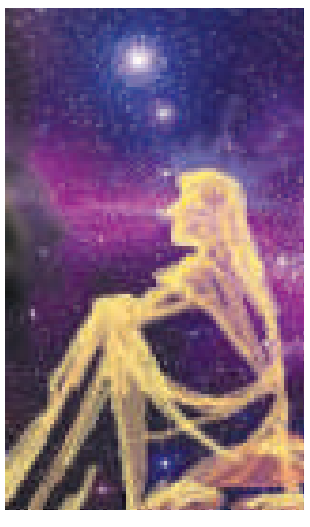

जुगनू ही दीवाने निकले
अंधियारा झुठलाने निकले

ऊंचे लोग सयाने निकले
महलों में तहखाने निकले

वो तो सबकी ही जद में था
किसके ठीक निशाने निकले

आहों का अंदाज नया था
लेकिन जख्म पुराने निकले

जिनको पकड़ा हाथ समझकर
वो केवल दस्ताने निकले

vigyanvrat@gmail.com

कल पढ़ें

सूर्योपासना का लोकरंजित पर्व

सादगी, पवित्रता और लोकपक्ष की सुगंध है छठ पर्व में। सूर्य-उपासना का यह महापर्व सुमधुर लोकगीतों से युक्त होकर लोक जीवन की सोंधी सुगंध बिखेरता है और प्रकृति के प्रति जुड़ाव के लिए प्रेरित करता है...

पांच फिक्स्ड डिपॉजिट दे रहे हैं सबसे ज्यादा ब्याज

जेएनएन, नई दिल्ली : एफडी (यानी फिक्स्ड डिपॉजिट) लोगों के सबसे पसंदीदा निवेश विकल्पों में से एक है। फिक्स्ड डिपॉजिट को टर्म डिपॉजिट के तौर पर भी जाना जाता है। क्योंकि इस निवेश विकल्प में पैसा एक खास समय के लिए जमा किया जाता है। अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करना चाहते हैं तो आपको कुछ खास बातों का ध्यान रखना होगा। जिस ग्राहक का बैंक में सेविंग अकाउंट है वो टर्म डिपॉजिट खाता खुलवा सकता है। कई बैंक सेविंग बैंक अकाउंट होने पर एफडी खोलने का विकल्प देते हैं।

कितना पैसा कर सकते हैं इन्वेस्ट : फिक्स्ड डिपॉजिट में पैसा जमा करने के लिए हर बैंकों में अलग-अलग नियम होता है। हालांकि, एफडी में मैक्सिमम अमाउंट जमा करने जैसी कोई लिमिट नहीं है।

7 दिन से 10 वर्षों के लिए निवेश :एफडी के लिए न्यूनतम और अधिकतम समय एक बैंक से दूसरे बैंक में भिन्न होता है। आमतौर पर एफडी में 7 दिनों की न्यूनतम अवधि के लिए और अधिकतम 10 वर्षों के लिए निवेश किया जा सकता है। आप उस अवधि को चुन सकते हैं जिसके लिए आप अपनी आवश्यकता के अनुसार अपनी एफडी रखना चाहते हैं।

अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस फिर बने दुनिया के सबसे अमीर शख्स

दिल्ली,आईएनएस : अमेजन के संस्थापक और सीईओ जेफ बेजोस एक बार फिर से दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। इससे पहले बिल गेट्स ने उनसे यह स्थान छीन लिया था, लेकिन बेजोस ने फिर से पहला स्थान हासिल कर लिया है। अमेजन के तीसरी तिमाही के रिजल्ट्स सामने आने के बाद सात अरब डॉलर स्टॉक मूल्य की गिरावट के बाद बेजोस माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स से पहला स्थान हार गए थे।

अमेजन के शेयर गुरुवार को घंटों ट्रेड करने के बाद सात प्रतिशत तक गिर गए, जिसके चलते बेजोस की कुल संपत्ति गिर कर 103.9 अरब डॉलर हो गई। हालांकि, अमेजन के शेयरों में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई, लेकिन बाद के घंटों में गिरावट इतनी नहीं थी। फोर्ब्स के अनुसार, अमेजन के शेयर एक प्रतिशत गिरावट के साथ 1,760.78 डॉलर पर बंद हुआ, लेकिन बाद में बेजोस की नेट वर्थ 109.9 अरब डॉलर हो गई और वह पुन: पहले स्थान पर आ गए।

अमेरिका–चीन में पहले चरण के समझौते को लेकर बनी सहमति

नवंबर में एपीईसी की बैठक के दौरान समझौते पर हो सकते हैं हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एएफपी : अमेरिका और चीन ने कहा है कि वे व्यापार वार्ता के पहले चरण में हुए समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गए हैं। दोनों देशों के बीच टेलीफोन पर उच्च स्तरीय बातचीत हुई। इस संबंध में जारी बयान में कहा गया है कि इसमें कुछ मुख्य बिंदुओं पर सहमति बन गई है। यूएस व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने कहा है कि बातचीत आगे चालू रहेगी। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता को समझौते में तब्दील होने की उम्मीद जता चुके हैं। हालांकि अभी इस बात की कोई जानकारी नहीं दी गई है कि समझौते को लेकर दोनों देश कहां तक पहुंचे हैं। दोनों देशों ने बढ़ी हुई शुल्क दरें वापस लेने के संबंध में भी अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है।

चीन और अमेरिका के राष्ट्रपति • (फाइल फोटो)

अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहाइजर और वित्त मंत्री स्टीवन न्यूचिन ने चीन के वाइस प्रीमियर ल्यू ही के साथ पहले दौर की वार्ता में भाग लिया। अमेरिका की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि पहले दौर की वार्ता में दोनों पक्षों में समझौते के कुछ बिंदुओं पर सहमति बन गई है। इस मामले में चीन के वित्त मंत्रालय की ओर से भी बयान जारी किया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि दोनों देशों ने एक-दूसरे की चिंताओं पर गौर किया है। चीन ने कहा है कि वह अमेरिका के पोल्ट्री इंपोर्ट से बैन हटा लेगा इसके बदले यूएस उसके पके हुए पोल्ट्री और कैटफिश के उत्पादों को अपने बाजारों में स्वीकृति देगा।

ट्रेड-वार्ता को लेकर दोनों देशों में अभी तक डिप्टी लेवल की बातचीत हुई है, जो आगे भी जारी रहेगी। आने वाले समय में दोनों देश इस संबंध में उच्च स्तरीय बातचीत करेंगे और समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश करेंगे। इससे पहले ट्रंप अमेरिका के कृषि उत्पादों को खरीदने पर सहमति जताने को लेकर चीन की तारीफ की थी। बौद्धिक संपदा, वित्तीय सेवाएं और करेंसी को भी इस बातचीत में मुद्दा बनाया गया है।

अमेरिका ने 15 अक्टूबर से चीन के उत्पादों पर प्रस्तावित 250 अरब डॉलर का अतिरिक्त शुल्क स्थगित करने का फैसला किया था। हालांकि अभी दिसंबर में प्रस्तावित 15 फीसद के अतिरिक्त शुल्क को लेकर अमेरिका ने कोई फैसला नहीं लिया है। ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि नवंबर में चिली में होने जा रही एपीईसी की बैठक के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि हम चीन के मुद्दे पर प्रगति कर रहे हैं। चीन समझौता चाहता है, वह टैरिफ में भी कुछ कटौती जरूर चाहेगा। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच अरबों डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार होता है। ट्रेड-वार के चलते इस कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिसका खामियाजा ग्लोबल इकोनॉमी को भी उठाना पड़ा है। दोनों देशों में बढ़ते व्यापार तनाव के चलते वैश्विक संस्थाओं ने ग्लोबल ग्रोथ में गिरावट आने की आशंका जताई थी।

भारत पर विदेशी निवेशकों का विश्वास और बढ़ा

जांस, दिल्ली : मोदी सरकार द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का असर अब दिखने लगा है। भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी निवेश 3800 करोड़ के करीब हुए हैं।

मालूम हो कि भारत में विदेशी निवेश के लिए मोदी सरकार लगातार प्रयासरत है। इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी लगातार विदेशों में दौरा कर वहां के पूंजीपतियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया है।

भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर माह में अब तक 3,800 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशक बाजार में बने हुए हैं। इससे पिछले माह सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इक्विटी और ऋण पत्र दोनों वर्गो में घरेलू पूंजी बाजारों में शुद्ध रूप से 6,557.8 करोड़ रुपये का कुल निवेश किया। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में अब तक इक्विटी में शुद्ध रूप से 3,769.56 करोड़ रुपये और ऋण पत्रों में 58.4 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस प्रकार विदेशी निवेशकों का कुल निवेश इस महीने अब तक 3,827.9 करोड़ रुपये रहा है। इक्विटी बाजार में होने वाले विदेशी निवेश का एक बड़ा हिस्सा सकारात्मक वैश्विक घटनाक्रमों का असर दिखाता है।

सेंसेक्स में आया उछाल टाटा मोटर्स में अधिक तेजी

जेएनएन, दिल्ली : संवत 2076 की शुरुआत शेयर बाजार में उछाल के साथ हुई। दिवाली के दिन हुए मुहुर्त कारोबार के शुरुआत में सेंसेक्स 344 अंकों के उछाल के साथ कारोबार करता देखा गया और निफ्टी भी 11,650 का स्तर पार कर गया। हालांकि, मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान मुनाफावसूली के कारण सेंसेक्स 192.00 अंकों की बढ़त के साथ 39,250.20 के स्तर पर और निफ्टी 44.10 अंकों की बढ़त के साथ 11,628.00 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 में शामिल 50 कंपनियों में से 29 बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 21 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी50 के इन शेयरों में आई तेजी: निफ्टी50 में शामिल जिन कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक तेजी दर्ज की गई उनमें टाटा मोटर्स (17.86फीसद), यस बैंक (5.37फीसद), महिंद्रा एंड महिंद्रा (2.04 फीसद), वेदांता (2.04 फीसद) और इन्फोसिस (1.96 फीसद) शामिल रहे। वहीं, भारती इन्फ्राटेल, कोल इंडिया, टाइटन, ग्रासिम और जील में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टोरल सूचकांकों का हाल : सभी सेक्टोरल सूचकांक मुहुर्त ट्रेडिंग में हरे निशान में बंद हुए। सबसे अधिक तेजी निफ्टी ऑटो में दर्ज की गई जो 1.37

फीसद की बढ़त के साथ बंद हुआ।

क्या होता है मुहुर्त ट्रेडिंग : प्रत्येक वर्ष दिवाली के अवसर पर बंबई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एक घंटे का विशेष ट्रेडिंग सेशन आयोजित करते हैं। इसे मुहुर्त ट्रेडिंग कहा जाता है। यह नए संवत की शुरुआत के स्वागत के तौर पर आयोजित किया जाता है। कई कारोबारियों का मानना है कि मुहुर्त ट्रेडिंग सत्र के दौरान कमाया गया मुनाफा आने वाले वर्ष में समृद्धि लेकर आता है।

दिवाली से दिवाली तक सेंसेक्स 11.62 फीसद चढ़ा: दिवाली 2018 से लेकर दिवाली 2019 तक बंबई स्टॉक एक्सचेंज के संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में 11.62 फीसद की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, एनएसई का बेंचमार्क निफ्टी भी पिछले एक साल में 10.01 फीसद की बढ़त दर्ज कर चुका है।

आरबीआइ ने नहीं बेचा कोई सोना मीडिया रिपोर्ट को बताया गलत

जेएनएन, नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है जिसमें कहा गया था कि केंद्रीय बैंक ने 30 साल में पहली बार सोने के भंडार में से सोना बेचा है। आरबीआइ ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि मीडिया में आई ऐसी खबरें झूठी हैं। रिजर्व बैंक ने अपने गोल्ड रिजर्व से कोई सोना नहीं बेचा है। आपको बता दें कि ऐसी खबरें चल रही थीं कि 30 साल में पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने गोल्ड रिजर्व से सोना बेचा है।

रिजर्व बैंक द्वारा सोना बेचने के पीछे रिपोर्ट्स में यह तर्क दिया जा रहा था कि केंद्रीय बैंक ने जालान समिति की सिफारिशों को मानते हुए यह कदम उठाया है। खबरें आई थीं कि आरबीआइ ने जुलाई से 5.1 अरब डॉलर का सोना खरीदा है और कुल मिलाकर लगभग 1.15 अरब डॉलर का सोना बेचा है।

आपको बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक के पास अगस्त के अंत तक 1.987 करोड़ औंस सोना था। जालान समिति की सिफारिशों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक को सोने के मूल्य में होने वाली वृद्धि का लाभ नहीं बल्कि उसके कारोबार से होने वाला लाभ सरकार के साथ साझा करना होगा। आरबीआइ नवंबर 2017 से सोने की थोड़ी-बहुत खरीदारी करता आ रहा है। नवंबर 2017 से अब तक यह लगभग 20 लाख औंस सोना खरीद चुका है।

ब्रिटेन के विपक्षी दलों ने ब्रेक्सिट में 9 दिसंबर को वोट देने का सुझाव दिया

लंदन, एपी :दो ब्रिटिश विपक्षी दल प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की तुलना में पहले चुनाव कराना चाहते हैं क्योंकि उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि देश समझौते के बिना यूरोपीय संघ को नहीं छोड़ेगा।

स्कॉटिश नेशनल पार्टी और लिबरल डेमोक्रेट्स का कहना है कि वे 9 दिसंबर को चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने यह भी योजना बनाई है कि यूरोपीय संघ के नेताओं को जॉनसन की वापसी समझौते पर बहस करने के लिए और अधिक समय प्रदान करने के लिए ब्रेक्सिट की समय सीमा को कम से कम 31 जनवरी तक बढ़ाने के लिए कहा जाए।

जॉनसन का कहना है कि अगर कानूनविद् 12 दिसंबर के चुनाव को मंजूरी देते हैं तो वह संसद के माध्यम से अपने ब्रेक्सिट सौदे को जल्दी से आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

सोने में निवेश बेहतर, कई विकल्प मौजूद

जेएनएन, नई दिल्ली : सोने में निवेश हमारी संस्कृति से जुड़ा हुआ है। भारतीय परिवार आज भी सोने में निवेश को तरजीह देते हैं, खास तौर से महिलाओं की यह पहली पसंद है। सोने ने एक साल में निवेशकों को बेहतरीन रिटर्न दिया है। गोल्ड फंड की बात करें तो इसने एक साल के दौरान 23 फीसद तक का रिटर्न दिया है। दिवाली से पहले आम तौर पर लोग जमकर सोने की खरीदारी करते हैं। धनतेरस का दिन इसके लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। हालांकि, जब आप गोल्ड बार, गोल्ड क्वाइन या आभूषण खरीदते हैं तो इसकी सुरक्षा का मुद्दा भी इससे जुड़ा होता है। आज, गोल्ड में निवेश कर मुनाफा कमाने के कई विकल्प उपलब्ध हैं। इसके लिए आपको न तो किसी दुकान जाने की जरूरत है और न ही यह चिंता करनी है कि सोना शुद्ध होगा या नहीं। लगातार एडवांस्ड होती टेक्नोलॉजी ने शुद्ध सोने

की खरीदारी आसान कर दी है। साथ ही, इसे सुरक्षित रखने का झंझट भी खत्म कर दिया है। घर बैठे आप न सिर्फ प्योर सोना खरीद सकते हैं बल्कि जब चाहें उसकी फिजिकल डिलिवरी भी पा सकते हैं। अगर आप बिना फिजिकल गोल्ड खरीदे ही उसकी कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का फायदा उठाना चाहते हैं तो आपके पास गोल्ड ईटीएफ, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड आदि जैसे विकल्प हैं।

गोल्ड ईटीएफ : यह म्युचुअल फंडों का ही एक प्रोडक्ट है। इसकी ट्रेडिंग स्टॉक एक्सचेंजों पर की जाती है। इसे खरीदने के लिए आपके पास डीमैट खाता होना चाहिए। सेबी रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर जितेंद्र सोलंकी कहते हैं कि लिक्विडिटी यानी तरलता के नजरिये से गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश का एक अच्छा विकल्प है। जब आपको पैसों की जरूरत हो या मुनाफा कमाना चाहते है तो आप इसे कभी भी स्टॉक एक्सचेंजों पर बेच सकते हैं। गोल्ड ईटीएफ की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है।

डिजिटल गोल्ड : अगर आप सोने के सिक्के और गोल्ड बार खरीदना चाहते हैं तो आपको किसी ज्वेलर के यहां जाने की जरूरत भी नहीं है। घर बैठे आप इनकी खरीदारी कर सकते हैं। पेटीएम, फोनपे, गूगल पे, मोबिक्विक जैसे मोबाइल वॉलेट के जरिये आप डिजिटल गोल्ड की खरीदारी आसानी से कर सकते हैं।

सेंसेक्स-निफ्टी के मुकाबले सोने ने दिया दोगुना रिटर्न

जांस,नई दिल्ली : शेयर बाजार के मुकाबले में सोने में निवेश करने वालों को इस बार दोगुना लाभ दिया है। बीएसई प्रमुख इंडेक्स के मुताबिक सेंसेक्स ने 11 तो निफ्टी ने 10 फीसद लाभ अपने शेयर खरीददारों को दिया है।

पिछले साल दिवाली से लेकर अब तक सेंसेक्स के मुकाबले निवेशकों को सोने से दोगुना रिटर्न मिला है। सोने में निवेश करने वालों को पिछली दिवाली से अब तक 21 फीसद का लाभ मिला है। इस साल 24 अक्टूबर को एमसीएक्स पर सोने का दिसंबर वायदा 38,000 रुपये के ऊपर कारोबार कर रहा था। पिछले साल 7 नवंबर को दिवाली का त्योहार था। इस दिन एमसीएक्स पर सोने का भाव 31589 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था.

नए जिलाध्यक्षों से जातीय समीकरण साधेगी भाजपा

सामाजिक संतुलन बनाने के साथ ही युवाओं को देगी महत्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: भाजपा का संगठनात्मक चुनाव चल रहा है। पहली बार बूथ स्तरीय कमेटियों के गठन के बाद भाजपा मंडलों की समिति गठित करने में जुटी है। तीसरे चरण में भाजपा की संगठनात्मक 98 जिला इकाईयों के अध्यक्ष निर्वाचित होने हैं। मंडल और जिलाध्यक्षों के चयन में सामाजिक संतुलन बनाने के साथ ही भाजपा युवाओं को महत्व देगी।

उप चुनाव समाप्त होने के बाद भाजपा का अब पूरा फोकस संगठनात्मक चुनाव पर है। दीपावली और भैयादूज के बाद उप चुनाव वाले जिन क्षेत्रों में मंडल अध्यक्षों का चुनाव नहीं हो सका है, वहां चुनाव होंगे। इसके बाद मंडल समितियों की घोषणा होगी। नवंबर-दिसंबर माह में जिलाध्यक्षों के चुनाव होने हैं। इस बार भाजपा ने 98 संगठनात्मक जिले बनाये हैं। भाजपा की कोशिश यही है कि चयन प्रक्रिया में युवाओं और सभी जातियों को अवसर मिले। प्रदेश में अब 1918 संगठनात्मक मंडल हैं।

प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने संगठनात्मक कसौटी पर खरा साबित होने वाले युवाओं को आगे लाने की रणनीति बनाई है। प्रदेश के एक लाख 63 बूथों में पहली बार चुनाव के जरिये समितियां गठित हुई और इसमें युवाओं को मौका देने के साथ बूथ क्षेत्र में रहने वाली सभी जातियों को प्रतिनिधित्व दिया गया। उप चुनाव की वजह से छह हजार बूथों पर गठन बाकी रह गया है।

इसकी भी प्रक्रिया शुरू होगी। भाजपा ने चुनावी प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए 31 हजार 655 सेक्टर, मंडल, जिला चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी लगाये थे।

नवंबर में चलेगा विहिप का सदस्यता अभियान

राब्यू, लखनऊ : राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने वाला है। इस बीच विहिप ने त्रिशूल दीक्षा जैसे कार्यक्रम स्थगित कर दिए, लेकिन सदस्यता अभियान प्रस्तावित है। सुदूर ग्रामीण अंचलों में अपनी जमीन मजबूत करने के लिए विहिप ने हित चिंतक अभियान चलाने का फैसला किया है। इस अभियान के तहत प्रदेशभर में विहिप के सदस्य बनाये जाएंगे। सिर्फ अवध क्षेत्र के 16 जिलों में ही एक लाख से अधिक नये सदस्य बनाने का लक्ष्य है। विहिप के प्रांत संगठन मंत्री भोलेंद्र सिंह इस अभियान के लिए संबंधित पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय कर चुके हैं।

बदले शेड्यूल पर प्रयागराज से फ्लाइटों की उड़ान

जासं, प्रयागराज: सर्दी का मौसम शुरू होते ही प्रयागराज से दूसरे शहरों को जाने वाली फ्लाइट का समय बदल दिया गया है। उड़ान का यह समय दीपावली के दिन से ही शुरू हो गया। यह शेड्यूल अगले साल मार्च तक लागू रहेगा। नए शेड्यूल की जानकारी यात्रियों को मैसेज के माध्यम से दी गई है। वहीं आगे की बुकिंग नए समय के अनुसार हो रही है।

प्रयागराज से एयर इंडिया की एक फ्लाइट दिल्ली के लिए है। अब वह पांच बजे के निर्धारित समय के बजाय 3:15 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। इसके अलावा इंडिगो की पांच फ्लाइट पांच शहरों के लिए चल रही है। पहली फ्लाइट रायपुर के लिए है। वह पूर्व निर्धारित समय से 20 मिनट पहले जाएगी। इसके बाद दोपहर 12:50 बजे दिल्ली जाने वाली फ्लाइट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मुंबई जाने वाली फ्लाइट 20 मिनट पहले 1:40 बजे रवाना होगी। इसके तुरंत बाद कोलकाता जाने वाली फ्लाइट पांच मिनट पहले 2:05 बजे जाएगी। शाम

को बेंगलुरु जाने वाली फ्लाइट भी अब 4:25 बजे उड़ान भरेगी। दीपावली का त्योहार मनाने के लिए मंगलवार से लौटने वालों की भीड़ बढ़ जाएगी। इसका असर फ्लाइट पर दिखने लगा है। फ्लाइट का किराया 29 और 30 को सामान्य दिनों से दोगुना है।

इस दौरान दिल्ली, मुंबई और कोलकाता का किराया दस हजार से अधिक पहुंच गया है। फ्लाइट में फ्लैक्सी फेयर लागू होता है। इसमें हर बार दस फीसद सीट बुक होने पर दस फीसद किराया बढ़ जाता है। जिस तेजी से बुकिंग होती है, उस तेजी से किराया भी बढ़ता जाता है। दीपावली पर लौटने के लिए जिन लोगों ने पहले टिकट करा लिया है, उन्हें सस्ते में सीट मिल गई।

छेड़खानी के विरोध पर महिला को जलाया, हालत गंभीर

जासं, देवरिया: छेड़खानी का विरोध करने पर एक महिला को मिट्टी का तेल डालकर जला दिया गया। घटना 21 अक्टूबर को सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई। पुलिस ने रविवार को मामले में मुकदमा दर्ज किया। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है और वह पीजीआइ लखनऊ में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर आरोपित को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

तरकुलवा थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की शादी सदर कोतवाली के एक गांव में की है। महिला के पिता का आरोप है कि उनकी शादीशुदा बेटी पर पड़ोस में रह रहा गौसुल नामक व्यक्ति गंदी नजर रखता है। बीते 21 अक्टूबर को वह बेटी के साथ छेड़खानी करने लगा। बेटी ने विरोध किया तो पास में रखा मिट्टी का तेल गिराकर उसके शरीर में आग लगा दी। इस मामले में पुलिस ने पिता की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ जलाने, छेड़खानी करने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

गर्ल फ्रेंड के घर के पास फुटबॉलर की हत्या

जासं, प्रयागराज : कैंट के सदर बाजार में गर्ल फ्रेंड से मिलने गए फुटबॉलर गौरव उर्फ राज (18) की ईंट से सिर फोड़कर हत्या कर दी गई। रात में ही केस लिखकर पुलिस ने गर्लफ्रेंड के पिता को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि उसे लड़की से फोन कराकर बुलाने के बाद मारा गया है। पोस्टमार्टम के बाद शाम को पुलिस की मौजूदगी में शव की अंत्येष्टि की गई।

सिविल लाइंस में साईं मंदिर के सामने ड्रमंड रोड पर रहने वाले जगदीश प्रसाद आयकर विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। उनके दो पुत्रों में गौरव उर्फ राज बड़ा था जबकि सौरभ छोटा है। तीन बहनें हैं। इसमें प्रियंका का ब्याह हो चुका है। दो बहनें शिवानी और प्रिया अभी घर पर हैं। राज ने कक्षा आठ के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। वह फुटबाल खेलने में समय बिताता था। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेता था। पिता जगदीश ने बताया कि छोटी दीपावली यानी शनिवार की रात साढ़े नौ बजे घर से निकलने से पहले उसने दो सौ रुपये मांगे। मां रीतू से पैसे लेकर वह स्कूटी पर निकल गया। घंटे भर बाद सदर बाजार के एक व्यक्ति से घर में खबर मिली कि राज पर उसकी गर्लफ्रेंड साहिबा के मकान के पास ईंट से वार किया गया है। वह सड़क पर पड़ा है। मां रीतू और बहन शिवानी सदर बाजार पहुंची तो राज खून से लथपथ पड़ा था। उसके सिर पर गहरे जख्म थे। पुलिस भी आ गई। राज को स्थानीय आशा हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां से एसआरएन भेज दिया गया जहां उसकी सांस थम गई। थाना प्रभारी कैंट ने बताया कि मां रीतू ने राज की गर्लफ्रेंड साहिबा के पिता और चाचा समेत चार लोगों के खिलाफ हत्या की तहरीर दी। पुलिस ने उसके पिता नीलेश नाथ को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी तीन फरार हैं। मां का आरोप है कि लड़की से राज को फोन कराकर बुलाने के बाद मारा गया है। दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद गमगीन परिजन शव पोस्टमार्टम की खातिर ले गए।

कृषि जगत — प्रयागराज के बहरिया स्थित मंसूरपुर गांव निवासी किसान रवि प्रकाश मौर्य ने तैयार की फसल

शुगर से लड़ेगा संगम तीरे का मणिपुरी 'चखाओ'

गुरुदीप त्रिपाठी • प्रयागराज

शुगर और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से लड़ने की ताकत प्रयागराज भी देगा। इसके लिए जैविक तरीके से मणिपुर के 'चखाओ' प्रजाति का 'काला धान' उगाया जा रहा है। प्रयागराज के बहरिया स्थित मंसूरपुर गांव के प्रगतिशील किसान रवि प्रकाश मौर्य ने इसकी खेती शुरू की है। रवि प्रकाश बताते हैं कि वह छत्तीसगढ़ के बस्तर स्थित कोंडा गांव के डॉ. राजाराम त्रिपाठी के बारे में अक्सर पढ़ते थे, जो कि छत्तीसगढ़ में इसकी व्यापक स्तर पर खेती कर रहे हैं।

मूलरूप से प्रतापगढ़ के रहने वाले कृषि विशेषज्ञ डॉ. राजाराम को जैविक खेती में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'अर्थ हीरो' और 'राष्ट्रीय कृषि रत्न' पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा चुका है। उनसे प्रभावित होकर रवि ने उनसे संपर्क किया और मणिपुर के काला चावल की विशेषता जानी। पता चला कि इस चावल से न सिर्फ शुगर और कैंसर नियंत्रित होगा, बल्कि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता से युक्त भी है, क्योंकि यह एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। इससे किसानों की आय

प्रयागराज : मणिपुर के चखाओ प्रजाति का काला धान • जागरण

भी चार गुना बढ़ेगी। अब रवि ने बिना रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से अपने गांव के खेत में इसका उत्पादन किया है। बाजार में इसकी कीमत 500 रुपये किलो तक है। यह 140 दिन में तैयार हो जाता है।

अन्य किसानों को भी देंगे टिप्स: कुल आठ किलो बीज से 15 बिस्वा में इसकी खेती शुरू करने वाले रवि ने बताया कि जैविक खेती पर उनका पूरा जोर है। उन्होंने यह बीज श्रावस्ती के अभिषेक सिंह के जरिए मंगवाया। वह इसका बीज उसी किसान को देंगे जो यह शपथ लेगा कि वह अपने खेत में कभी कीटनाशक का इस्तेमाल नहीं करेगा। वह किसानों को जैविक खाद घर पर तैयार करने के

प्रयागराज : बहरिया में तैयार किया गया मणिपुर के चखाओ प्रजाति का धान •

- जैविक तरीके से तैयार किए गए धान की रोपाई का टिप्स लेने पहुंच रहे गांव के किसान

भी टिप्स देंगे।

सामान्य धान से बड़े हैं पौधे: इस धान के पौधे सामान्य धान से काफी बड़े और मजबूत हैं। रवि के यहां उगाए गए इस धान में फिलहाल किसी रोग का प्रभाव नहीं दिखा है। यह पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर राज्य की एक विरली प्रजाति 'चखाओ' है। इसे 'चक-हाओ' भी कहते हैं।

खेत में खून से लथपथ मिला गायब मासूम बलि की आशंका

जासं, फतेहपुर: बिंदकी बाबूपुर गांव से शनिवार को गायब मासूम दूसरे दिन बाजरे के खेत में खून से लथपथ अवस्था में मिला। परिजनों ने शक जताया है कि तंत्र सिद्धि के लिए किसी तांत्रिक ने बेटे को अगवा कर बलि चढ़ाने की कोशिश की है। उसे गंभीर हालत में सीएचसी भर्ती कराया गया। यहां से कानपुर स्थित हैलट अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

बाबूपुर निवासी राजेश पासवान का तीन वर्षीय पुत्र सूर्या शनिवार को घर के बाहर खेलते वक्त गायब हो गया था। स्वजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने गांव को घेरकर घर-घर तलाशी शुरू की। देर रात होने पर सर्च अभियान रोक दिया गया। हालांकि पुलिस रातभर डेरा जमाए रही।

रविवार सुबह खून से लथपथ हालत में मासूम खेत में पड़ा मिला। उसे तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया गया। गंभीर स्थिति देखते हुए उसे कानपुर रेफर किया गया। हैलट अस्पताल में उसकी मौत हो गई। राजेश पासवान ने बताया कि किसी तांत्रिक ने तंत्र विद्या सिद्ध करने के लिए मासूम की बलि देने की कोशिश की है।

मैं ऐतिहासिक गोवर्धन नाथ जू मेला हूं...

अभिषेक द्विवेदी • महोबा

मैं ऐतिहासिक गोवर्धन नाथ जू मेला हूं। चरखारी रियासत के राजा सर मलखान सिंह जूदेव ने वर्ष 1883 में मेरी शुरुआत कराई थी। एक माह तक चलने वाले मेले में कार्तिक स्नान करने वाली कत्कारियों व मौनियों की भीड़ उमड़ती है। हमारे आंगन में स्थापित 108 कृष्ण मंदिरों में आस्था का सैलाब देखकर जुबां से बरबस ही निकल पड़ता है-इतै भीर भई भारी वृंदावन हुई चरखारी।

प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री गोविंद वल्लभ भाई पंत ने चरखारी की प्राकृतिक सौंदर्यता देखकर इसे बुंदेलखंड के कश्मीर की संज्ञा दी थी। तब से मैं आस लगाए बैठा हूं कि मुझे राजकीय मेला का दर्जा मिले, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 4 जून 2016 को तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव यहां आए थे और मुझे राजकीय मेला का दर्जा दिलाने की बात कही थी। शायद, वह भूल गए। मेरी धरा पर वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी कदम पड़े और मेला का उद्घाटन किया, मगर मेरी मांग को उन्होंने भी अनसुना कर दिया। इस बार फिर मेरे आंगन में धार्मिक महत्व के मेले का आगाज सोमवार से होने जा रहा है जो कि 28 नवंबर तक चलेगा।

अब्दुल वहीद उर्फ कल्लू ने कहा कि गोवर्धन मेला बुंदेलखंड का सबसे बड़ा मेला है। दो मुख्यमंत्री भी यहां आ चुके हैं, लेकिन राजकीय मेला का दर्जा दिलाने का वादा धरातल में नहीं उतरा।

जागरण विशेष

- बुंदेली कश्मीर चरखारी में गोवर्धन नाथ जू मेला का आगाज आज से
- इस बार होगा 137वां आयोजन 28 नवंबर को होगा समापन

क्या कहते हैं जनप्रतिनिधि

मूलचंद्र अनुरागी, पालिकाध्यक्ष ने कहा कि जिला योजना समिति की बैठक में जिला प्रभारी मंत्री देवेश कोरी के माध्यम से राजकीय मेला घोषित कराने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। संभावना है कि जल्द ही प्रस्ताव पर सहमति बन जाएगी।

मस्जिद और मदरसों की आड़ में पनप रहा आतंकवाद : प्राची

जासं, बागपत : बडौत नगर में रविवार को साध्वी प्राची ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि जो बात अमेरिका के अंदर बैठकर ट्रंप कह रहे हैं कि इस्लामिक आतंकवाद पूरे विश्व के लिए खतरा बन चुका है। ये बात सच है, मैं इस बात का पूरी तरह समर्थन करती हूं।

इस्लामिक आतंकवाद पूरी मानवता के लिए खतरा है। खासकर भारत के अंदर आतंकवाद पैर पसार रहा है। उत्तर प्रदेश में जितने भी मदरसे और मस्जिदे हैं इनकी जांच होनी चाहिए। इस्लामिक स्टेट बनाने के लिए जो जिहाद चला रहे है यह रुक सकता है, लेकिन सरकार को कठोर से कठोर कदम उठाना पड़ेगा।

साध्वी प्राची ने कहा कि पहले जो फतवे जारी करते थे वह अपने समाज और धर्म तक सीमित होते थे अब इन्हें समाज और धर्म की चिंता नहीं है । अब ये फतवे हिंदू धर्म के लिए जारी हो रहे हैं। कमलेश तिवारी की गर्दन काटने के फतवे के तार केवल बिजनौर या लखनऊ से नहीं बल्कि आला हजरत परिवार के साथ भी जुड़े हैं। बरेली के अंदर उसकी भी जांच होनी चाहिए, ये बहुत बड़ी साजिश है।

एक नजर में

शिखर धवन का बेमिसाल रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली: अबू धाबी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफायर में आयरलैंड और जर्सी के बीच खेले गए मैच में टी-20 क्रिकेट का एक बेहतरीन रिकॉर्ड टूटा जो पहले भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के नाम पर था। धवन ने 2018 में टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 689 रन बनाए थे। इस रिकॉर्ड को आयरलैंड के केविन ओ ब्रायन ने तोड़ा। जर्सी के खिलाफ खेलते हुए केविन ने सिर्फ 11 रन की पारी खेली लेकिन वो एक कैलेंडर वर्ष में 690 रन बना कर धवन से आगे निकल गए। ओ ब्रायन की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई और आयरलैंड के ओपनर बल्लेबाज पॉल स्टरलिंग ने इसी मैच में 58 रन की पारी खेली और टी-20 क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में 694 रन बनाने वाले बन गए। (जेएनएन)

डुप्लेसिस बोले, टेस्ट में टॉस बंद किया जाए

जोहानिसबर्ग: भारत के खिलाफ शृंखला में लगातार तीनों टॉस हारे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फॉफ डुप्लेसिस इतने परेशान हो गए कि उन्होंने सुझाव दे डाला है कि पांच दिनी प्रारूप में टॉस खत्म ही कर दिया जाना चाहिए। भारत ने टेस्ट शृंखला में दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से हराया। डुप्लेसिस ने स्वीकार किया कि उनकी टीम में मानसिक दृढ़ता की कमी थी। उन्होंने कहा कि तीनों मैच में टॉस हारने से मुश्किल दिख रहा काम नामुमकिन हो गया। उन्होंने कहा कि हर टेस्ट में उन्होंने पहले बल्लेबाजी की और 500 रन बना डाले। अंधेरा होने के समय उन्होंने पारी घोषित की और तीन विकेट ले डाले। ऐसे में तीसरे दिन आप पर दबाव रहता है। हर टेस्ट मानो 'कॉपी और पेस्ट' हो गया था। (प्रेट्र)

टीम इंडिया के जज्बे से सीखें दूसरी टीमें: चैपल

नयी दिल्ली: ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के भारत के जज्बे से दूसरी महत्वाकांक्षी टीमों को सीखना चाहिए ताकि टेस्ट प्रारूप सुरक्षित रहे। हाल ही में टेस्ट शृंखला में दक्षिण अफ्रीका की 3-0 से हार के बाद आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान चैपल ने भारत, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के अलावा बाकी टेस्ट देशों के प्रदर्शन में आई गिरावट पर चिंता जताई। चैपल ने क्रिकइन्फो में कालम में लिखा कि टेस्ट के भविष्य को बचाना है तो खेल का स्तर ऊंचा रखना होगा। भारत में प्रतिभाओं का विशाल पूल और आईपीएल होने से काफी फायदा है। दूसरी टीमें भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का जज्बा भारत से सीख सकती है। (प्रेट्र)

कुछ ऐसी होगी भारत की ऑलटाइम इलेवन टीम

जेएनएन, कानपुर: क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में हमेशा ही टेस्ट क्रिकेट को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाता है और दो बार की वर्ल्ड कप विजेता टीम भारत का प्रदर्शन भी क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में काफी अच्छा रहा है। भारतीय टीम इस समय टेस्ट क्रिकेट की टीम रैंकिंग में पहले स्थान पर है। टेस्ट क्रिकेट के सालों पुराने इतिहास में भारतीय टीम के खिलाड़ियों का बोलबाला इस फॉर्मेट में रहा है। इसी सिलसिले में हम भारत की ऑलटाइम टेस्ट टीम पर नजर डालेंगे।

● सलामी बल्लेबाज (सुनील गावस्कर और वीरेंद्र सहवाग)

भारतीय टीम के इतिहास में सुनील गावस्कर जैसा खिलाड़ी मिलना काफी मुश्किल है। गावस्कर ने अपने टेस्ट करियर में 125 मुकाबले खेले जिसमें 51.12 की औसत से 10,122 रन बनाए। इसमें 34 शतक भी शामिल हैं। एक छोर पर जब गावस्कर हों तो दूसरे छोर पर वीरेंद्र सहवाग जैसा बल्लेबाज होना चाहिए जोकि अपने आक्रामक अंदाज से पूरे मैच का रुख बदल सकता है। सहवाग ने अपने टेस्ट करियर में 104 मुकाबलों में 49.34 की औसत से 8586 रन बनाए। इसमें 23 शतक भी शामिल हैं।

● मिडिल ऑर्डर (राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण)

भारतीय टीम की बल्लेबाजी का सबसे सुनहरा दौर था जब मध्यक्रम में राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण जैसे दिग्गज बल्लेबाज थे।

द्रविड़ ने अपने टेस्ट करियर में 164 टेस्ट मुकाबलों में 52.31 की औसत से 13288 रन बनाए, जिसमें 36 शतक शामिल हैं।

सचिन तेंदुलकर का नाम विश्व की किसी भी इलेवन में आएगा ही। सचिन ने 200 टेस्ट में 51 शतक और 53.79 की औसत से 15921 रन बनाए।

संकटमोचन वीवीएस लक्ष्मण ने 134 मुकाबलों में 45.5 की औसत से 8781 रन बनाए, जिसमें 17 शतक शामिल हैं।

● नंबर 6 और विकेटकीपर विराट कोहली और महेंद्र सिंह धौनी (कप्तान एवं विकेटकीपर)

विराट कोहली मौजूदा दौर के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं कोहली ने 82 टेस्ट मुकाबलों में 54.78 की औसत से 7066 रन बनाए हैं।

महेंद्र सिंह धौनी के बिना यह टीम अधूरी है। धौनी ने टेस्ट कॅरियर में 90 मैच खेले, जिसमें 38.09 की औसत और 6 शतक की बदौलत 4876 रन बनाए। धौनी ने कीपिंग करते हुए 294 शिकार भी किए हैं। इसमें 256 कैच और 38 स्टंपिंग शामिल हैं। धोनी इस टीम के कप्तान भी होंगे।

गेंदबाजी की जिम्मेदारी इन मजबूत कंधों पर

(अनिल कुंबले और हरभजन सिंह)

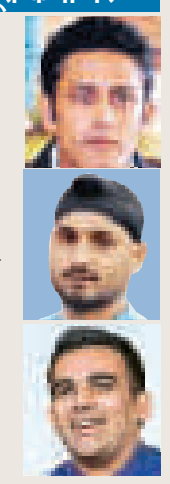

भारतीय टीम के दो दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले और हरभजन ने भारत को साथ मिलकर और अकेले अपने दम पर कई मैच जिताए हैं। दोनों के रिकॉर्ड भी काफी शानदार हैं। कुंबले ने 132 टेस्ट मैचों में 29.65 की औसत से 619 विकेट लिए। इस बीच उनका एक पारी मे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 74/10 है। बल्ले के साथ कुंबले ने 1 शतक की बदौलत 2506 रन बनाए। हरभजन सिंह ने अपने टेस्ट करियर में 103 मैच खेले हैं, जिसमें 32.46 की औसत से 417 विकेट लिए हैं। उनका एक पारी मे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84/8 है। बल्ले के साथ हरभजन ने 2 शतक की बदौलत 2225 रन बनाए।

(कपिल देव और जहीर खान)

भारत को 1983 विश्व कप जिताने वाले कपिल देव का प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में शानदार रहा है। कपिल देव ने 131 टेस्ट मैचों में 29.65 की औसत से 434 विकेट लिए। एक पारी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83/9 है। बल्ले के साथ कपिल ने 8 शतक की बदौलत 5248 रन भी बनाए। जहीर खान भारत के ही नहीं बल्कि विश्व के सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों में से एक हैं। जहीर ने 92 टेस्ट मैचों में 32.95 की औसत से 311 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87/7 है।

दिवाली पर डेविड वार्नर ने किया डबल धमाका

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को 134 रन से हरा रचा टी-20 में जीत का इतिहास

नई दिल्ली, जेएनएन: ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने रविवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टी-20 मुकाबले में रिकॉर्ड जीत हासिल की है। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अपने जन्मदिन के दिन फैंस के लिए डबल धमाका किया। उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में अपना पहला शतक जमाया और टीम को सबसे बड़ी जीत भी दिलाई।

पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने डेविड वार्नर के तूफानी शतक के दम पर दो विकेट पर 233 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका निर्धारित 20 ओवरों में मेजबान की शानदार गेंदबाजी के आगे 9 विकेट पर 99 रन ही बना पाई। ऑस्ट्रेलिया ने 134 रन से मुकाबला अपने नाम किया। यह टी-20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया की रन के लिहाज से अब तक की सबसे बड़ी जीत है।

वार्नर का पहला टी-20 शतक, फिंच-मैक्सवेल का अर्धशतक: डेविड वार्नर ने टी-20 क्रिकेट में अपना पहला शतक जमाया। महज 56 गेंद पर वार्नर ने 10 चौके और 4 छक्के की मदद से नाबाद शतकीय पारी खेली। इस शतक को जमाने के साथ ही वार्नर ने अपने जन्मदिन को यादगार बना लिया। 70 टी-20 मुकाबले खेलने वाले वार्नर ने इससे पहले अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर श्रीलंका के खिलाफ ही बनाया था। वार्नर ने 2013 में श्रीलंका के खिलाफ सिडनी में 90 रन की नाबाद पारी खेली थी। वार्नर के अलावा कप्तान एरोन फिंच और ग्लेन मैक्सवेल ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। फिंच ने 36 गेंद 64 रन की पारी खेली जबकि मैक्सवेल ने सिर्फ 28 गेंद पर 62 रन बनाए।

एडिलेड ओवल में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में अपनी शतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर, उन्होंने 56 गेंदों पर नाबाद 100 रनों की पारी खेली ● एपी

आखिरी ओवर में पूरा किया शतक: 19वें ओवर में वार्नर ने 92 रन बनाए थे और शतक पूरा करने के लिए उनको 8 रन की जरूरत थी। आखिरी ओवर करने आए शनाका की पहली गेंद वाइड रही इसके बाद दूसरी गेंद पर वार्नर ने शानदार चौका लगाया। तीसरी गेंद पर 1 रन लेकर उन्होंने स्कोर 97 तक पहुंचाया। इसके बाद पांचवीं गेंद पर वार्नर ने दो रन बनाए और ओवर की आखिरी गेंद पर 1 रन लेकर टी-20 करियर का पहला शतक जमाया।

एडम जाम्पा ने की लाजवाब गेंदबाजी

ऑस्ट्रेलियाई के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका की टीम को महज 99 रन पर रोक दिया। टीम के स्पिनर एडम जाम्पा ने 4 ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क ने दो-दो विकेट चटकाए। स्टार्क ने 4 ओवर में 18 रन दिए जबकि कमिंस ने 27 रन खर्च किए।

ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी टी-20 जीत

श्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी-20 में 134 रन से हराया। यह ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की टी-20 क्रिकेट में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी टी20 जीत जिम्बाब्वे के खिलाफ आई थी 2018 में टीम ने 100 से जीत हासिल की थी।

हर कस्बे-शहर में गर्ल्स लीग कराएगी सरकार

- अंडर-17 फुटबॉल वर्ल्डकप भारत में, गर्ल्स लीग में 40 मैच का लक्ष्य, अंडर-17 से शुरुआत
- साइ के मुताबिक लीग के मुकाबले छुट्टी के दिन होंगे, बेटियों की पढ़ाई में नहीं होगा नुकसान

जेएनएन, कानपुर: भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) देशभर में पहली बार लड़कियों को फुटबॉल खिलाने का अभियान शुरू कर रहा है। अब कस्बों और शहरों में बेटियां फुटबॉल खेलेंगी।

प्राधिकरण यह काम अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के साथ मिलकर करेगा। यह सारी कवायद अगले साल नवंबर में देश में ही होने वाले लड़कियों के अंडर-17 फुटबॉल वर्ल्ड कप को देखते हुए की जा रही है। दरअसल, साइ खेलो इंडिया गर्ल्स लीग शुरू कर रहा है। इसमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बॉक्सिंग समेत 10 से 12 खेलों को शामिल किया गया है। यानी, सिर्फ लड़कियों के लिए इन खेलों की लीग शुरू की जाएंगी।

फुटबॉल लीग सबसे पहले: सबसे पहले फुटबॉल की लीग शुरू होगी। इसमें अंडर-17 से शुरुआत होगी। इसके बाद अंडर-10, अंडर-15 को भी शामिल किया जाएगा. एक लीग में 16 टीमें खेलेंगी. हर जगह साल में करीब 30 से 40 मैच कराने का लक्ष्य रखा गया है। हर शहर में कम से कम 16 टीमें तैयार की जाएंगी और फिर इनके बीच मुकाबले होंगे। इसके बाद शुरू होगा नेशनल टीम बनने का सफर। गर्ल्स लीग शुरू करने का मकसद यह है कि लड़कियों को हर तरह के खेलों से जोड़ा जाए, जिससे वे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर देश का नाम रोशन कर सकें।

सिंधु ने कहा- इस तरह की लीग समय की जरूरत है : बैडमिंटन की वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु ने कहा कि खेलो इंडिया गर्ल्स फुटबॉल लीग कराया जाना समय की जरूरत है। सभी उम्र की लड़कियों को हर तरह के खेलों में भाग लेना चाहिए, जिससे देश खुशहाल और स्वस्थ रहे।

साइ देगा ट्रेनिंग, तकनीकी और आर्थिक मदद मिलेगी

लीग के आयोजन के लिए साइ तकनीकी और आर्थिक रूप से मदद करेगा। साथ ही खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देगा। किसी टीम का अपना मैदान होगा, तो साई वहां सुविधाएं मुहैया कराएगा। टीमें स्थानीय स्तर पर प्रायोजक शामिल कर सकती हैं।

छुट्टी के दिन मुकाबले पढ़ाई में नुकसान नहीं

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के मुताबिक इस लीग से बेटियों की पढ़ाई का कोई भी नुकसान नहीं होगा। लीग के मुकाबले शनिवार और रविवार को होंगे। साथ ही अगर इन दिनों के अलावा बीच में छुट्टियां पड़ती हैं, तो उनमें भी मुकाबले कराए जा सकते हैं।

यूपी अंडर-23 टीम में दिखेगा त्रिशाल की फिरकी का जादू

जागरण संवाददाता, कानपुर: चाइनामैन कुलदीप यादव के बाद अब कानपुर के त्रिशाल अपनी फिरकी का लोहा मनवा रहे हैं। काकादेव निवासी विजय कुमार त्रिवेदी के पुत्र त्रिशाल का चयन प्रदेश की अंडर-23 टीम में हुआ। वह इससे पहले कर्नल सीके नायडू के छह मुकाबलों में 30 विकेट हासिल कर अपनी गेंदबाजी का जादू दिखा चुके है।

कामयाबी

- कमला क्लब से शुरू किया क्रिकेट का सफर
- कर्नल सीके नायडू में पांच मैच में झटक चुके 30 से ज्यादा विकेट

गेंदबाज त्रिशाल ●

प्रतियोगिता में उसने गुजरात के खिलाफ पहली पारी में तीन व दूसरी पारी में चार विकेट चटकाए। सौराष्ट्र के खिलाफ छह व आंध्र के खिलाफ पांच विकेट लेकर बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। त्रिशाल ने बताया कि वर्ष 2009 में कमला क्लब से क्रिकेट खेलना शुरू किया। कोच शशिकांत खांडेकर ने स्पिन गेंदबाजी के जो गुर सिखाए, वो सफलता के साथी बने। कमला क्लब से जूनियर क्रिकेट में प्रवेश किया। बेहतर गेंदबाजी के दम पर मैच दर मैच सफलता मिलती रहीं।

वह अपनी सफलता का श्रेय कोच शशिकांत खांडेकर को दिया। बताया कि कोच ने हमेशा हर परिस्थितियों में मेरा मार्गदर्शन कर बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। भविष्य में त्रिशाल मां रेखा त्रिवेदी के भारतीय टीम में खेलने के सपने को पूरा करना चाहते है। इसके लिए वे लगातार कड़ा अभ्यास कर रहे है। त्रिशाल ने कहा कि अंडर-23 में बेहतर गेंदबाजी कर यूपी को खिताब दिलाने की कोशिश करूंगा।

फटाफट क्रिकेट में धमाल मचायेगा शिवम दुबे का मास्टर स्ट्रोक

जागरण संवाददाता, भदोही: भदोही के शिवम दुबे का मास्टर स्ट्रोक आखिर काम कर गया। वह हार्दिक पांड्या की जगह बतौर आलराउंडर इंडियन जर्सी में बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज में मैदान पर उतरने को उत्साहित है। गौरलतब है कि शिवम ने दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ से पुल शॉट समेत कई शॉट सीखे हैं और वह बहुत जल्द बांग्लादेश के खिलाफ अपने जौहर दिखाएंगे।

शिवम के चाचा पूर्व सांसद रमेश दुबे की मानें तो शिवम बचपन से ही शानदार खिलाड़ी है। उसके पिता ने उसे काबिल बनाया है। शिवम के चयन पर गांव के मनोज दुबे, विजय दुबे और आशीष दुबे उत्साहित हैं। उन्हें बहुत खुशी हुई है। भले ही वह बचपन से मुंबई में पढ़ा-लिखा और बड़ा हुआ है, लेकिन वह कालीन नगरी को भूल नहीं पाया।

वहीं शिवम के वाराणसी के जंसा क्षेत्र स्थित ननिहाल में जब खबर पहुंची तो

ऑलराउडर शिवम दुबे ● आर्काइव

उसके नाना से मिलने वालों का तांता लग गया। नाना ने लोगों को मिठाइयां बांटी।

बेटे के जुनून में पिता को गंवानी पड़ी फैक्ट्री: गरीबी में पलकर शोहरत की उंचाइयां हासिल करने की कहानियां तो प्रेरणा देती ही हैं पर शिवम के क्रिकेटर बनने की कहानी कुछ अलग है। उसकी परवरिश संपन्न परिवार में हुई, पर उसे क्रिकेटर बनाने में लगे पिता के जुनून के चलते उन्हें अपनी फैक्ट्री गंवानी पड़ी। इसके बाद मुफलिसी के दौर में भी शिवम के पिता ने हार नहीं मानी। आखिरकार पांच छक्के लगाने के बाद आइपीएल में पांच करोड़ी खिलाड़ी बने शिवम ने पिता के सपनों को पंख दे ही दिया।

प्रारंभिक कोच पिता: शिवम के पिता राजेश दुबे सात वर्ष की उम्र में उसे क्रिकेटर बनाने के लिए मुंबई लेकर आए। अंधेरी स्थित दुबे बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स में पिच बनाकर अभ्यास करना शुरू किया। उम्र बढ़ने के बाद शिवम प्रारंभिक कोच के रूप में पिता से क्रिकेट सीखने लगा। शिवम के पिता मुंबई के पूर्व कोच चंद्रकांत पंडित के मार्ग निर्देशन में शिवम का अभ्यास कराते रहे।

दिखाएंगे जौहर

- अच्छे स्ट्रोक के कारण शिवम आए चयनकर्ताओं की नजरों में
- बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 के लिए टीम इंडिया में हुआ चयन

जीत की खुशी...

हुआई एलीट ट्रॉफी टेनिस टूर्नामेंट में महिला सिंगल्स का खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ बेलारूस की अर्यना सबालेंका (बाएं)। सबालेंका ने फाइनल में नीदरलैंड की किकी बर्टेंस (दाएं) को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से शिकस्त देकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली ● एएफपी

कवायद अगले सत्र तक प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए चार पिचें बनाने की योजना, दो मुख्य पिच और दो अभ्यास पिचें तैयार की जाएगी

ग्रीनपार्क स्टेडियम में जल्द ही बनेगी लाल मिट्टी से पिचें

जासं, कानपुर: अंतरराष्ट्रीय स्टेडियमों में शुमार ग्रीनपार्क स्टेडियम वर्तमान में भले ही मैचों के लिए तरस रहा हो। परंतु अपनी बेहतर पिच के कारण यह मैदान हमेशा देश के साथ विदेशी खिलाड़ियों की पंसद रहा है। काली मिट्टी की पिच के इस मैदान में अब जल्द ही लाल मिट्टी की पिचें भी देखने को मिलेंगी।

अगले सत्र तक प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए ग्रीनपार्क स्टेडियम में लाल मिट्टी की चार पिचें बनाए जाने की योजना हैं। जिसमें से दो मुख्य पिच और दो अभ्यास पिचें होगी। यूपीसीए को ग्रीनपार्क स्टेडियम में लाल मिट्टी की पिच लगाने का प्रस्ताव बीसीसीआइ के कंसल्टेंट क्यूरेटर शिव कुमार ने दिया था। ताकि यूपी के खिलाड़ियों को अन्य राज्यों जैसी पिच शहर में उपलब्ध कराकर उनके प्रदर्शन को निखारा जा सके। यूपीसीए के आला अधिकारी बीसीसीआइ के कंसल्टेंट क्यूरेटर के प्रस्ताव पर विचार कर जल्द ही ग्रीनपार्क स्टेडियम को लाल मिट्टी की पिच की सौगात देंगे।

कानपुर स्थित ग्रीनपार्क स्टेडियम का एक नजारा ● जागरण

लाल मिट्टी की पिच की खूबियां: आमतौर पर महाराष्ट्र के मैदानों में लाल मिट्टी की पिच देखने को मिलती है। इस पिच पर हमेशा थोड़ी सी घास रहती, जो गेंदबाजों के साथ बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित होती है। लाल मिट्टी की पिच का क्ले कंटेंट ज्यादा होता। इस पिच में दरार पड़ने की संभावना कम होती। जिसके कारण लाल मिट्टी की पिच मुख्य तौर पर स्पिन गेंदबाजों की मददगार होती है। देश में वनडे व टी-20 के ज्यादातर मुकाबले लाल मिट्टी की पिच पर होते है। क्योंकि ये पिच गेंदबाजों को बाउंस देती है

गेंदबाजों के साथ बल्लेबाजों को मिलेगा फायदा: ग्रीनपार्क में काली के साथ लाल मिट्टी की पिच होने से यूपी के तेज और स्पिन गेंदबाजों के साथ बल्लेबाज अपने प्रदर्शन को निखार सकते है। आमतौर पर रणजी मुकाबलों के दौरान यूपी के खिलाड़ियों को काली मिट्टी पर खेलना पड़ता है। दूसरे प्रदेशों में बनी लाल मिट्टी की पिच पर यूपी के खिलाड़ी विफल हो जाते हैं क्योंकि इन खिलाड़ियों को काली पिचों पर खेलने की आदत होती है। ग्रीनपार्क में लाल पिचें बन जाने के बाद प्रदेश के क्रिकेटरों को पहचान मिलेंगी।

मिलेगें अंतरराष्ट्रीय मैच!

ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय मुकाबले लाल मिट्टी की पिचों पर होते हैं। ग्रीनपार्क में लाल मिट्टी की पिच बन जाने से अंतरराष्ट्रीय मुकाबले मिलने की उम्मीद होगी। लाल मिट्टी की पिच पर वनडे और टी-20 मुकाबले खेले जाते है।

विभिन्न पिचों की खूबियां

देश में लाल, पीली व काली मिट्टी की पिचें बनाई जाती हैं। खिलाड़ियों के लिए काली मिट्टी की सबसे अधिक उपयोगी होती है। जो गेंदबाजों के साथ बल्लेबाजों को मदद करती है। वही लाल और पीली मिट्टी की पिचें स्पिनर गेंदबाजों के लिए मददगार होती है। पीली मिट्टी की पिच पर काली से बड़ी दरारें नहीं होती, इसलिए पीली मिट्टी की पिच सबसे अधिक उपयोगी होती है।

लखनऊ में छह को भिड़ेंगे वेस्टइंडीज-अफगानिस्तान

जासं, कानपुर: लखनऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम (इकाना) में छह नवंबर को वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान की टीम के बीच पहला वनडे मुकाबला खेला जाएगा। यह पहला मौका होगा जब अफगानिस्तान की टीम इकाना जो कि उसका घरेलू मैदान है उसमें मेजबानी करेंगी। इस दौरे में वेस्टइंडीज की टीम को तीन वनडे, तीन टी-20 और एक टेस्ट मैच खेलेंगी। सीरीज में अफगानिस्तान व वेस्टइंडीज के बीच पहला वनडे छह नवंबर को, दूसरा नौ नवंबर को, तीसरा 11 नवंबर को खेला जाएगा। वही पहला टी-20 मुकाबला 14 को दूसरा 16 व तीसरा 17 नवंबर को होगा। सीरीज का एकमात्र टेस्ट मुकाबला 27 नवंबर को खेला जाएगा। 31 अक्टूबर को वेस्टइंडीज की टीम लखनऊ पहुंचेगी।

मैच देखने के लिए शहर से जाएंगे क्रिकेट प्रेमी: शहर के एकमात्र स्टेडियम ग्रीनपार्क में मैच न होने के कारण क्रिकेट प्रेमियों में निराशा जरूर है। परंतु इकाना में होने वाले मैचों के लिए क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह की लहर है। क्रिकेट प्रेमियों ने कहा कि इकाना में मैच देखने को उत्साहित है।

जब सचिन को बोल्ड कर हॉग पहुंचे ऑटोग्राफ लेने

● पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर हॉग ने सचिन तेंदुलकर से जुड़ा सुनाया एक किस्सा

जेएनएन, नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट फैंस की नजरों में भगवान का दर्जा हासिल करने वाले सचिन रमेश तेंदुलकर ने दो दशक से भी ज्यादा क्रिकेट खेला। 24 साल के लंबे कॅरियर में दुनिया के तमाम धुरंधर गेंदबाजों का सपना सचिन का विकेट हासिल करना होता था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग ने सचिन को 2007 के हैदराबाद वनडे में बोल्ड किया था और फिर वह उनका ऑटोग्राफ भी लेने गए थे।

दुनिया के महानतम बल्लेबाजों में शुमार सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी देखकर कोई भी उनका मुरीद हो जाता था। विश्व क्रिकेट में उनके साथ खेलने वाले शायद ही किसी गेंदबाज ने उनकी तारीफ नहीं की होगी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ब्रैड हॉग ने सचिन से जुड़ा एक किस्सा बताया था जिसमें उनकी महानता के साथ गलती को ना दोहराने की बात पता चलती है।

हॉग से सचिन का ऑटोग्राफ लेने का किस्सा: एक अंग्रेजी वेबसाइट पर ब्रैड हॉग ने साल 2013 में 2007 के दौरे का किस्सा शेयर किया था। उन्होंने इसके बारे में लिखा था कि कैसे वह सचिन का विकेट हासिल करने के बाद उनके पास ऑटोग्राफ लेने गए थे।

सचिन को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में 5 अक्टूबर 2007 को खेले गए वनडे मुकाबले में हॉग ने सचिन को फिरकी से चकमा देते हुए बोल्ड किया था। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 47 रन से जीता था। मैच जीतने के बाद हॉग सचिन के पास उनसे उसी तस्वीर पर ऑटोग्राफ लेने गए थे। सचिन ने ऑटोग्राफ तो दिया लेकिन तस्वीर पर यह भी लिख दिया कि अब अगली बार उनको ऐसा मौका नहीं देंगे।

एक नजर में

स्टेच्यू आफ युनिटी देखने पहुंचे विश्व बैंक प्रमुख

अहमदाबाद : विश्व बैंक के प्रमुख डेविड मालपास ने रविवार को राज्य के नर्मदा जिले में बनाए गए स्टेच्यू आफ युनिटी का दीदार किया। मुख्यमंत्री विजय रूपानी भी उनके साथ थे। नर्मदा जिले के केवाडिया में देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की याद में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। विश्व बैंक प्रमुख सोमवार को यहां करीब 450 आइएएस प्रशिक्षुओं को बेहतर प्रदर्शन के लिए टिप्स देंगे। विश्व बैंक प्रमुख को स्टेच्यू आफ युनिटी के संबंध में गुजरात सरकार के अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। बताते चलें कि चार दिनी प्रवास पर विश्व बैंक प्रमुख शुक्रवार को भारत आए हैं। नई दिल्ली में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी। प्रेट्र

मॉब लिचिंग की घटनाओं से देश चिंतित : गहलोत

जयपुर : प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को यहां कहा कि पूरा देश उन्मादी भीड़ द्वारा की जाने वाली हिंसा (मॉब लिंचिंग) की घटनाओं से चिंतित है। हिंगोनिया स्थित एक गो-शाला में हुए कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि गाय माता है। हर हिंदू गाय को अपनी माता मानता है। हमारा यह कर्तव्य है कि हम इस भावना का सम्मान करें, लेकिन यह नहीं होना चाहिए कि हम किसी पर अपनी भावनाएं थोपें। गहलोत का कहना था कि भाजपा, आरएसएस व विहिप नेताओं का यह दायित्व है कि वह मॉब लिंचिंग की घटनाओं की उसी प्रकार निंदा करें जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। उन्होंने राजस्थान में ऐसी घटनाओं में कमी आने का दावा किया। प्रेट्र

मौत की भविष्यवाणी करने वाले ज्योतिषी का निधन

बैतूल (मप्र) : वर्ष 2005 में अपनी मौत की भविष्यवाणी करने वाले बैतूल के स्वघोषित ज्योतिषी कुंजीलाल मालवीय का शुक्रवार-शनिवार की दरम्यिानी रात निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। आमिर खान की सुपर डुपर फिल्म पीपली लाइव को अपने चरित्र पर फिल्माने का दावा करने वाले कुंजीलाल ने वर्ष 2005 में कहा था कि 14 साल बाद शनिवार के दिन उनकी मौत हो जाएगी। 20 अक्टूबर 2005 को उन्होंने यह बात जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर अपने गांव सेहरा में मीडिया से जुड़े सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में कही थी। मीडिया कर्मियों से तब उन्होंने कहा था कि वह इस प्रसंग को भी कवर करने आएंगे। प्रेट्र

पीएम ने एलओसी पर सैनिकों के साथ मनाई दिवाली

जवानों का बढ़ाया हौसला, किया संवाद, वर्ष 2014 में सियाचिन में मनाया था पर्व, अनुच्छेद-370 खत्म किए जाने के बाद पहली बार किया था दौरा

जम्मू, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजौरी में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात सैनिकों के साथ दीपावली मनाई। उनके साथ सेना प्रमुख विपिन रावत भी थे। जवानों को उन्होंने शुभकामनाएं दीं और उनका हौसला बढ़ाया। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस बार प्रधानमंत्री इंफ्रेंट्री डे सेलिब्रेशन के मौके पर यहां पहुंचे थे। यह दिन वर्ष 1947 में जम्मू कश्मीर में भारतीय सैनिकों के पहली बार पहुंचने की याद में मनाया जाता है। भारतीय सेना तब पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ा था।

अधिकारियों के मुताबिक सेना ब्रिगेड मुख्यालय में उतरने के बाद सीमा पर पहुंचे। एलओसी पर तैनात जवानों से उनका हाल चाल जाना। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर में सैनिकों के बीच तीसरी बार दिवाली मनाई है। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद यह उनका पहला दौरा था। प्रधानमंत्री इससे पहले भी जवानों के साथ दिवाली मनाने के लिए जम्मू-कश्मीर के अतिसंवेदनशील इलाके में आ चुके हैं। वर्ष 2014 में देश की बागडोर संभालने के बाद मोदी दिवाली पर सियाचिन पहुंचे थे।

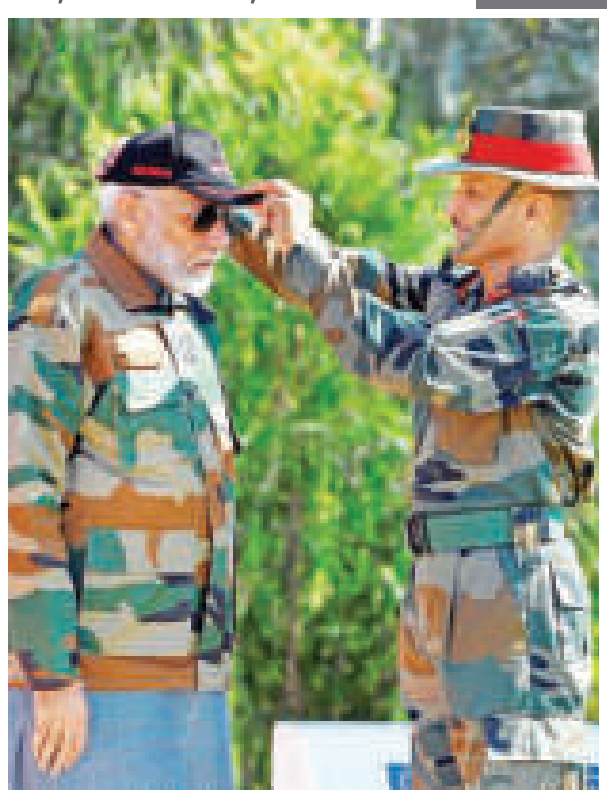

राजौरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टोपी भेंट करता जवान • पीटीआइ

जम्मू-कश्मीर में दीपावली पर जवान को मिठाई खिलाते प्रधानमंत्री • एएनआइ

जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री के साथ लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह • एएनआइ

उन्होंने वहां भी दुर्गम परिस्थितियों में देश की रक्षा में तैनात जवानों का मनोबल बढ़ाया और उनके साथ दिवाली मनाई। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2015 और 2016 में दिवाली का पर्व पंजाब सीमा पर तैनात जवानों और हिमाचल प्रदेश में तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस कर्मियों के साथ मनाया। वर्ष 2017 में उन्होंने फिर दिवाली का पर्व गुरेज सेक्टर में तैनात जवानों के साथ मनाया। तब वह श्रीनगर भी गए थे। पिछले साल यानि वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री ने दीपावली का पर्व उत्तराखंड भारत-चीन सीमा पर तैनात जवानों के साथ मनाया था।

प्रधानमंत्री को अपने बीच पाकर गर्व से फूले नहीं समाए सैनिक

उल्लास

- कहा- सोचा नहीं था कि ऐसी भी दिवाली मनेगी
- सीमाओं की सतत निगहबानी की हुई अपेक्षा

जम्मू, प्रेट्र : राजौरी में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों के लिए रविवार को दिवाली का दिन कुछ खास रहा। अपने बीच प्रधानमंत्री को पाकर उनकी खुशी दोगुनी हो गई। उन्होंने कहा कि यह सब उनके लिए अचरज भरा है। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह प्रधानमंत्री के साथ दिवाली मनाएंगे।

प्रधानमंत्री ने राजौरी के बीजी ब्रिगेड हेड क्वार्टर में भी जवानों से संवाद किया था। यहां आमतौर पर जवान टिप्पणी से बचते रहे, लेकिन प्रधानमंत्री के जाने के बाद कुछ ने कहा कि यह पल उनको आनंदित वाला है।

उन्होंने ऐसे पल की कल्पना तक नहीं की थी। एक जवान ने कहा कि प्रधानमंत्री बहुत अच्छे हैं। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए किए जा रहे हमारे प्रयासों को सराहा, यह सुखद है। एक जवान ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उनसे कहा कि वह शांति के लिए सीमाओं की सतर्क निगहबानी करते रहें। एक और जवान ने कहा कि पाकिस्तानी सेना का मनोबल गिरा हुआ है। और दुश्मन के जवान बौखलाहट में अंधाधुंध गोलीबारी करते हैं।

अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष पाकिस्तान ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 2100 बार युद्धविराम का उल्लंघन किया। इसमें 29 जवान मारे गए जबकि कई घायल हुए। इसी महीने पांच जवानों को जान से हाथ धोना पड़ा है। राजौरी और पुंछ में ही चार जवानों की मौत हुई।

शिवसेना को मिला दो और निर्दलियों का साथ

मुंबई, एएनआइ। महाराष्ट्र में सरकार कौन बनाएगा, इसे लेकर अटकलों का दौर है, लेकिन इससे पहले शिवसेना को दो और निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिल गया है। इससे उसके रुख में सख्ती और बढ़ गई है। ढाई साल तक मुख्यमंत्री पद के लिए उसने अपनी दावेदारी और मुखर कर दी है। प्रहारा जनशक्ति पार्टी के दो विधायक शिवसेना में शामिल हो गए। अचलपुर विधानसभा क्षेत्र के बच्चू कडू और मेलघाट विधानसभा क्षेत्र के राजकुमार पटेल ने शनिवार रात शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की और उन्हें अपना समर्थन दिया। इस बीच केंद्रीय राज्य मंत्री राम दास आठवले ने कहा है कि शिवसेना को उप मुख्यमंत्री पद पांच साल के लिए देना चाहिए।

समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक नागपुर के रामटेक से निर्दलीय विधायक आशीष जायसवाल और भंडारा से निर्वाचित नरेंद्र भोंडेकर ने शनिवार को उद्धव ठाकरे से उनके आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवसेना ने दावा कि दोनों ने पार्टी को समर्थन देने का प्रस्ताव किया है।

उद्धव ठाकरे (फाइलफोटो)

इस बार फिफ्टी -फिफ्टी पर अड़े : भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली शिवसेना ने महाराष्ट्र में अपने तेवर और सख्त कर लिए हैं। पार्टी ने ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद और बराबरी के मंत्रालय के वादे पर भाजपा से लिखित आश्वासन मांगा है। इस बात पर सहमति न बनने की स्थिति में उद्धव ठाकरे ने दूसरे विकल्प खुले होने के संकेत भी दे दिए हैं।

सियासत

- महाराष्ट्र में सियासी दांव पेच तेज, शिवसेना ने सख्ती बढ़ाई
- आठवले ने कहा- शिवसेना को पांच साल के लिए दिया जाय डिप्टी सीएम पद
- उद्धव ठाकरे ने दूसरे विकल्प खुले होने के भी दिए संकेत

बताते चलें कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के निवास 'मातोश्री' पर पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की शनिवार को बैठक हुई थी। करीब घंटे भर के बाद ठाणो से चुनकर आए विधायक प्रताप सरनाईक ने मीडिया से कहा था कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह एवं मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के बीच उद्धव ठाकरे की बातचीत में 50-50 के फार्मूले पर फैसला हुआ था। ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्रीका पद उसी फार्मूलेका हिस्सा था। अब जब भाजपा इस पर लिखित आश्वासन देगी तभी सरकार बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा। सरनाईक के मुताबिक बैठक में आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने की मांग भी उठी। अपने विधायकों की बात से सहमति जताते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि यदि भाजपा हमारी बात नहीं मानती, तो हमारे पास दूसरे विकल्प भी खुले हैं।

संभवतः दूसरे विकल्पों से उद्धव ठाकरे का आशय कांग्रेस-राकांपा के साथ सरकार बनाने का है। वैसे राकांपा प्रमुख शरद पवार ने साफ कर दिया है कि पार्टी को विपक्ष में बैठने का जनादेश मिला है, इसलिए उनकी पार्टी सरकार बनाने का दावा नहीं करेगी। कांग्रेस की तरफ से प्रस्ताव मिलने की दशा में विचार किए जाने के संकेत मिले हैं। राज्य में विधानसभा चुनाव के बाद ऐसी तस्वीर उभरी है कि कांग्रेस -राकांपा का साथ मिल जाय तो शिवसेना अपने बूते पर सरकार बना सकती है।

ममता बनर्जी के घर काली पूजा में शामिल हुए राज्यपाल

कोलकाता, प्रेट्र : हाल के दिनों में बयानबाजी से उपजी कड़ुवाहट के बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने रविवार रात मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सरकारी आवास पर हुई काली पूजा में भाग लिया। वह यहां करीब दो घंटे तक रहे। राज्यपाल ने पूजा के बाद कहा कि मैं यहां तमाम लोगों से मिलकर खुश हूं। राज्यपाल तृणमूल कांग्रेस के तमाम पदाधिकारियों से भी मिले।

इस बार मुख्यमंत्री ने राज्यपाल और उनकी पत्नी दक्षिण कोलकाता स्थित अपने आवास पर काली पूजा के लिए आमंत्रित किया था जब उन्होंने भइया दूज पर ममता के घर जाने की इच्छा जताई थी। वैसे इस आयोजन को लेकर भी तृणमूल कांग्रेस के नेता सुनील मुखर्जी के उस पोस्ट से विवाद उत्पन्न हुआ था जिसमें उन्होंने राज्यपाल को काली पूजा में बुलाए जाने की निंदा की थी।

ओडिशा सरकार ने बर्खास्त किए दो प्रशासनिक अधिकारी

भुवनेश्वर, एजेंसियां : ओडिशा सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के दो और अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। साथ ही भ्रष्टाचार के मामलों में कथित संलिप्तता के लिए नौ अन्य अधिकारियों की पेंशन रोक दी गयी है।

सरकार से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लोइसिंघा के पूर्व तहसीलदार बिजयानी बिस्वाल और कोमना ब्लॉक के पूर्व खंड विकास अधिकारी प्रदीप कुमार बेहरा को सेवा से बर्खास्त किया गया है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार दोनों अधिकारी राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग में काम कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि बर्खास्त ओएएस अधिकारियों को भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी ठहराया गया था। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग ने भ्रष्टाचार के मामलों में कथित संलिप्तता के लिए तीन सेवानिवृत्त अधिकारियों सहित नौ अधिकारियों के पेंशन लाभ को रोक दिया है। ओडिशा सरकार ने हाल ही में सभी विभागों को दिए परिपत्र में कहा था कि सिस्टम से भ्रष्ट और अकुशल तत्वों को बाहर निकालने की कोशिश की जानी चाहिए। इससे पहले ओड़िशा सरकार ने चार ओएएस अधिकारियों, चार इंजीनियरों, डीएफओ सुधांशु मिश्रा और तीन पुलिसकर्मियों को भ्रष्टाचार के मामलों में उनकी कथित संलिप्तता के लिए समय से पहले सेवानिवृत्ति कर दिया था।

शिकंजा

- बर्खास्त ओएएस अधिकारियों को भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी ठहराया गया था
- सरकार ने पत्र जारी कहा था कि भ्रष्ट तत्वों को बाहर निकाला जाना चाहिए

'चीन-कोरिया मॉडल' से सुधारेंगे शिक्षा

नईदुनिया, जबलपुर : मध्य प्रदेश में चीन-दक्षिण कोरिया मॉडल से स्कूल शिक्षा में सुधार की तैयारी शुरू की गई है। दोनों देश के मॉडल सरकारी स्कूलों में लागू कर प्रदेश की शिक्षा को उच्च पटल पर रखने का कार्य शुरू किया गया है। विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, कला एवं गणित सभी विषय अब एक साथ पढ़ाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। कक्षा एक से लेकर दसवीं तक विद्यार्थियों को एक से विषय पढ़ाए जाने पर जोर दिया जा रहा है। सबकुछ ठीक ठाक रहा तो आगामी सत्र से यह व्यवस्था सरकारी स्कूलों में लागू हो जाएगी। संयुक्त संचालक शिक्षा का दावा है कि संभवतः मप्र देश का पहला राज्य होगा, जहां चीन-दक्षिण कोरिया मॉडल का प्रोजेक्ट सरकारी स्कूलों में लागू किया जा रहा है।

भोपाल में दो दिवसीय कांफ्रेंस : दोनों देश के मॉडल समझने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग भोपाल में 30 और 31 अक्टूबर को स्टीम कॉन्क्लेव कांफ्रेंस का आयोजन करा रहा है। इसमें देश-विदेश के सैकड़ों शिक्षाविद् और विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस आयोजन में उन अधिकारी-प्राचार्यों को भी शामिल किया गया है, जो दक्षिण कोरिया के दौरे पर गए हुए थे। दो दिवसीय कार्यक्रम में निकाले गए निष्कर्ष के बाद तय होगा कि दोनों देशों का मॉडल प्रदेश में किस तरह से लागू किया जाए।

इससे बच्चों को ये होगा फायदा : दोनों देशों का मॉडल लागू होता है तो सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को विज्ञान, तकनीकी और कला की जानकारी एक साथ मिल पाएगी। अभी तक विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्र में जाने के लिए अलग-अलग विषय लेकर पढ़ाई करनी होती है।

मध्य प्रदेश

कक्षा एक से लेकर 10वीं तक के विद्यार्थियों को पढ़ाए जाएंगे एक से विषय

भोपाल में दो दिवसीय कांफ्रेंस आयोजित होगी। इसमें विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग के साथ कला और गणित विषय एक साथ पढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। यह कार्य एक प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू होगा, जिसमें कक्षा एक से लेकर दसवीं तक के विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। संभवत : मध्य प्रदेश पहला ऐसा राज्य होगा, जहां इस तरह का प्रोजेक्ट लागू होगा।

आईशीन सिंथिया जेपी, संचालक राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल

चीन-कोरिया में ये पढ़ाया जाता है

चीन-कोरिया व अन्य देशों में विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, कला और गणित विषय एक साथ बच्चों को पढ़ाया जाता है। बताया जा रहा है कि इन देशों में इस तरह की व्यवस्था लागू होने से बच्चों को अलग-अलग विषय लेकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती है।

कांफ्रेंस में ये होगा : कांफ्रेंस में विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, आर्ट और गणित की शिक्षण पद्धति के संबंध में विचार मंथन किया जाएगा। इसमें विशेषज्ञों के माध्यम से प्रस्तुति और परिचर्चा की जाएगी।

बोरवेल में गिरे मासूम को बचाने के लिए मंदिरों में प्रार्थना

मदुरै, एएनआइ : दिवाली पर तमिलनाडु में भक्तों ने बोरवेल में फंसे बच्चे के लिए प्रार्थना अर्चना की। कई भक्तों ने सुबह से ही तिरुचिरापल्ली जिले में स्थित मीनाक्षी अम्मन मंदिर का चक्कर लगाया और तिरुचिरापल्ली के नाडुकाट्टूपाट्टी में बोरवेल में फंसे बच्चे के सुरक्षित बाहर निकलने के लिए प्रार्थना की है। दो वर्षीय सुजीत विल्सन शुक्रवार को एक बोरवेल में गिर गया था और उसे सकुशल बचाने के लिए प्रयास देर शाम तक जारी रहा। सुजीत सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाय, इसके लिए लोग मंदिरों में पूजा कर रहे हैं। सुजीत के लिए प्रार्थना करने वालों में संतोष भी शामिल हैं। वह अपने परिवार के साथ हर साल की तरह इस बार भी दिवाली के मौके पर पूजा करने के लिए मीनाक्षी अम्मन मंदिर गए थे। इस बार उन्होंने बच्चे के सफलता पूर्वक निकाले जाने को लेकर भगवान से प्रार्थना की। कहा कि हर दिवाली मैं और मेरा परिवार मीनाक्षी अम्मन मंदिर आता है, लेकिन इस बार हम सुजीत को लेकर चिंतित हैं, जो कि बोरवेल में गिर गया है। भगवान सुजीत की रक्षा करें ताकि वह जीवित हम सब के बीच आ जाए।

शख्सियत नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में उन्हें दिया था मौका, कई मौकों पर साबित की अपनी काबलियत

खट्टर : अनाड़ी से खिलाड़ी बनने का सफरनामा

चंडीगढ़, प्रेट्र : दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने 65 वर्षीय मनोहर लाल खट्टर के साथ कई संयोग जुड़े रहे हैं। वर्ष 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में जब भाजपा ने अपने दम पर 47 सीटें प्राप्त की तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें मुख्यमंत्री चुना जाना तमाम लोगों के लिए अचरज का सबब रहा। दरअसल वह ना तो राज्य में प्रभुत्व रखने वाली जाट बिरादरी से थे ना ही उन्हें कोई प्रशासनिक अनुभव था। किसी दौर में उनका सपना डाक्टर बनना था, वह तो पूरा नहीं हुआ पर वह सियासत में अनाड़ी से खिलाड़ी जरूर बन गए।

मनोहर लाल खट्टर 1977 में पहली बार तब राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े, जब वह 24 साल के थे। भाजपा से वह वर्ष 1994 में जुड़े। इसके बाद उन्होंने 1996 में मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राज्य में संगठनात्मक गतिविधियों को विस्तार दिया। इस दौरान मोदी राज्य में पार्टी के संगठनात्मक प्रमुख थे। अविवाहित मनोहर लाल खट्टर साधारण जीवन शैली के लिए जाने जाते हैं। वर्ष 2002 में खट्टर जम्मू कश्मीर के राज्य प्रभारी बनाए गए। पार्टी की चुनाव अभियान समिति के प्रभारी के रूप में उन्होंने वर्ष 2014 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका का निवर्हन किया। वह पार्टी की अंत्योदय योजना से भी जुड़े रहे, लेकिन उनका व्यक्तित्व ज्यादा चर्चा में नहीं रहा। इसीलिए अक्टूबर जब 2014 में वह मुख्यमंत्री पद के लिए प्रधानमंत्री की पसंद बने तो यह फैसला तमाम लोगों के लिए चौंकाने वाला रहा। दरअसल राज्य में उस समय राम विलास शर्मा, अनिल विज, ओपी धनखड़ जैसे नेताओं को दरकिनार कर उन्हें चुना गया।

डॉक्टर बनना था सपना : बचपन में मनोहर लाल खट्टर का सपना डॉक्टर बनना था। रोहतक जिले के निंदाना गांव में जन्म खट्टर का परिवार देश विभाजन के वक्त पाकिस्तान से आया था। उनके बाबा ने यहां खेती शुरू की। साथ ही आय के लिए छोटी सी दुकान भी खोल ली। मनोहर लाल अपने परिवार के पहले ऐसे सदस्य बने जिन्होंने 10 वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की। हाईस्कूल तक उनकी पढ़ाई रोहतक स्थित नेकी राम शर्मा राजकीय कालेज रोहतक से हुई। मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट की तैयारी के लिए वह दिल्ली आए थे। यह सपना तो पूरा नहीं हुआ लेकिन उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि जरूर ले ली।

सफलता और चुनौतियां भी : मनोहर लाल खट्टर का पहला कार्यकाल सफलताओं व चुनौतियों से भी भरा रहा। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने पार्टी को राज्य की पांचों नगर निगमों में हुए मेयर के चुनाव में कामयाबी दिलवाई। जींद उपचुनाव तथा राज्य की 10 लोकसभा सीटों के लिए हुए चुनाव में मिली सफलता ने भी उनका ग्राफ बढ़ाया। भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने के वादे के तहत उन्होंने नौकरियों में मेरिट को महत्व दिलवाया। पंचायत के चुनावों में भी अनिवार्य शैक्षिक योग्यता सुनिश्चित करवाई। रामपाल की गिरफ्तारी के बाद वर्ष नवंबर 2014 में भड़की हिंसा, आरक्षण के लिए वर्ष 2016 में हुए जाटों के आंदोलन तथा डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरुमीत राम रहीम सिंह की गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा में 80 लोगों की मौत के मामले उनकी सरकार पर दाग सरीखे भी रहे।

मनोहर लाल खट्टर (फाइलफोटो)

इस बार सियासी मोर्चा ज्यादा पेचीदा

मनोहर लाल खट्टर के लिए पहला कार्यकाल भले ही सशक्त विपक्ष नहीं होने की वजह से अपेक्षाकृत ज्यादा मुश्किल भरा नहीं रहा हो, लेकिन इस बार चुनौतियां ज्यादा होंगी। कांग्रेस पहले से ज्यादा मजबूत हुई है। सरकार को अपने सहयोगी जजपा की तमाम शर्तें भी झेलनी पड़ सकती हैं। इसके बावजूद इतना तो कहा ही जा सकता है कि दशकों तक तीनों लालों -पूर्व मुख्यमंत्री देवीलाल, बंशीलाल और भजनलाल के बाद चौथा लाल मनोहर लाल के रूप में हरियाणा को मिल गया है। पहली बार जब मनोहर लाल खट्टर मुख्यमंत्री बने तो तमाम मंचों से उन्होंने कहा कि लोग उन्हें अनाड़ी कहते थे, लेकिन वह खिलाड़ी हैं।

मनरंजन

कहीं भटकता तो भैया नील संभाल लेते थे : नमन नितिन मुकेश

सात सवाल

फिल्म 'बाईपास रोड' से नील नितिन मुकेश के छोटे भाई नमन निर्देशन में कदम रख रहे हैं। अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने बड़े भाई को निर्देशित किया है, जो फिल्म के निर्माता भी हैं। गायक नितिन मुकेश के बेटे नमन से बातचीत :

आपने खुद को एक्टिंग से कैसे दूर रखा ?

- निर्देशन मेरी पसंद थी। मैंने शुरू से ही कैमरे के पीछे काम किया है। मैंने अब्बास मस्तान को 'रेस 2' में असिस्ट किया था। उसके बाद वह लगाव और गहरा हो गया। मैं खुद को कैमरे के पीछे ज्यादा मजबूत मानता हूं।

अब्बास मस्तान के साथ कैसे जुड़ना हुआ ?

- मैं अब्बास मस्तान को असिस्ट करने से पहले ही उनसे परिचित था। मेरे भाई नील उनके साथ काम कर चुके हैं। वे थ्रिलर जॉनर के महारथी है। मैं उनके सेट पर एक जूनियर असिस्टेंट था, इसके बावजूद वह हमें सिखाते थे। वह ऐसी शिक्षा थी, जो कोई भी फिल्म स्कूल किसी को नहीं सिखाएगा।

बिजॉय नांबियार को भी आपने असिस्ट किया। उनके साथ कैसे जुड़ना हुआ ?

- नील भैया बिजॉय के साथ फिल्म 'वजीर' में काम कर चुके थे। उसी समय बिजॉय से मिला। मेरा उनके साथ काम करना समय के साथ अपने आप हो गया। मैंने उनके साथ दो वर्षों तक काम किया। उसी समय मैंने लिखना भी शुरू कर दिया था। सेट पर बिजॉय के साथ काम करता और घर आने के बाद स्क्रिप्ट भी लिखता। मैं सीन पर नील भैया से चर्चा करता, इसी दौरान उन्हें लगा कि मैं निर्देशन के लिए तैयार हूं।

पिता नितिन मुकेश से किस तरह का सहयोग मिला ?

- मेरे पिता ने हमेशा हमें सिखाया कि हम जो भी करते हैं, लोगों की पसंद के लिए करते हैं। अपने काम के साथ ईमानदार रहो। उन्होंने कभी काम में दखल नहीं दी। वह कहते हैं कि तुमने जो सीखा है, उसका इस्तेमाल कर अच्छा काम करो।

'बाईपास रोड' बनाने में सबसे ज्यादा मुश्किल क्या रहा ?

- चुनौतियां बहुत रहीं। हमारे लिए समय और बजट की सीमा था। स्क्रिप्ट की मांग के अनुसार हमें 8-9 एक्टर चाहिए थे। सारे किरदार ग्रे शेड में थे। मेरा हीरो ही मेरी फिल्म का लेखक और निर्माता नील भैया है, इस बात ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया। सबसे बड़ा फायदा यह था कि अगर कहीं भी मैं भटकता, तो वह मुझे संभाल लेते थे।

नील के साथ सेट पर जाने की यादें हैं ?

- भाई की हर फिल्म के सेट पर गया हूं। चाहे वह उनकी पहली फिल्म 'जॉनी गद्दार' ही क्यों न हो। 'जॉनी गद्दार' में जिस लोकेशन पर भैया का धर्मेंद्र जी के साथ सीन था, हमने अपनी फिल्म को भी उस स्थान पर शूट किया है। कई छोटी-छोटी चीजें है, जिन्हें हमने फिल्म में अपने पुराने अनुभवों से जोड़ा है।

बचपन में आप ज्यादा शरारती थे या नील ?

-भैया ज्यादा शरारती थे। आज भी लोग कहते हैं कि छोटा भाई ज्यादा परिपक्व है। नील एक बच्चे के पिता हैं, फिर भी बच्चे की ही तरह हैं। बचपन में किसी का कुछ लेकर भाग जाना या किसी को तंग करना खूब होता था। मैं भैया से दस साल छोटा हूं। हमारी एक बहन भी है, जो भैया से दो साल बड़ी हैं। जब भी भैया के साथ सोता था तो लाइट बंद होने के बाद वह मुझे डराते थे।

स्मिता श्रीवास्तव

'दबंग 3' के लिए सलमान ने सुझाया 'मुन्ना बदनाम हुआ' गाना

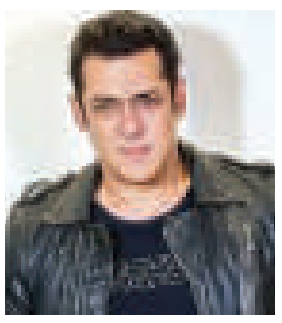

साल 2010 में बनी सलमान खान की फिल्म 'दबंग' का गाना 'मुन्नी बदनाम हुई' काफी लोकप्रिय हुआ था। इस गाने की लोकप्रियता को देखते हुए फिल्म निर्माता आगामी फिल्म 'दबंग 3' में भी कुछ इसी तरह का गाना चाहते थे। इसके लिए फिल्म के निर्माता, क्रिएटिव टीम और लेखकों के बीच में काफी मंथन हुआ, लेकिन इस गाने के जोड़ का दूसरा गाना नहीं मिला। एक दिन सलमान ने फिल्म के निर्माता और भाई अरबाज खान को देर रात फोन करके कहा कि मुन्नी बदनाम हुई गाने के जोड़ का गाना मिल गया है। आधी रात को जब अरबाज सलमान से मिलने पहुंचे तो सलमान ने हंसते हुए अरबाज से कहा कि 'मुन्नी बदनाम हुई' गाने का का जोड़ होगा 'मुन्ना बदनाम हुआ'। इस पर अरबाज झुंझलाए और सलमान से कहा कि तुम अपना संतुलन खो चुके हो। बाद में सलमान के इस सुझाव को गंभीरता से लिया गया और इस तरह से मुन्ना बदनाम हुआ गाना बनाया गया। 'दबंग 3' के गाने 'मुन्ना बदनाम हुआ' पर अभिनेत्री वरीना हुसैन ठुमके लगाती नजर आएंगी। यह फिल्म 20 दिसंबर को रिलीज होगी। 'दबंग 3' को हिंदी के साथ-साथ कन्नड़, तमिल और तेलुगु भाषा में भी रिलीज किया जा रहा है। शूरू में फिल्म को सलमान की आवाज में ही इन भाषाओं में डब कराने की योजना थी, लेकिन जब पहले दिन सलमान की डबिंग को निर्देशक प्रभु देवा ने सुना तो उन्हें कुछ समझ नहीं आया। प्रभु देवा ने सलमान से कहा कि लगता है आपने किसी विदेशी भाषा में डब कर दिया है, मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा है। इसके बाद तय किया गया कि हिंदी के अलावा अन्य भाषाओं में डबिंग सलमान से मिलती-जुलती आवाज वाले डबिंग कलाकार से कराई जाएगी।

अपनी अम्मा के लिए खूबसूरत हूं : विनय पाठक

बॉलीवुड के कुछ स्टाइलिश कलाकारों में विनय पाठक का नाम भी आता है। रंगीन चश्मों में अक्सर उन्हें देख जा सकता है। जब उनसे पूछा गया कि हर वक्त खूबसूरत लगना कितना मुश्किल काम है? जवाब में विनय पाठक ने कहा, 'मैं यह कभी नहीं चाहूंगा कि मेरी संगत में किसी को रहने में दिक्कत हो कि वह एक ऐसे इंसान के साथ बैठा है, जो देखने में अच्छा या साफ-सुथरा नहीं है।' विनय का कहना है कि वह भले ही सेट पर हों या प्रमोशन में मीडिया के सामने, खुद को प्रेजेंटेबल रखने की कोशिश करते

हैं। विनय के मुताबिक, कपड़ों और फैशन के अलावा मुस्कुराते रहना ही सबसे बड़ी खूबसूरती है। वह कहते हैं कि लोगों को भले ही मैं कुरूप लगूं, लेकिन अपनी अम्मा (मां) के लिए सबसे खूबसूरत हूं।

अमिताभ का वजन पांच किलो कम हुआ

अभिनेता अमिताभ बच्चन को हाल ही में तीन दिन तक हॉस्पिटल में भर्ती रहना पड़ा था। इसके बाद उनका वजन कम हो गया है। अमिताभ ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी, 'पिछले कुछ दिनों में मेरा वजन लगभग पांच किलो कम हो गया है। यह मेरे लिए बहुत अच्छा है। घर और परिवार के दूसरे लोग भी यह जानकारी पाकर खुश होंगे।' इसके साथ

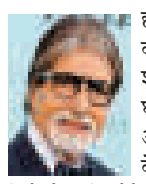

ही अमिताभ ने 'कौन बनेगा करोड़पति' की शूटिंग दोबारा शुरू कर दी है। हॉस्पिटल से घर आने के बाद अमिताभ ने अपने फैंस और शुभचिंतकों के प्रति आभार प्रकट किया था, जिन्होंने उनके स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की थी। गौरतलब है कि अमिताभ आलिया-रणबीर के साथ 'ब्रह्मास्त्र', 'चेहरे', 'झुंड' और 'गुलाबो सिताबो' में दिखाई देंगे।

देश-विदेश जागरण

कोलम्बस ने की थी क्यूबा के पूर्वी तट की खोज

स्पेन से भारत तक के लिए समुद्री रास्ते की खोज करने निकले क्रिस्टोफर कोलम्बस ने क्यूबा के पूर्वी तट की खोज 1492 में आज के दिन की, जिसके पश्चात स्पेन की सेनाएं इस क्षेत्र में पहुंचीं थी।

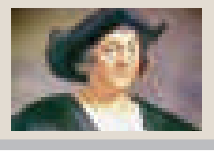

स्टैच्यु ऑफ लिबर्टी का औपचारिक अनावरण

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड ने 1886 में आज के दिन दोस्ती के प्रतीक के तौर पर फ्रांस से उपहार में मिली 'स्टैच्यु ऑफ लिबर्टी' का औपचारिक अनावरण किया। वर्तमान में स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी देखने के लिए हजारों लोग रोजाना पहुंचते हैं।

दुनिया के सबसे रईस बिल गेट्स का आज जन्मदिन

माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स का वाशिंगटन में 1955 को आज के दिन ही जन्म हुआ। वे हाल में ही एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने दिग्गज अमेरिकी रिटेलिंग कंपनी अमेजन इंक के सीईओ जेफ बेजोस को पीछे छोड़ा। बिल गेट्स की संपत्ति इस समय 105 .7 अरब डॉलर आंकी गई है। उन्होंने 1 जनवरी 1994 को मेलिंडा से शादी की। वर्तमान में पति-पत्नी दोनों मिलकर गरीबों के उत्थान के लिए फाउंडेशन चला रहे हैं।

...तो इन वजहों से डूबा टाइटेनिक

अप्रैल 1912 में अपनी पहली यात्रा के दौरान ही उस जमाने का सबसे शानदार, विशालकाय और सुरक्षित जहाज टाइटेनिक की विशाल हिमखंड से टकराने के बाद अटलांटिक महासागर में जलसमाधि बन गई थी। इस घटना में करीब 1500 सौ लोग मारे गए थे। पहली बार इसके हिमखंड से टकराने और समुद्र में समाने की वजहें एक डॉक्यूमेंट्री में सामने आई हैं। टेन मिस्टेक्स दैट संक द टाइटेनिक नामक डॉक्यूमेंट्री को दुनिया के जाने-माने जहाज विशेषज्ञों ने सालों-साल शोध करने के बाद तैयार किया है। चैनल 5 पर इसे आज दिखाया जाएगा। डॉक्यूमेंट्री में बताया गया है कि जहाज के रास्ते को देखने के लिए जिन अधिकारियों की तैनाती की गई थी, उनसे उस कक्ष की चाबी ही गुम हो गई थी जिसमें दूरबीन रखी थी। ऐसी ही हैरतअंगेज 10 चूकों के चलते विशालकाय पोत समुद्र में समा गया और दुनिया के सामने एक बड़ी त्रासदी छोड़ गया।

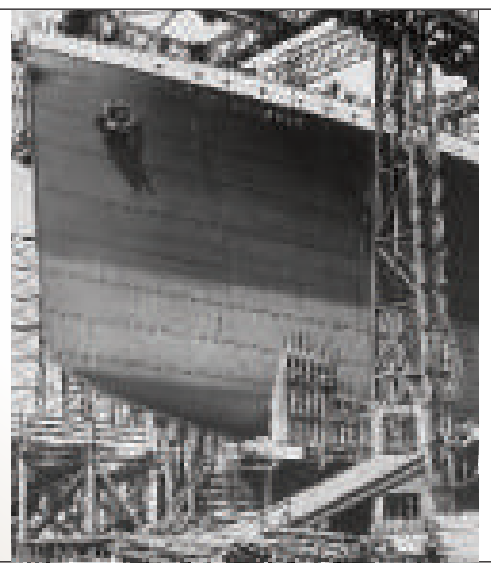

खिड़कियों को खोलने से भी ज्यादा नुकसान हुआ

टाइटेनिक जहाज के रुकते ही यात्री परेशान हो उठे। वे अपने पास की छोटी खिड़कियों को खोलकर देखने लगे कि आखिर क्या हुआ है। हालांकि सभी यात्रियों को जहाज की छत पर जाने को कहा गया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जहाज पर सवार लोग लाइफ बोट पर जाने से पूर्व 12 खिड़कियों को खुला छोड़ गए। इससे जहाज में तेजी से पानी भरना शुरू हो गया। टाइटेनिक में ऐसी सैकड़ों खिड़कियां थीं।

मशीनों से नहीं हुआ था कीलें लगाने का काम

टाइटेनिक के आगे का हिस्सा इतना बड़ा था कि इसमें कील लगाने का काम हाथ से करना पड़ा था। जहाज में 30 लाख कीलें लगी हुई थीं। उच्च गुणवत्ता वाली कीलें लगाने के लिए बड़ी हाइड्रोलिक मशीन की जरूरत होती, लेकिन यहां ऐसा करना संभव नहीं था। यहां मैनुअली ही लोहे की कीलें लगाई जानी थीं, जिससे इनकी गुणवत्ता कमतर रही। ऐसे में हिमखंड से टकराते ही जहाज का यह हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जहाज के इस भाग के टूटने से पानी भर गया।

कुछ अन्य जानकारियां

- हिमखंड दिखने के 30 सेकंड बाद ही टाइटेनिक टकरा गया था।
- जहाज को डूबने में दो घंटे 40 मिनट लगे थे।
- टाइटेनिक जब डूबा, उस दिन उसके सफर का चौथा दिन था।
- यह उस समय दुनिया का सबसे बड़ा जहाज था, जिसकी लंबाई 882 फीट थी।

तेज थी रफ्तार

डॉक्यूमेंट्री में बताया गया है कि 17 अप्रैल को न्यूयॉर्क पहुंचने के लिए टाइटेनिक औसतन 18 नॉट से ज्यादा तेज रफ्तार से चल रहा था। धीमी गति से आपदा को बचाया जा सकता था। टाइटेनिक के कप्तान एडवर्ड को तेज रफ्तार से जहाज चलाने के लिए जाना जाता था। लोग उनके साथ यात्रा करना पसंद करते थे। वह अपने यात्रियों को जितनी जल्दी हो सके गंतव्य तक पहुंचाने के प्रयास में रहते थे। टाइटेनिक में सवार यात्री भी न्यूयॉर्क जल्दी पहुंचाना चाहते थे। उनको मालूम था कि कप्तान स्मिथ उन्हें सही समय पर वहां पहुंचा देंगे।

कप्तान स्मिथ

दूरबीन वाले केबिन की चाबी नहीं थी

डॉक्यूमेंट्री के मुताबिक, टाइटेनिक इसलिए डूबा क्योंकि उस समय ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों के पास उस केबिन की चाबी नहीं थी, जिसमें दूरबीन रखी हुई थी। इससे आगे के हिमखंड को नहीं देखा जा सका।

मोदी की फ्लाइट के लिए वायु क्षेत्र के इस्तेमाल की इजाजत नहीं : पाक

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान ने कहा है कि वह अपने वायु क्षेत्र से भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्लाइट को गुजरने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी को सोमवार को सऊदी अरब जाना है। वहां एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे और खड़ी देशों के नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। कुरैशी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकार के कथित उल्लंघन मद्देनजर यह फैसला किया गया है। पाकिस्तान कश्मीरियों के समर्थन में रविवार को 'काला दिवस' मना रहा है। कुरैशी ने कहा कि भारतीय उच्चायोग को इस फैसले के बारे में लिखित रूप से सूचित किया जा रहा है। पिछले महीने पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री मोदी के विमान के अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने की इजाजत देने से इन्कार कर दिया था। उस समय मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के लिए जा रहे थे।

पाकिस्तान ने पिछले महीने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के विमान को भी अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल की इजाजत देने से मना किया था। कोविंद आइसलैंड के दौरे पर गए थे।

बगदादी के पास से मिली है बेहद संवेदनशील सामग्री व जानकारी

कोई अमेरिकी सैनिक हताहत नहीं, बगदादी के कई समर्थक मारे गए

वाशिंगटन, प्रेट्र: आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट सरगना अबु बकर अल-बगदादी के मारे जाने के बाद उसके पास से बेहद संवेदनशील सामग्री और जानकारी मिली है। यह जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार की सुबह व्हाइट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी।

ट्रंप ने बताया कि बगदादी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कोई भी अमेरिकी सैनिक हताहत नहीं हुआ है। लेकिन बगदादी के कई समर्थक मारे गए। आइएस ने लोगों पर बहुत अत्याचार किये, जिसके चलते हजारों लोगों को जान गंवानी पड़ी। पिछले पांच वर्षों में, बगदादी के ठिकाने के बारे में बहुत कम जानकारी मिल पाई थीं। इस दौरान कई बार उसके मारे जाने की खबरें भी आईं। बगदादी की मौत को राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ी राजनीतिक जीत माना जा रहा है, जो विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से महाभियोग की प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं।

ट्रंप ने अभियान में सहयोग देने के लिए रूस, तुर्की, सीरिया और इराक को धन्यवाद दिया है। उन्होंने अभियान में मददगार जानकारी उपलब्ध कराने के लिये सीरियाई कुर्दों को भी धन्यवाद कहा है। उन्होंने कहा कि कुर्दों ने सैन्य भूमिका नहीं निभाई लेकिन, हमें जानकारी उपलब्ध कराई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिकी विशेष बलों ने तुर्की के किसी क्षेत्र से उड़ान भरी थी। हमने रूस से बात कर उसे बताया कि हम वहां आ रहे हैं...उन्होंने बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दी। हमने रूस को यह नहीं बताया कि हमारा मिशन क्या है। ट्रंप ने कहा-यह एक खुफिया अभियान था। वहां घुसते ही हल्की गोलीबारी हुई, जिसका तुरंत जवाब दिया गया। अभियान की प्रक्रिया शाम पांच बजे शुरू की गई। उन्होंने कहा कि अभियान से पहले 11 बच्चों समेत कई लोगों को बचाया गया।

अबु बकर अल-बगदादी (फाइल फोटो)

बोले ट्रंप

- यह अमेरिकी सेना का एक खुफिया अभियान था
- अभियान में साथ देने वाले और मददगार देशों को दिया धन्यवाद
- अमेरिकी विशेष बलों ने तुर्की के किसी क्षेत्र से भरी थी उड़ान

दुनिया की सबसे अच्छी खुफिया एजेंसियों द्वारा खोजे जाने और अमेरिकी अधिकारियों द्वारा उसके बारे में सूचना देने के लिए ढाई करोड़ अमेरिकी डॉलर का इनाम रखने के बावजूद बगदादी हाथ नहीं आया। बगदादी इराक में अल-कायदा में शामिल हो गया, जिसका बाद में इराक के इस्लामिक स्टेट और अन्य इस्लामी समूहों के साथ विलय हो गया। वह अमेरिकी सेना द्वारा अपने पूर्ववर्ती के मारे जाने के बाद 2010 में समूह का नेता बन गया। इसके बाद उसने 2013 में समूह का नाम बदलकर आइएसआइएल या आइएसआइएस किया और 2014 में खुद को उसका खलीफा घोषित कर लिया।

तुर्की समर्थकों और कुर्दों में संघर्ष, 15 मारे गए

बेरूत, एजेंसियां : सीरिया के उत्तर-पूर्वी हिस्से में रविवार को तुर्की समर्थक लड़ाकों और कुर्दों के बीच रविवार को जमकर संघर्ष हुआ। इस दौरान 15 लोगों की मौत हो गई। कुर्दों को सीरिया का समर्थन प्राप्त है।

सीरिया में मानवाधिकार की निगरानी करने वाली संस्था के प्रमुख रामी अब्देल रहमान के मुताबिक तुर्की समर्थित नौ लड़ाके और कुर्द नेतृत्व वाले सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्स के छह सदस्यों की मौत हो गई। यह संघर्ष तल तमर और रास अल-ऐन में हुआ है। सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने पहले बताया था कि सीरिया सरकार के सुरक्षा बल तुर्की सीमा से लगे प्रांतीय रास अल-एन की सीमा में प्रवेश कर चुके हैं। यह क्षेत्र तुर्की ने अपने कब्जे में ले लिया था।

प्लेटलेट्स कम होने से बिगड़ती जा रही है नवाज शरीफ की हालत

लाहौर, प्रेट्र : रक्त में प्लेटलेट्स काउंट में उतार-चढ़ाव के कारण पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की हालत बिगड़ती जा रही है। रविवार को उनका प्लेटलेट्स काउंट 45000 से घटकर 25000 तक पहुंच गया। नतीजतन उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने सात साल कैद की सजा काट रहे नवाज शरीफ को अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में मंगलवार तक के लिए जमानत मंजूर की थी। इससे एक दिन पहले लाहौर हाई कोर्ट ने मनी लांड्रिग के मामले में जमानत दी थी। दोनों अदालतों ने उन्हें खराब स्वास्थ्य के मद्देनजर मानवीय आधार पर यह राहत प्रदान की है।

नवाज शरीफ (फाइल फोटो)

सर्विस हॉस्पीटल जहां नवाज शरीफ को भर्ती कराया गया है, उसके प्रमुख डॉ.महमूद अयाज ने रविवार को बताया कि प्लेटलेट्स काउंट गिरने के घंटे बाद स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। शरीफ को सोमवार की रात उस समय अस्पताल पहुंचाया गया, जब उनका प्लेटलेट्स काउंट घट कर खतरनाक स्तर पर 2000 तक पहुंच गया था। शनिवार को लाहौर हॉस्पीटल में इलाज के दौरान शरीफ के सीने में दर्द उठा था। डॉक्टरों के मुताबिक यह दर्द हृदय में रक्त का प्रवाह कम होने के कारण हुआ था। इससे पहले शनिवार को पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर और शरीफ के वकील ने दावा था कि नवाज शरीफ को दिल का दौरा पड़ा है, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने इस दावे को खारिज करते हुए बताया कि शरीफ को उपचार के दौरान एंजाइना अटैक से जूझना पड़ा था।

इको फ्रेंडली दिवाली मनाने के लिए महिलाएं आईं आगे

रायपुर, एएनआइ : पूरे देश में दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। इको फ्रेंडली दिवाली मनाए जाने को लेकर इस बार लोग कुछ ज्यादा ही सजग हैं। इको फ्रेंडली दिवाली को बढ़ावा देने कि लिए छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में महिलाओं का एक ग्रुप तेजी से काम कर रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्था बन चरौदा में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं लोगों को स्वच्छ और हरियाली दीवाली मनाने में मदद करने के लिए गोबर से लगभग दो लाख पर्यावरण के अनुकूल दीये बना रही हैं। बहुत सारी महिलाएं जो कभी खुद के लिए कमाने के बारे में नहीं सोचती थीं, अब यहां सुंदर इको फ्रेंडली गाय के गोबर के दीये बनाकर अच्छी कमाई कर रही हैं।

Regd. Office: Hero MotoCorp Ltd., 34, Community Centre, Basant Lok, Vasant Vihar, New Delhi - 110057, India. CIN: L35911DL1984PLC017354. For further information, please contact your nearest Hero MotoCorp's dealership or contact on our Toll Free No.: 1800-266-0018 or visit our website www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Offer is for limited period only. ^Cash benefit for Govt. Employees is applicable on specific models only & cannot be clubbed with any other offer. #Finance scheme is at the sole discretion of the Financier subject to its respective T&Cs. ##Additional benefit of ₹2100/- on Service & GoodLife on paying ₹399/-. **Paytm's offer is subject to their applicable terms & conditions. For more details, please contact your nearest Authorized Hero Outlet. ^As per cumulative dispatch numbers till 15th September 2019. ^^ Terms and Conditions apply.

AUTHORISED DEALERS: AGRA: Atmaram Hero, Delhi-Agra By-pass Road, 7290051463; Laxmi Hero, Trans Yamuna Colony, 7290073257; Nitin Hero, Ajmer Road, 7290046603; Madhusudan Hero, Shamshabad Road, 7290073629; **AKBARPUR (KANPUR DEHAT):** Northern Hero, 7290069767; **ALIGARH:** Aligarh Hero, Rasalganj, 7290045031; Vikas Hero, Shivam Plaza, 7290062972; Vikas Auto Wheels, 7428390255, **ALLAHABAD:** Saraswati Hero, Rajapur, 7290045039; Mansarover Crossing, Vishambar Cinema, 9415324203; Kanha Hero, Civil Lines, 7290054426; Shivani Hero, Patel Nagar, Jhunsi, 7290990495; **AMBEDKAR NAGAR:** Jai Hero, 7290084874; **AMROHA:** Amroha Hero, 7290085345; **ANPARA (SONBHADRA):** Anand Hero, 7290045919; **AZAMGARH:** Eastern Hero, 7290067828; Kashi Nath Hero, Railway Station Road, 7290073963; **BADAUN:** GS Hero, 7290042343; **BAHRAICH:** Standard Hero, Gonda Road, 7290060728, Krishna Hero, Lucknow Road, 7290023383; **BALLIA:** G.B. Hero, 7290035308; **BALRAMPUR:** Bawa Hero, 7290032750; **BANDA:** Mayur Hero, 7290095512; **BARABANKI:** Barabanki Hero, 7290043582; Bright 2 wheels, 7428595884; **BARAUT:** Bharat Hero, 7290072728; **BAREILLY:** Kipps Hero, Civil Lines, 7290022532; Shri Bankey Bihari Hero, Pilibhit Road, 7290082703; Khandelwal Hero, Rampur Road, 7290070454; **BASTI:** Sushil Hero, Station Road, 7290053580; Shubham Hero, Bareban, Near Toll Plaza Basti, 7290028286; **BHADOHI:** Krishna Hero, 7290024412; **BIJNOR:** Kavita Hero, 7290054404; **BULANDSHAHAR:** Shri Durga Hero, Delhi Road, 7290028225; Krishna Hero, Raje Babu Road, 7290052851; **DEORIA:** Ganpati Hero, Gorakhpur Road, 7290064960, Laxmi Hero, Salempur Road, Sonda, 7291971542; **DHAMPUR:** Bharat Hero, 7290025362; **ETAH:** Balmukund Hero, 7290062527; **ETAWAH:** Mishra Hero, 7290049707; **FAIZABAD:** Chandra Hero, 7290902921, Vanshadi Hero, 7290062973; **FARRUKHABAD:** Gupta Hero, 7290035514; **FATEHPUR:** Shyam Hero, 7290048467; **FIROZABAD:** Venus Hero, 7428297090; **GAJRAULA:** Highway Hero, 7291971436; **GHAZIABAD:** Globe Hero, Meerut-Delhi Road, 7290067830; Aman Hero, Shiv Puri, Vijay Nagar, 7291983182; **GHAZIPUR:** Shiva Hero, 7290025430; **GONDA:** Kamal Hero, 7290051479, DDS Hero, 8448389700; **GORAKHPUR:** M.B. Hero, Medical College Road, 7290037974; Navya Hero, Opp. BPCL Petrol Pump, Nausarh, 7290041368; DP Hero, Deoria Road, 7290091993; **HARDOI:** Balaji Hero, 7290062687; Concept Hero, Gopamau, 7290045037; **HAPUR:** Globe Hero, 8448389697; **HATHRAS:** Maharaja Hero, 7290935165; **JAUNPUR:** Auto Wheels Hero, Jahangirabad, 7290084876; Venketswar Hero, 7290046734; **JALALABAD:** Prashant Hero, 9198660661; **JAGDISHPUR:** Sagar Hero, 8929172551; **JHANSI:** Suri Hero, Civil Lines, 7290030889; J.M.K. Hero, Shivpuri Road, 7290082721; **KANNAUJ:** A.M. Hero, 7290030825; **KANPUR:** Northern Hero, Mall Road, 8448183642; Swami Hero, Govind Nagar, 7290069265; Shree Tirupati Hero, Awas Vikas, Kalyanpur, 7291987164, RBS Hero, Ashok Nagar, GT Road, 7290078165; **KARWI:** Uma Hero, 8929264980; **KHALILABAD:** Bharat Hero, 7290027398; **KASGANJ:** Bharat Hero, Bareilly Road, 7290988713; **KAUSHAMBI:** Akarsh Gopal Hero, Rasulpur Gircha, Bharwari, 7290059125; **KUSHINAGAR:** Vaishno Hero, NH-28, Gorakhpur Road, Jungwa, 8929643192 **LAKHIMPUR KHERI:** Mosaram Hero, L.R.P. Road, 7290072836; Vijay Hero, Kutcheri Road, 7290082754; **GOLA GOKARAN NATH:** Shri Narain Hero, Sajid Nagar, Lakhimpur Road, 7290051719; **LALITPUR:** Srivastava Hero, Near Navin Galla Mandi, 7290806080; **LUCKNOW:** SAS (Sunil) Hero, Station Road, 7290049342; Sun Motors, Near H.A.L., Indira Nagar, 7290041702; Bright Hero, Sitapur Road, Daliganj, 7290022302, 39-Mutakkipur Opposite ELDECO City, IIM Road, 7290084215; R.S. Hero, Alambagh, 7290029537; Superb Motor, Balaganj, Hardoi Road (Chowk), 7290095887; Superb Automobiles, Juggaur, Near Indira Canal, Faizabad Road, 7290052878; P5 Hero, Raebareilly Road, 7290082050; **MAHARAJGANJ:** Shubham Hero, 7290039436; **MAHOBA:** Yadav Hero, 7290072161; **MAINPURI:** Jassi Hero, 7290047168; **MATHURA:** Brij Hero, Maholi By-pass, 7290045608; Jain Hero, Alvar Bridge, 7290064869; **MAU:** Rajput Hero, 7290063496; JP Hero, Civil Line, 7290047374; **MEERUT:** Jai Kumar Arun Kumar Hero, Delhi Road, 7290059894; Shri Shyamji Hero, Delhi Road, 7290076405, Shree Shiv Shakti Hero, Modipuram, 7290067992; **MIRZAPUR** For U Hero, Bharauna, 7290904880, Kshitij Hero, Lohia talab, Vindhyachal Road, 9015130727; **MORADABAD:** Jawahar Hero, Delhi Road, 7290031181; Cross Wheels Hero, Kanth Road, 7290067808; **MUGALSARAI** Avatar Hero, 7290086708; **MUZAFFARNAGAR:** Vihan Hero, Vishnu Vihar, 7290039143, Shree Balaji Hero, 7290054607, Nishant Hero, Rampuri Gate Ke Nikat, Roorkee Road, 7290086730; **NAJIBABAD:** Gopal Hero, 7290035481; **NOIDA:** Uppal Hero, A-5, Sector-10, 7290057915, Singla Hero, 7290075937, Dhansri Hero, 7290059861; **ORAI:** Suryanshu Hero, 7290022683; **PADAROUNA:** Gupta Hero, Kashiya Road, 7290073562; Ramakola Road, 9554965784 **PILIBHIT:** Prashanti Hero, 7290805003; **PRATAPGARH:** Janta Hero, Allahabad-Faizabad Road, 7290073152; Ranjeetpur, Chilbila, 9026359221 **RAIBAREILY:** Bombay Auto Hero, 7290024363, Naresh Hero, Ratapur Chauraha, 7290073108; **RAMPUR:** R.N. Hero, 7290024356; **RATH:** Ankit Hero, 8929265001 **ROBERTGANJ:** Vindhya Hero, 7290957924; **SAHARANPUR:** Bawa Hero, Link Road, 7290035126; Bhagwan Hero, Delhi Road, 7290026735; **SAHIBABAD:** Sahib Hero, 7290062812; **SHAHJAHANPUR:** Sumitra Hero, 7290059858; Darshan Hero, 8929207497; **SHAMLI:** Asha Hero, 7290082753; **SAMBHAL:** Badar Hero, 7290022983; **SIDDHARTHNAGAR:** S.P. Hero, 7290085903; **SITAPUR:** Agarwal Hero, 7290848912, Narendra Hero, Husainganj, Lucknow Road, 7290035134; **SHIKOHABAD:** Golden Hero, 7290042337; **SULTANPUR:** Ratandeep Hero, 7290076539; Mahaveer Hero, Laxmanpur, 7290058289; **UNNAO:** Vishal Hero: 1, Awas Vikas/1275, Shekhpur, Kanpur-Unnao Road, 7290068310, 6394545508; Unnao Hero, P.D. Nagar, Near Gadan Khera Bypass, 7290041689; **VARANASI:** U.S. Hero, Sigra, 7290051720; Chitaipur, 7525045545; Vishal Hero, Lahertara, 7290046017, Kazzakpura, 7290057228; Mangalmurty Hero, Pahariya, 7290057728.

JWT.5772.2019HIN